ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक समेत कई प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा बहुत जल्द होगी: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 27 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-176

तेलंगाना हाईकोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकार पर लगाई मुहर

मुस्लिम महिलाओं को भी तलाक लेने का अधिकार

हैदराबाद, 26 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मुस्लिम मर्द अगर तलाक ले सकता है तो मुस्लिम महिलाओं को भी तलाक मांगने का पूरा अधिकार है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा कि एक मुस्लिम पुरुष को अपनी पत्नी की खुला (पत्नी द्वारा शुरू किया गया तलाक) की मांग को अस्वीकार करने का कोई अधिकार नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिला को खुला यानी तलाक मांगने का अधिकार बिल्कुल सही है। इसके लिए शौहर की सहमति नहीं चाहिए। हाईकोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के हक में फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर महिला अपने शौहर के साथ नहीं रहना चाहती है, तब महिला को अधिकार है कि वह खुला से तलाक ले सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि बीवी के लिए विवाह विच्छेद को अंतिम रूप देने के लिए मुफ्ती या दार-उल-कजा से खुलानामा (विवाह विच्छेद का प्रमाण पत्र) लेना जरूरी नहीं है। मुफ्ती की राय केवल सलाह के लिए होती है। इसके साथ हाईकोर्ट ने साफ किया कि अगर पत्नी खुला मांगती है और केस अदालत तक पहुंचता है। ऐसे मामले में खुला तत्काल रूप से प्रभावी हो जाता है। बेशक ही मामला दोनों पक्षों का निजी क्यों

मुस्लिम महिलाएं भी ले सकती हैं तलाक

मुस्लिम मर्द तलाक मांगें तो मुस्लिम महिलाएं भी मांग सकती हैं खुला

न हो। जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य और जस्टिस बीआर मधुसूदन राव की बेंच ने कहा कि मुस्लिम बीवी का खुला मांगने का अधिकार सही है। इसके लिए पति की स्वीकृति या कारण बताने की जरूरत नहीं है। इसलिए हाईकोर्ट की भूमिका केवल निकाह को खत्म कराने के लिए मुहर लगाने तक ही सीमित है। बेंच ने कहा, हाईकोर्ट की एकमात्र भूमिका निकाह समाप्ति पर न्यायिक मुहर लगाना है, जो कि खुला के दौरान दोनों पक्षों के लिए तनावपूर्ण हो जाती है। पारिवारिक न्यायालय को केवल यह पता लगाना है कि दोनों पक्षों के बीच आपसी मतभेद सुलझ सकते है या नहीं। इसी आधार पर खुला की मांग वैध मानी जाएगी। इसके लिए विस्तारित जांच नहीं होनी चाहिए, बल्कि केंद्रित जांच काफी है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने यह फैसला एक मुस्लिम दंपति के मामले में सुनाया है। मामले में एक मुस्लिम बीवी ने अपने शौहर को खुला की मांग की, लेकिन शौहर ने उसकी मांग को ठुकरा दिया। इसके बाद बीवी ने फैमिली हाईकोर्ट में केस दर्ज कराया। यहां कोर्ट ने बीवी के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद गैर-सरकारी संगठन सदा-ए-हक शरई परिषद ने मुस्लिम व्यक्ति को ▶10पर

एससीओ समिट के साझा घोषणा पत्र में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं

साझा घोषणापत्र पर राजनाथ ने हस्ताक्षर नहीं किया

किंगदाओ (चीन), 26 जून (एजेंसियां)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में साझा घोषणा पत्र (जॉइंट स्टेटमेंट) पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। साझा घोषणा पत्र में पहलगाम आतंकी हमले का कोई जिक्र नहीं किया गया था, लेकिन उसमें बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों का जिक्र किया गया था। साझा घोषणा पत्र पर भारत के रक्षा मंत्री के हस्ताक्षर नहीं करने के कारण एससीओ घोषणा पत्र जारी नहीं हो सका। इसे लेकर दुनियाभर में चीन की निंदा हो रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को लेकर अपनाए जाने वाले दोगले रवैये पर तीखा प्रहार दिया और अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। सिंह ने कड़े लहजे में कहा, कुछ देश क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म को नीतिगत साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं और आतंकियों को

जारी नहीं हो सका एससीओ समिट का साझा घोषणा पत्र

विश्व में हो रही है चीन-पाकिस्तान की मक्कारी की निंदा

पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। राजनाथ सिंह ने कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले और मई में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, पहलगाम आतंकी हमले का पैटर्न भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकी हमलों से मेल खाता है। आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए भारत ने 7 मई 2025 को सीमा पार आतंकी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक शुरू किया।

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की मौजूदगी में कहा, आतंकवाद का कोई भी कृत्य आपराधिक और अनुचित है, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो, चाहे वह कभी भी, कहीं भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। एस-सीओ सदस्यों को इस बुराई की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने कहा, भारत का मानना है कि बहुपक्षवाद संवाद और ▶10पर

खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय और सभी राज्यों को किया अलर्ट

असम से फरार करा दिए गए 30 हजार बांग्लादेशी

गुवाहाटी/नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। पहचान होने के बाद असम से 30 हजार बांग्लादेशियों को फरार करा दिया गया। खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय के साथ-साथ सभी राज्यों को अलर्ट किया है। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि सुनियोजित साजिश के तहत असम से फरार कराए गए बांग्लादेशी घुसपैठियों को अन्य राज्यों में विलीन कराने की कोशिशें हो रही हैं। इसके लिए राज्यों की विभिन्न एजेंसियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

नियोजित साजिश का परिणाम पहचान की कोशिशें जारी

खुफिया एजेंसी का कहना है कि असम में अवैध रूप से घुसपैठ कर रह रहे करीब 30,000 बांग्लादेशियों का अचानक गायब हो जाना अत्यंत संदेहास्पद मामला है। इन बांग्लादेशियों को न्यायाधिकरण द्वारा बाकायदा विदेशी घोषित किया जा चुका है। ऐसे में इतनी बड़ी तादाद में उनका गायब हो जाना सुरक्षा नजरिए से भी काफी चिंताजनक है। असम सरकार ने इन्हें पकड़ने के लिए राज्यव्यापी अभियान छेड़ दिया है, लेकिन फरार घुसपैठियों के अन्य राज्य में जाकर छुपने का पूरा अंदेशा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) अपडेट प्रक्रिया के दौरान अस्थाई रूप से घुसपैठियों की पहचान रोक दी गई थी। इसी बीच जिनकी पहचान विदेशी के तौर पर हुई थी, उनमें से हजारों फरार हो गए। ये सब वही लोग हैं जिन्हें न्यायाधिकरण ने विदेशी घोषित कर दिया था, लेकिन उन्होंने उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में कोई अपील नहीं की। ऐसे लोग अब भारत में रहने का अधिकार खो चुके हैं। राज्य से अवैध विदेशियों की पहचान करके उन्हें बाहर निकालने के लिए अप्रवासी अधिनियम 1950 को सख्ती से लागू किया जाएगा। ▶10पर

स्पेस स्टेशन में 14 दिन रहेंगे तीनों अंतरिक्ष यात्री

अंतरिक्ष में भारत के लिए कई प्रयोग करेंगे शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद एक्सिओम-4 मिशन को लेकर ड्रैगन अंतरिक्ष यान इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचा। यान की डॉकिंग सफल रही है। एक्सिओम मिशम के तहत अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में 14 दिन बिताएंगे और इस दौरान 60 प्रयोग करेंगे। इस तरह भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच गया है। अंतरिक्ष यान करीब 28.5 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून बृहस्पतिवार को भारतीय समय के अनुसार शाम करीब 4:30 बजे आईएसएस से जुड़ा। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस के लिए सफल उड़ान भरी थी। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफल उड़ान भरने के साथ ही नया इतिहास रच दिया। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रवाना हुए शुभांशु की यह यात्रा 41 साल बाद किसी भारतीय की पहली अंतरिक्ष यात्रा है। आईएसएस की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। ▶10पर

भारत की विकास यात्रा में अड़ंगा लगा रहा चीन

चीन ने अब स्पेशल खाद की भी सप्लाई रोक दी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत की आर्थिक तरक्की को रोकने के लिए चीन कई हथकंडे अपना रहा है। उसने अब विशेष काम में उपयोग होने वाले उर्वरकों की आपूर्ति रोक दी है। चीन के पोर्ट पर भारत जाने के लिए कंटेनर तैयार रखे हैं, लेकिन चीनी अधिकारी उनकी जांच कर हरी झंडी नहीं दे रहे, जिससे यह अधर में लटके हैं।

बीते 20-30 वर्षों में चीन ने अभूतपूर्व आर्थिक विकास हासिल किया। लेकिन चीन की मक्कारी और उसकी विस्तारवादी शैतानियों के कारण चीन ने पूरी दुनिया में अपनी साख खो दी। भारत बहुत तेजी से चीन के विकल्प के रूप में खड़ा होने लगा। भारत ने कई मामलों में चीन को कड़ी टक्कर देना चालू कर दिया। चीन, भारत की तरक्की में अब रोड़े अटका रहा है। उसने बीते कुछ वर्षों में कई बार ऐसी हरकतें की हैं, जिससे भारत की विकास यात्रा को धक्का लगे। इस कड़ी में सबसे ताजा

रेयर अर्थ मिनरल, टीबीएम स्मार्टफोन पार्ट्स पहले से बंद

मामला चीन से भारत आने वाले कृषि उत्पादों से जुड़ा हुआ है। चीन ने बिना कोई आधिकारिक प्रतिबंध लगाए विशेष काम में उपयोग होने वाले उर्वरकों की आपूर्ति रोक दी है। चीन के पोर्ट पर भारत जाने के लिए कंटेनर तैयार रखे हैं, लेकिन चीनी अधिकारी उनकी जांच कर हरी झंडी नहीं दे रहे, जिससे यह अधर में लटके हैं। फसल को बढ़ाने, कीट भगाने और उसकी विशेष जरूरतों को पूरा करने वाले यह उर्वरक भारत आना बंद हो चुके हैं। जबकि भारत छोड़ कर बाकी देशों को चीन यह उर्वरक भेज रहा है। भारत इस उत्पाद का हर साल जून से दिसंबर के बीच लगभग 1.5 लाख टन आयात करता है। चीन बीते कुछ वर्षों से इसमें आनाकानी कर रहा था, लेकिन इस बार उसने पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया।

भारत इन विशेष तरह के उर्वरकों के लिए 80 प्रतिशत चीन पर ही निर्भर है। जिन उर्वरकों के निर्यात पर चीन ने कैंची चलाई है, वह सामान्यतः नैनो तरह के हैं और पानी में घोले जाते हैं। भारत जहां यूरिया, डीएपी और फॉस्फेट जैसे उत्पादों में काफी हद तक आत्मनिर्भर है, वहीं ऐसे विशेष तरह के उर्वरकों के लिए वह चीन समेत कई अन्य देशों पर निर्भर है। ▶10पर

भारत-बांग्लादेश गंगा जल समझौते का यह आखिरी साल

भारत विरोधी हरकतें बंद नहीं हुईं तो समझौता खत्म!

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने अपनी पाकिस्तान परस्त हरकतें नहीं छोड़ीं तो भारतवर्ष गंगा जल समझौते को सिंधु जल संधि की तरह स्थगित कर सकता है। भारत-बांग्लादेश गंगा जल समझौते की अवधि पूरी होने वाली है। भारत सरकार अब इसकी नए सिरे से समीक्षा करेगी। बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद दोनों देशों के बीच जल-बंटवारा समझौता हुआ था। अब बांग्लादेश को यह तय करना है कि उसे हिंदुओं पर अत्याचारऔर भारत विरोधी हरकतें पसंद हैं या 35000 क्यूसेक पानी।

भारत में विकास और जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव के नजरिए से भी अब भारत के लिए बांग्लादेश के साथ ऐतिहासिक गंगा जल-बंटवारे की संधि की समीक्षा का वक्त आ गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारा समझौता 2026 में अपनी अवधि पूरी कर रहा है। भारत ने संकेत दिया कि वह घरेलू जल

हिंदुओं पर अत्याचार पसंद या 35000 क्यूसेक पानी?

आवश्यकताओं में वृद्धि के कारण गंगा संधि पर फिर से बातचीत करना चाहता है। सब जानते हैं कि भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 में हुए सिंधु जल समझौता को किन वजहों से निरस्त कर दिया। बांग्लादेश में भी अंतरिम प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस पाकिस्तान और यूएस डीप स्टेट के साथ मिलीभगत कर भारत के खिलाफ हरकतें कर रहे हैं और हिंदुओं पर भीषण अत्याचार कर रहे हैं। बांग्लादेश की इन हरकतों को देखते हुए गंगा जल बंटवारा समझौता रद्द हो सकता है।

बांग्लादेश में भी राजनीतिक परिस्थितियां 30 साल पुरानी वाली नहीं है। गंगा समझौता के तहत बांग्लादेश को बगैर किसी रुकावट के पानी मिलता रहे इसके लिए समझौता करना जरूरी है। यह संधि 30 साल के लिए थी। भारतीय अधिकारी चाहते हैं कि यह केवल 10-15 साल तक का हो। संधि पर भारत के रुख ने बांग्लादेश को चिंतित कर दिया है। गंगा नदी भारत और बांग्लादेश के लोगों की जीवनदायिनी है। इसके पानी को साझा करना दोनों देशों के लिए एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। दोनों देशों के बीच जल बंटवारे को लेकर विवाद 1950 के दशक से शुरू हुआ। ▶10पर

राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती पर बोले अमित शाह

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त है

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। देश में आए दिन भाषा को लेकर विवाद हो रहे हैं। हिंदी के इस्तेमाल और दूसरी भाषाओं के प्रति वैमनस्य का भाव चिंताजनक है। इस पहलू को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने आज एक बार फिर कहा कि हिंदी का विरोध बेमानी है। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त है। गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि हिंदी किसी

भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। शाह ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ अभिव्यक्त करने की भावना को प्रोत्साहित करना चाहिए। अमित शाह ने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे स्थानीय भाषाओं में चिकित्सा और इंजीनियरिंग जैसी उच्च शिक्षा प्रदान करने की पहल करें। ▶10पर

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह द्वारा ऑफिस दर्शन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह ने अपनी चौथी कार्यकाल के अंतर्गत दूसरा ऑफिस दर्शन कार्यक्रम क्राफ्टर्स, वाणी विलास रोड, वी.वी. पुरम में भव्य रूप से आयोजित किया। इस विशेष कार्यक्रम की मेजबानी अंजना ऋषभ जैन ने की, जो क्रिएटाइट और माइंडफुल आर्ट वर्कशॉप्स की संस्थापक हैं।

इस गरिमामयी अवसर पर जेएलडब्ल्यू कोषाध्यक्ष एवं जे.बी.एन. संयोजक तनुजा मेहता तथा संयुक्त सचिव सुमन रांका की विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अंजना जैन ने अपने व्यवसायिक कार्यों और रचनात्मक दृष्टिकोण को साझा करते हुए बताया कि वह पुरुषों के वेडिंग कलेक्शन जैसे शेरवानी, बंडी और इंडो-वेस्टर्न परिधानों को अपनी कलात्मक दृष्टि और उत्कृष्ट हस्तशिल्प के माध्यम से तैयार करती हैं। उनके परिधान न केवल उच्च गुणवत्ता वाले कपड़ों से निर्मित होते हैं, बल्कि विवाह पूर्व आयोजनों जैसे हल्दी, मेहंदी, कार्निवल, फूलों की होली तथा पूजा व धार्मिक अवसरों के लिए विशेष रूप से ग्राहकों की पसंद के अनुसार डिजाइन किए जाते हैं।

अपने उद्यम क्रिएटाइट के माध्यम से वह समाज से जुड़कर बच्चों और किशोरों के लिए नियमित रूप से कला कार्यशालाएं आयोजित करती हैं। कार्यक्रम के दौरान आयोजित एक हैंड्स-ऑन क्रिएटिव एक्टिविटी ने उपस्थित सदस्यों को उनकी रचनात्मक यात्रा की जीवंत झलक प्रदान की। उनका कार्य तीन मूल सिद्धांतों, गुणवत्ता, विविधता और मूल्य पर आधारित है, जिसके माध्यम से वे उद्देश्य के साथ कला का सुंदर समावेश प्रस्तुत करती हैं।

इस कार्यक्रम का प्रभावी समन्वय जेबीएन टीम द्वारा किया गया, जिसमें रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया एवं रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन की सक्रिय भूमिका रही।

जेपीपी प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की निलामी सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रथम जेपीपी प्रीमियर लीग 2025 का आयोजन 29 जून को रश एरीना, कुक टाउन में किया जाएगा। इस बहुप्रतीक्षित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी के क्रम में प्लेयर ऑक्शन का आयोजन सुख सागर, बेंगलूरु में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस ऑक्शन में 12 पुरुष टीमों एवं 5 महिला टीमों के टीम मालिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन किया। सभी चयन प्रक्रिया सुचारु रूप से पूर्ण हुई और सभी टीमों ने अपने स्क्वाड को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष चेतन कोठारी ने सभी प्रायोजकों एवं टीम मालिकों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग की सराहना की और आगामी टूर्नामेंट के लिए

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट न केवल खेल भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए एक सशक्त मंच और महिला खिलाड़ियों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराएगा। वहीं, संघ के मंत्री अक्षय श्रीश्रीमाल ने टीमों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पुरुष वर्ग में 12 टीमें भाग लेंगी, जिसमें कोठारी नाइट राइडर्स, अजिंग क्रिकेटर्स, माकाना चैलेंजर्स, रॉयल चैलेंजर्स बोहरा, गाडिया ब्लास्टर्स, गोटावत राइडर्स, पुंगालिया सुपर किंग्स, प्रेसिडेंट- एक्सआई, मनक इंडियंस, सेठिया सुपर स्टार्स, शियाल वॉरियर्स, मुथा फाइटर्स शामिल है। महिला वर्ग में 5 टीमें, जिसमें कोठारी नाइट राइडर क्वीन्स, अजिंग क्रिकेटर्स महिला, माकाना स्ट्राइकर्स, गोटावत राइडर्स महिला, शियाल वॉरियर्स महिला शामिल हैं, जो इस प्रतियोगिता को और अधिक प्रेरणादायक बनाएंगी। जेपीपी प्रीमियर लीग 2025, समाज में खेल के प्रति जागरूकता, उत्साह और सहभागिता को एक नई दिशा देने जा रहा है।

मेंगलूरु पंजीकरण घोटाला : कर चोरी के लिए करोड़ों की लग्जरी कार को सस्ते मॉडल के नाम पर पंजीकृत किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ परिवहन विभाग में एक बड़े वाहन पंजीकरण घोटाले का खुलासा हुआ है, जिसमें एक ऐसे रैकेट का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें लग्जरी कार मालिकों ने कथित तौर पर परिवहन अधिकारियों की मदद से करोड़ों रुपये का कर चोरी किया है। इस घोटाले में एक हाई-एंड मर्सिडीज-बेंज शामिल है, जिसकी कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपये है। वाहन के इंजन और चेसिस नंबर असली हैं, लेकिन मॉडल नंबर को धोखाधड़ी से बदल दिया गया था। कार को मूल रूप से 2017 में मेंगलूरु निवासी निहाल अहमद ने बेंगलूरु के एक शोरूम से खरीदा था। तब से, वाहन आठ साल तक अस्थायी पंजीकरण प्लेटों पर चल रहा था, लेकिन उसे कभी भी स्थायी नंबर नहीं दिया गया। 2025 में, निहाल अहमद ने कार को मेंगलूरु के एक नीरज शर्मा को बेच दिया। जबकि इंजन और चेसिस नंबर अपरिवर्तित रहे, कार के मॉडल नंबर को पुनर्विक्रय प्रक्रिया के दौरान बदल दिया गया था। एएमजी जी63 मॉडल के रूप में पंजीकृत होने के बजाय, जिस पर 20-22 लाख रुपये का रोड टैक्स लगता, कार को गलत तरीके से मर्सिडीज-बेंज जीएलए 200 के रूप में दर्ज किया गया था - एक मॉडल जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये है, जिस पर केवल 5-6 लाख रुपये का रोड टैक्स देना होता है। सूत्रों का आरोप है कि यह धोखाधड़ी वाला बदलाव मेंगलूरु परिवहन विभाग के अधिकारियों की मदद से किया गया था, जिन्होंने आधिकारिक रिकॉर्ड में मॉडल नंबर को बदलकर एक सस्ता संस्करण दर्शाया था। मैसूरु में एक लग्जरी वाहन निरीक्षण अभियान के दौरान धोखाधड़ी का पता चला, जहां कार को आखिरकार परिवहन अधिकारियों ने जब्त कर लिया। इस खुलासे के बाद, वाहन की आरसी (पंजीकरण प्रमाणपत्र) को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, और शिवमोग्गा क्षेत्रीय परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त के निर्देश पर जांच शुरू की गई है। इस खुलासे ने परिवहन विभाग के संचालन में एक महत्वपूर्ण खामी को उजागर किया है, जो प्रणालीगत भ्रष्टाचार और राज्य के खजाने को भारी नुकसान का संकेत देता है।

अर्हम मंत्र प्रेक्षा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी नचिकेता, मुनि आदित्य कुमारजी के पावन सानिध्य में आचार्य महाप्रज्ञ के 106वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तेरापंथ महिला मंडल राजाजी नगर द्वारा अर्हम मंत्र प्रेक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। आचार्य महाप्रज्ञ दार्शनिक जैनाचार्य थे, उनका दर्शन जागतिक समस्याओं का समाधान देने में सक्षम है। वे उत्तम श्रुत साधक थे उन्होंने जैन आगमों का अनुसंधान करके प्रेक्षाध्यान जैन ध्यान पद्धति को विकसित किया था। प्रेक्षाध्यान मात्र शारीरिक ही नहीं मानसिक व भावनात्मक बीमारियों को ठीक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपरोक्त विचार डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी ने व्यक्त किए। मुनि ने अर्हम मंत्र प्रेक्षा कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा प्रेक्षा ध्यान प्रयोग पद्धति में अर्हम मंत्र का जाप एवं ध्यान बताया गया है। अर्हम की शक्ति को प्राप्त करने के लिए खाद्य संयम, कषाय संयम, वाणी संयम और दृष्टि संयम का विकास आवश्यक है। मुनि आदित्य कुमार जी ने गीत के माध्यम से भावांजलि प्रस्तुत की। कार्यक्रम में तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों ने महाप्रज्ञ अष्टकम द्वारा मंगलाचरण किया। तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी ने वक्तव्य दिया। जैन विद्या प्रशिक्षक जुगराज श्रीश्रीमाल, तेरापंथ सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने वक्तव्य दिया। इंटरनेशनल प्रेक्षा प्रशिक्षिका रेनू कोठारी ने अर्हम मंत्र का ध्यान करवाया। महिला मंडल द्वारा प्रेक्षा प्रशिक्षक रेणु कोठारी का स्वागत किया गया।

सुहास शेट्टी हत्याकांड मामले में 8 आरोपियों को एनआईए की हिरासत में भेजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गत 1 मई को बाजपे में किन्नीपदावु जंक्शन के पास मारे गए राउडीशीटर सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में आठ आरोपियों को बेंगलूरु की एक अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मामले के संबंध में एक अलग प्राथमिकी दर्ज की है और आगे की पूछताछ के लिए आरोपियों की हिरासत मांगी है। एनआईए का प्रतिनिधित्व कर रहे विशेष लोक अभियोजक प्रसन्न कुमार ने बेंगलूरु में 50वीं सीसीएच अदालत में अनुरोध प्रस्तुत किया, जिसने 1 जुलाई तक आरोपियों की एनआईए हिरासत मंजूर कर ली। सुहास शेट्टी की हत्या तब हुई जब उनकी कार को एक पिकअप ट्रक ने टक्कर मार दी और उन पर घातक हथियारों से हमला किया गया। मामले के संबंध में कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान पता चला कि फाजिल के भाई आदिल ने सुहास शेट्टी की हत्या के लिए वित्त पोषण किया था - जिसकी हत्या भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या के प्रतिशोध में की गई थी। प्रतिबंधित संगठन पीएफआई और विदेशी फंडिंग की कथित संलिप्तता के कारण भी यह मामला सुर्खियों में रहा। एनआईए जांच की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और केंद्र सरकार पर दबाव बनाया गया, जिसके बाद एनआईए ने आधिकारिक तौर पर जांच अपने हाथ में ले ली। अब जब आरोपी हिरासत में हैं, तो एनआईए ने मामले की जांच तेज कर दी है।

इंदिरा गांधी की आलोचना करने वालों के खिलाफ पुलिस जांच कर कार्रवाई करेगी: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि आपातकाल लागू करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना करने पर दर्ज शिकायत की पुलिस जांच कर कार्रवाई करेगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा आपातकाल लागू हुए कई साल हो गए हैं। यह सब खत्म हो चुका है। अब इसकी आलोचना करना अनावश्यक है।

मुझे इस बात की जानकारी भी नहीं है कि किस तरह की आलोचना की गई है। मैं जांच के बाद निर्णय लूंगा। हम देखेंगे कि मामला स्वतः मामले या शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। अगर शिकायत में सच्चाई है तो जांच जारी रहेगी। अन्यथा यह रिपोर्ट पेश की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब हम देश के लिए लंबे समय तक बहुमूल्य सेवा देने वाले नेताओं की बात करते हैं तो स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रियाएं आती हैं। उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि यहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन हुआ है। मुझे विधानसभा में आरएसएस की आलोचना करने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें एच.सी. बालकृष्ण के उस बयान के बारे में जानकारी नहीं है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर हमें फंड चाहिए तो हमें डी.के. शिवकुमार का समर्थन करना चाहिए। मंत्री के ठीक से उपलब्ध न होने की आलोचना विधायक की निजी राय है। मैं अन्य मंत्रियों के बारे में बात नहीं करूंगा। मैं घर और कार्यालय में भी सभी के लिए उपलब्ध हूं, और अनुपलब्ध होने की शिकायत मुझ पर लागू नहीं होती है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी एवं डा. मुनि पदमचंद जी के दीक्षा दिवस प्रसंग पर अमावस्या को जेपीपी महिला फाउंडेशन अलसूर ने जयनगर स्थित वात्सल्यपूरम ट्रस्ट अंतर्गत बच्चों को भोजन कराया। फाउंडेशन की चेयरपर्सन गायत्री गादिया के नेतृत्व में फाउंडेशन के सदस्यों ने बच्चों के साथ दिन बिताया। उन्हें वात्सल्य दिया। उनकी दिनचर्या देखी। सदस्यों ने महसूस किया कि वहां निवास कर रहे बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जा रहे हैं। बच्चे रात्रि भोजन व जमीकंद का निषेध रखते हैं तथा नित्य नवकार मंत्र और जिन स्तुति करते हैं। फाउंडेशन के सदस्यों ने भी बच्चों के साथ प्रभु प्रार्थना की। जेपीपी फाउंडेशन अध्यक्ष दीपा बोहरा, मंत्री समता छाजेड़ के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। वात्सल्यपूरम ट्रस्ट के व्यवस्थापकों ने जे पी पी महिला सदस्यों का स्वागत किया।*

विश्व नशा मुक्ति दिवस मनाया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में रोटरी स्कूल में विश्व नशा मुक्ति दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह राजपुरोहित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाई। राजपुरोहित ने अपने संबोधन में बताया कि युवा वर्ग को नशे से दूर रखने के लिए प्रयास जरूरी हैं। इसके लिए विधार्थियों में जागरूकता बढ़ाने, सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने और सही शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

इसके अलावा समाज में सामाजिक समरसता बढ़ानी चाहिए। युवाओं को किसी भी क्षेत्र में नशा मुक्त रहते हुए कुशलता हासिल करने पर जोर देना चाहिए। नशा करने से चक्कर आते हैं। एकाग्रता व याददास्त नष्ट हो जाती है। सांस लेने में तकलीफ होती है, जिससे मौत भी हो जाती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है। बाद में बन्नूर पुलिस थाना निरीक्षक मनोजकुमार व थानाधिकारी सुनील की उपस्थिति में रोटरी स्कूल के विद्यार्थियों के सहयोग से कस्बा के लोगों में नशा के दुष्परिणामों में प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से रैली का आयोजन किया गया। रैली रोटरी स्कूल से रवाना हुई जो बस अड्डा, एसआरपी रोड़, मार्केट रोड़, एमएम रोड़ होते हुए पुनः स्कूल परिसर में पहुंची। इस अवसर पर रोटरी स्कूल कमेटी के एमएन. रामचंद्रु, बीएन. सुरेश, बीएस.योगेंद्र, नंजुड स्वामी, माणिकचंद, स्कूल के शिक्षक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कांग्रेस में शक्ति केंद्र बढ़ गए हैं, नवंबर तक महत्वपूर्ण बदलाव होंगे: मंत्री राजन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा कि राज्य में सत्ता केंद्रित पद अधिक हैं। इसलिए, संघर्ष अधिक हैं। नवंबर तक एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और सब कुछ ठीक हो जाएगा। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों की राय है कि 2013-2018 के बीच मुख्यमंत्री रहे सिद्धरामैया अब दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अप्रत्यक्ष रूप से असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस में सत्ता केंद्र इसका कारण हैं। 1,2,3,4 कांग्रेस में जितने चाहें उतने सत्ता केंद्र गिन सकते हैं। सिद्धरामैया अपने अनुभव में सब कुछ संभाल रहे हैं। लेकिन अभी भी संघर्ष हैं। अगस्त से नवंबर के बीच सब कुछ ठीक हो सकता है। उन्होंने कहा कि बदलाव का एक छोटा बवंडर चल रहा है।

हाईकमान सब कुछ देख रहा है। सही समय पर सही निर्णय लिया जाएगा। राज्य में गारंटी योजनाओं के कारण वित्तीय बोझ है। लेकिन वित्तीय संकट नहीं है।

मुख्यमंत्री हर महीने 15 से 20 दिन जिलों का दौरा कर रहे हैं और विकास कार्यों का शुभारंभ कर रहे हैं। अगर पैसा नहीं है तो क्या इस तरह काम शुरू करना संभव है? विधायकों को उनकी उम्मीद के मुताबिक फंड नहीं मिल सकता है। लेकिन सिद्धरामैया अपनी क्षमता से परे जाकर पार्टी मतभेदों को भुलाकर सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को फंड दे रहे हैं।

सर्व धर्म की जय चौबीस तीर्थंकर भगवान की जय सनातन धर्म की जय

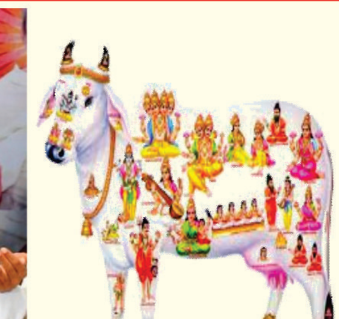

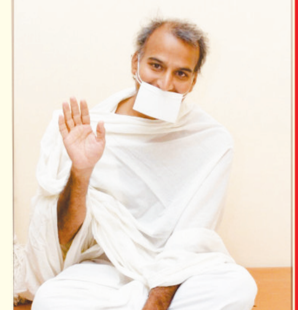

प्रवासी राजस्थानी समाजों हेतु सत्संग व प्रवचन के आयोजन में रविवार 29.6.2025 को श्रीमान व श्रीमति सादर आमंत्रित है!

दक्षिण सम्राट पूज्य श्री नरेश मुनिजी एवं सेवाभावी श्री शालिभद्रजी म.सा. एवं महासती श्री दर्शन प्रभाजी एवं महासती श्री सत्य प्रभाजी म.सा. की प्रेरणा से यह कार्यक्रम 36 कौम के लिये रखा गया है!

स्थान : श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज इटा माल के पास, टैंक बंड रोड, बैंगलोर

दिनांक : 29.6.2025, रविवार

सत्संग व भजन : सुबह 9.30 से 11 तक

प्रवचन व मंच कार्यक्रम : 11 से 1.30 बजे

प्रसादी : 1.30 से 4.00 तक

शुभेच्छु:- प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ

सम्पर्क सूत्र : 94498 20671 / 94483 06637 / 98444 25000 / 98441 67202

मैं निजी कारणों से दिल्ली गया था

कर्नाटक समेत कई प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा बहुत जल्द होगी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि कर्नाटक समेत कई प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा बहुत जल्द होगी। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं। सभी की राय ली गई है। मुझे पूरा भरोसा है कि पिछले डेढ़ साल में मैंने बहुत सफल काम और संगठन किया है। हमारे कार्यकर्ता भी आश्वस्त हैं। हमारे नेता भी आश्वस्त हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति के संबंध में कहा कि अभी नियुक्ति नहीं हो रही है, यह सच नहीं है कि भ्रम की स्थिति है और उसे टाला जा रहा है। अब देश में 14 राज्यों के अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो चुका है। इस संबंध में घोषणा भी हो चुकी है। फिलहाल जानकारी मिल रही है कि छह या सात राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा बहुत जल्द हो जाएगी। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा होगी। कर्नाटक अकेला नहीं है। उत्तर प्रदेश राज्य के अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों के अध्यक्षों की नियुक्ति भी नहीं हुई है। पत्रकारों ने वरिष्ठ डी.वी. सदानंद गौड़ा के इस बयान की ओर ध्यान दिलाया कि भाजपा राख से ढकी हुई राख की तरह है, के जवाब में उन्होंने कहा डी.वी. सदानंद गौड़ा वरिष्ठ हैं। मैं उनसे मिलकर चर्चा करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि यह राख से ढकी हुई राख की तरह है। उन्होंने कहा कि छोटे-मोटे मतभेद होना स्वाभाविक है। एफआईआर और गुंडागर्दी जैसी बड़ी धमकियों से डरने का सवाल ही नहीं उठता। आपातकाल को लेकर इंदिरा गांधी को गलत तरीके से पेश किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग मूर्ख हैं। जब इंदिरा गांधी इस देश की प्रधानमंत्री थीं, तब 50 साल पहले लोकतंत्र का कत्लेआम किया गया था। सभी अधिकार छीन लिए गए थे। कई लोगों को जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने मीडिया पर भी अत्याचार किया। बुधवार को ऐसे काले दिन को याद करने का दिन था। इसके पीछे उम्मीद यही है कि आपातकाल जैसे काले दिन फिर न दोहराए जाएं। यह याद करने का दिन है कि कैसे इंदिरा गांधी अपनी कुर्सी बचाने के लिए प्रधानमंत्री थीं, तब लोकतंत्र का कत्लेआम किया गया था। विजयेंद्र ने कहा कि इंदिरा गांधी का व्यवहार हिटलर जैसा था, इसके अलावा और क्या कहा जा सकता है। सिद्धरामैया की एफआईआर और हमारे सोशल मीडिया ट्वीट पर गुंडागर्दी की धमकियों से डरने का सवाल ही नहीं उठता। ऐसी सौ एफआईआर दर्ज हो जाएं। हम, हमारे कार्यकर्ता, इसका सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा अत्याचार और गुंडागर्दी नहीं हो सकती। मैं भी दिल्ली गया था। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता भी दिल्ली गए हैं। उनमें से कुछ ने कहा कि वे अभी वापस नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि बहुत विकास हो रहा है, लेकिन यह सिर्फ एक विचार है। मैं निजी कारणों से दिल्ली गया था। मैं किसी राष्ट्रीय नेता से नहीं मिला। मैं निजी काम से गया था। मैंने उसे पूरा कर लिया है। जब उनसे आर अशोक के दौरे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, वे विपक्ष के नेता हैं। क्या विपक्षी नेताओं को दिल्ली नहीं जाना चाहिए, उन्हें हमारे नेताओं से नहीं मिलना चाहिए। आर अशोक विपक्ष के नेता के रूप में बहुत सक्षम काम कर रहे हैं। विधायक भी उससे संतुष्ट हैं। हालांकि, मीडिया में चर्चा चल रही है कि विपक्षी नेताओं के बदलाव की चर्चा है। यह निश्चित रूप से सही नहीं है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले असंतुष्ट थे, वे अब पार्टी से बाहर हैं। जिन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधियां कीं, वे भी पार्टी से बाहर हैं। कुछ अन्य लोगों ने अपनी छोटी-छोटी राय व्यक्त की हैं। पहले मैंने और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोचा था कि कुछ अन्य नेताओं को इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए। जो भी समस्या है, उसे सुलझाया जाएगा और प्रह्लाद जोशी ने पहले ही इसकी जिम्मेदारी ले ली है। सब ठीक हो जाएगा। चिंता की कोई बात नहीं है।

देवनहल्ली के आसपास भूमि अधिग्रहण बंद नहीं किया गया तो लड़ेंगे लड़ाई: प्रकाश राज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ अभिनेता प्रकाश राज ने चेतावनी दी है कि यदि देवनहल्ली के आसपास भूमि अधिग्रहण नहीं रोका गया तो सिद्धरामैया को सत्ता से बेदखल करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। देवनहल्ली और आसपास के 13 गांवों में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ पिछले 3 वर्षों से चल रहा संघर्ष उग्र हो गया है। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल और बेंगलूरु ग्रामीण मामलों के प्रभारी मंत्री केएच मुनियप्पा ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की और घोषणा की कि देवनहल्ली तालुका के चन्नारायपटना में 1700 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए केआईएडीबी द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई है। इसमें से लगभग 500 एकड़ भूमि का अधिग्रहण रोक दिया जाएगा। शेष 1500 एकड़ का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके बाद आज संघर्ष तेज हो गया है और उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार जवाब नहीं देती है तो वे विरोध को और तेज करेंगे। विरोध प्रदर्शन में किसान संघ के बडागलपुरा नागेंद्र, अभिनेता प्रकाश राज, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ अभिनेता मुख्यमंत्री चंद्रु, राज्य कृषि मूल्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कमरडी, नेता बसवराजप्पा, पूर्व विधायक महिमा पटेल, लेखक एस.जी. सिद्धरामैया, किसान और दलित संगठनों के नेता और अन्य लोग शामिल हुए। शुरुआत में बोलते हुए नागेंद्र ने कहा कि भाजपा सरकार ने भूमि अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी की थी। कांग्रेस सरकार ने इसे जारी रखा है। पहले सरकार ने कहा था कि वह भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे के रूप में पैसे के बजाय विकसित भूमि का 50 प्रतिशत देगी। कांग्रेस सरकार ने इसे घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया है। सभी पार्टियां जुड़वां कपड़े की तरह हैं। वे कृषि भूमि के किसानों के मुद्दे से ज्यादा कॉर्पोरेट संस्थानों में रुचि रखते हैं। सिद्धरामैया, जब वे विपक्ष के नेता थे, तो विरोध स्थल पर आए थे और समर्थन व्यक्त किया था। उन्होंने जबरन भूमि अधिग्रहण का विरोध व्यक्त किया था। उन्होंने किसानों पर अत्याचार की निंदा की थी। अब वे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने अपना गुस्सा व्यक्त किया कि हमारी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। आने वाले दिनों में हम संघर्ष को और तेज करेंगे। यह सिर्फ 13 गांवों की समस्या नहीं है। यह पूरे राज्य में संघर्ष बन गया है। बेलगावी, चामराजनगर और 31 जिलों के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

मेरा अगला चुनाव भी रामनगर में होगा: निखिल कुमारस्वामी

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने दृढ़ निश्चय व्यक्त करते हुए कहा कि जब चुनाव लड़ने का समय आएगा, तो मेरा अगला चुनाव रामनगर से होगा। मैं किसी भी कारण से जिले से पलायन नहीं करूंगा। यह हमारा निर्वाचन क्षेत्र है, हम आपके द्वारा पाले गए घर के बच्चे हैं।

आपने हमें प्यार से आशीर्वाद दिया है। आपने हमें पाला है। हम किसी भी कारण से जिले से पलायन नहीं करेंगे। हार और जीत सब सामान्य है। मेरी तीन हार ने मुझे राजनीतिक परिपक्वता सिखाई है। इन हारों से विचलित हुए बिना, मैंने कहा है कि अगर मुझे फिर से मौका मिला, तो मैं रामनगर से चुनाव लड़ूंगा। रामनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यकर्ता बैठक और सदस्यता पंजीकरण अभियान के छठे दिन बोलते हुए उन्होंने पूर्व सांसद डीके सुरेश के बयान कि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के पास दिल्ली में कोई काम नहीं है, पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा क्या डीके सुरेश और डीसीएम डीके शिवकुमार ने आम उत्पादकों को समर्थन मूल्य दिया? आम की कीमतों में गिरावट के कारण संकट में फंसे किसानों की मदद के लिए कुमारन्ना आगे आए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखने वाले कुमारन्ना के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत समर्थन मूल्य की घोषणा की है। नाम बदलने से विकास नहीं होगा। कांग्रेस ने केंगल हनुमंतैया द्वारा निर्मित रामनगर का नाम मिटा दिया है। लेकिन रामनगर रामनगर के लोगों के दिलों में हमेशा रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक और जिला अध्यक्ष ए. मंजूनाथ, तालुक अध्यक्ष सब्बकेरे शिवलिंगप्पा, नगर परिषद सदस्य मंजूनाथ, पूर्व नगर परिषद सदस्य रवि, नेता प्रकाश, एससी राजन्ना, लक्ष्मी गूलीगौड़ा, हारोहल्ली रामन्ना, केमपन्ना, वासु, डोरे, उमेश, बिदादी शेषप्पा, वेंकटेश आदि ने भाग लिया।

मेंगलूरु-बेंगलूरु राजमार्ग पर भूस्खलन से यातायात बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नेल्याडी के पास मन्नागुंडी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर भूस्खलन के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई। व्यवधान के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। राजमार्ग के अलावा, इचलमपडी-मांडका मार्ग भी अवरुद्ध हो गया, जबकि गुंड्या नाले से बाढ़ का पानी सड़क पर बह गया, जिससे समस्या और बढ़ गई। इस बीच, सकलेशपुर तालुक के मरेनहल्ली में एक बड़े भूस्खलन के कारण शिराडी घाट से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई। प्रतिक्रिया में, हासन जिला उपायुक्त लता कुमारी ने हासन-बेलूर-चरमदी घाट मार्ग से बेंगलूरु से मेंगलूरु जाने वाले वाहनों को पुनर्निर्देशित करने के आदेश जारी किए हैं। मेंगलूरु से जाने वाले वाहनों को भी संपाजे और चरमदी घाट मार्ग लेने की सलाह दी गई है।

मासिक निरीक्षण में पैरासिटामोल की गोलियां गुणवत्ता में विफल पाई गईं: मंत्री गुंडूराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा किए जाने वाले मासिक निरीक्षण में पैरासिटामोल की गोलियां गुणवत्ता में विफल पाई गई हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पहले केवल छोटी दवाओं की ही जांच की जाती थी। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए और सभी दवाओं की जांच दिशा-निर्देशों के अनुसार की गई। इसके अनुसार हर महीने दवाओं, सौंदर्य उत्पादों और सौंदर्य प्रसाधनों के नमूने लिए गए और उनकी जांच की गई। उन्होंने कहा कि केसर और पैरासिटामोल की दवाएं गुणवत्ता में विफल पाई गई हैं। दवाओं की नियमित जांच और गुणवत्ता में कमी होने पर दवाओं को वापस लेने की सुविधा के लिए एक विशेष नीति बनाई जा रही है। इसके अनुसार भविष्य में खराब गुणवत्ता वाली दवाओं, सौंदर्य उत्पादों, सौंदर्य प्रसाधनों और खाद्य उत्पादन में इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों की जांच की जाएगी और खराब पाए जाने पर आपराधिक मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उक्त सामान को बाजार से पूरी तरह वापस लेने की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर एक कानून बनाया जाना चाहिए। इसके लिए हमने केंद्र सरकार को पत्र भी लिखा था। हमें वहां से उचित जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अपने अधिकार क्षेत्र में हाथ बांधे बिना आवश्यक कदम उठाएगी। वेबसाइट पर दवा की गुणवत्ता की जांच के बारे में विस्तृत जानकारी अपलोड की गई है। लोगों को स्वयं दवा लेने के बजाय डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। डॉक्टर की सलाह के आधार पर ही दवा लेनी चाहिए। इस संबंध में लोगों को अधिक जागरूक किया जाएगा। पैरासिटामोल समेत किसी भी दवा की जांच बैच के आधार पर की जाती है। कुल मिलाकर यह नहीं कहा जा सकता कि सभी दवाएं खराब हैं। जांच की गई दवाओं की गुणवत्ता के आधार पर ही परिणाम घोषित किए जाते हैं। गुणवत्ता में विफल होने वाली अन्य बैच की दवाओं की भी जांच की जाएगी। राज्य सरकार के इस कदम से दवा और अन्य वस्तुओं के निर्माताओं की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नियमित निरीक्षण किए जाने से गुणवत्ता बनाए रखना आसान होगा।

पुलिस ने 50 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं नष्ट कीं

मंत्री परमेश्वर ने नशे के खिलाफ जीवन जीने की शपथ दिलाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री परमेश्वर के नेतृत्व में गुरुवार को कांतीरवा स्टेडियम में 66वां अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विधायक रिजवान अरशद, पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम, साइबर सेल के पुलिस महानिदेशक प्रणब महंती, पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह, आदर्श समूह के प्रबंध निदेशक जयशंकर व अन्य मौजूद थे। इस दौरान करीब 50 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ नष्ट किए गए।

गृह मंत्री ने व्हाइटफील्ड उपखंड से 45 लाख रुपये के मादक पदार्थ नष्ट करने की अनुमति भी दी। उन्होंने बड़े पैमाने पर अभियान चलाने के लिए व्हाइटफील्ड के डीसीपी शिवशंकर को बधाई दी। 1000 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। पुलिस मार्शल प्रणाली को अच्छी तरह लागू करने वाले 14 शैक्षणिक संस्थानों को पुरस्कृत किया गया। मंत्री ने नशे के खिलाफ जीवन जीने की शपथ दिलाई। करीब 55 हजार छात्र-छात्राएं भौतिक व वर्चुअल रूप में उपस्थित रहे और शपथ ली। कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि पहले पंजाब में नशे की समस्या बहुत गंभीर थी। उड़ता पंजाब के नाम से बदनाम था। इसी तरह राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ गंभीर अभियान शुरू किया, ताकि उड़ता कर्नाटक और उड़ता बेंगलूरु की बदनामी न हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कर्नाटक को नशा मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य घोषित किया है। नशे के इस्तेमाल, परिवहन और व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ गुंडा एक्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र के तहत स्कूलों और कॉलेजों का दौरा किया है और 6.5 लाख छात्रों को जागरूक किया है और संबंधित स्कूलों और कॉलेजों में गतिविधियों के बारे में जानकारी भी जुटाई है। 100 करोड़ रुपये की कीमत का 4.5 हजार करोड़ रुपये का गांजा जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि दिमाग पर असर करने वाली सिंथेटिक (साइकोट्रॉपिक) दवाएं भी जब्त की गई हैं। सप्लाई चेन को काटने के लिए गंभीर कदम उठाए गए हैं। आपूर्तिकर्ताओं से जानकारी जुटाकर ड्रग्स जब्त की गई हैं। उन्होंने बताया कि विदेशों से आकर नशे की गतिविधियों में संलिप्त 200 लोगों को उनके देश भेजा गया है। जारी किए गए रक्षा क्यूआर कोड को स्कैन करके विद्यार्थी और आमजन अपने स्कूल-कॉलेजों के आसपास हो रही नशे की गतिविधियों की सूचना पुलिस को दे सकते हैं। पुलिस के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी सतर्क रहना चाहिए और नशे पर अंकुश लगाने में सहयोग करना चाहिए। उज्ज्वल भविष्य वाले विद्यार्थियों को नशे की लत में नहीं फंसना चाहिए। आपका भविष्य आपके हाथ में है, सावधान रहें।

ठेकेदार की हत्या मामला

हावेरी पुलिस ने आरोपियों के पैरों में गोली मारी

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

हावेरी पुलिस ने गुरुवार को दो हत्या आरोपियों पर हमला करने के बाद उनके पैरों में गोली मार दी। पुलिस अधीक्षक अंशुकुमार ने बताया कि घटना हावेरी जिले के हंगल तालुक में कोंडोजी क्रॉस के पास हुई, जब पुलिस गिरफ्तार लोगों को हावेरी ला रही थी। दोनों को 24 जून को शिग्गांव में ठेकेदार शिवानंद कुन्नूर की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी नागराज और उसके साथी अशरफ ने हावेरी लाए जाने के दौरान पुलिस पर हमला किया, जिसके कारण सर्किल इंस्पेक्टर सत्यप्पा मालगोंड और सब-इंस्पेक्टर संपत को उनके पैरों में गोली मारनी पड़ी। आरोपियों का पहले हावेरी के जिला अस्पताल में इलाज किया गया, फिर उन्हें आगे के इलाज के लिए हुब्बल्ली के केएमसीआरआई अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। हत्या के सिलसिले में तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो कथित तौर पर संपत्ति विवाद का नतीजा था।

फिर बाहर आया वैष्णो देवी रोप-वे का जिन्न

एक जुलाई से कटड़ा में बंद और हड़ताल का ऐलान

जम्मू, 26 जून (ब्यूरो)। वैष्णो देवी में बन रही रोप-वे का जिन्न एक बार फिर से बाहर आ गया है। पहले भी इस मुद्दे पर कई दिनों तक कटड़ा में हड़ताल और बंद का आयोजन कर चुकी संघर्ष समिति ने एक जुलाई तक रोप-वे का काम न रोकने की स्थिति में फिर से कटड़ा में हड़ताल और बंद की धमकी दी है।

संघर्ष समिति के सदस्यों ने कटड़ा में शालीमार पार्क में आयोजित बैठक में पत्रकारों के साथ बात करते हुए घोषणा की कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्माणधीन महत्वपूर्ण रोप-वे परियोजना पर अगर विराम नहीं लगा तो संघर्ष समिति आगामी 1 जुलाई से एक बार फिर आंदोलन की राह पकड़ सकती है।

संघर्ष समिति के सदस्य भूपेंद्र सिंह जमवाल ने कहा कि बीते मंगलवार को कटड़ा में श्राइन बोर्ड की बैठक का आयोजन हुआ जिसके अध्यक्षता उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने की पर बैठक में भी परियोजना को लेकर किसी तरह की बात सुनने को नहीं मिली, जिसको लेकर संघर्ष समिति असमंजस में है। जमवाल ने कहा कि अगर आगामी 1 जुलाई तक श्राइन बोर्ड के साथ ही हाई पावर कमेटी द्वारा महत्वपूर्ण रोप-वे परियोजना को रद्द करने का निर्णय नहीं लिया तो संघर्ष समिति आगामी 1 जुलाई को कटड़ा में बैठक कर आगे के आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगी।

आयोजित बैठक में भवन मार्ग पर कार्य करने वाले मजदूरों तथा लोगों को संबोधित करते हुए संघर्ष समिति के सदस्यों ने कहा की बीते 2024 दिसंबर माह में रोप-वे परियोजना को लेकर बड़े पैमाने पर आंदोलन किया गया था आंदोलन को लेकर उप राज्यपाल द्वारा गठित हाई पावर कमेटी ने आश्वासन दिया था कि जल्दी इस पर उचित निर्णय लिया जाएगा। याद रहे श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड देशभर से रोजाना हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालु विशेष कर दिव्यांग, बुजुर्ग तथा मरिज आदि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए करीब 350 करोड़ की महत्वपूर्ण रोप-वे परियोजना लगाने जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं की मां वैष्णो देवी की यात्रा सुगम हो सके। परंतु इससे परियोजना का संघर्ष समिति तथा मजदूर आदि लगातार विरोध कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पीएफआई नेता इस्माइल को नहीं दी जमानत

मुस्लिम युवाओं को आतंकवादी बनाता है इस्माइल

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ़ इंडिया (पीएफआई) के नेता एएस इस्माइल को मेडिकल आधार पर जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट ने इन्कार कर दिया। इस्माइल पर गैर कानूनी गतिविधियां निषेध कानून के तहत मुकदमा दर्ज है।

जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस नोंगमईकापम कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इस बात की जांच करने के लिए नोटिस जारी किया था कि क्या इस्माइल को फिजियोथेरेपी सुविधाएं दी जा सकती हैं। इस्माइल तिहाड़ जेल नंबर 1 में बंद है। इस्माइल को अक्टूबर 2024 में स्ट्रोक आया था और इसके बाद उसका कई अस्पतालों में इलाज हुआ। मेडिकल बोर्ड के अनुसार, उसकी लगातार फिजियोथेरेपी करने और ब्लड प्रेशर की मॉनीटरिंग की जरूरत है।

सुनवाई के दौरान बेंच ने इस बात पर गौर किया कि इस्माइल की कंडीशन मेडिकल इमरजेंसी वाली नहीं है लेकिन इस्माइल की ओर से अदालत में पेश हुए वकील ने दावा किया कि उनके

मुवक्किल को फिजियोथैरेपी की सुविधा नहीं दी जा रही है। एनआईए ने आरोप लगाया है कि इस्माइल मुस्लिम युवाओं को भारत सरकार और कुछ संगठनों के नेताओं के खिलाफ कट्टरपंथी बनाने की साजिश में शामिल था। एजेंसी का यह भी आरोप था कि इस्माइल देश की एकता और अखंडता को बाधित करना चाहता है।

इस्माइल को 22 सितंबर 2022 को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस्माइल की उस अपील को खारिज कर दिया था जिसमें ट्रायल कोर्ट की ओर से मेडिकल ग्राउंड पर उसे अंतरिम जमानत नहीं देने के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने जेल के अफसरों को निर्देश दिया था कि वे डॉक्टर के द्वारा बताए गए तरीके से इस्माइल का उपचार करें और उसे हर महीने में एक बार एम्स ले जाया जाए।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सितंबर 2022 में पीएफआई और इससे जुड़े संगठनों पर 5 साल के लिए बैन लगा दिया था। जांच एजेंसी ने पाया था कि इन सभी संगठनों के वैश्विक आतंकवादी संगठनों से संबंध हैं। सरकार ने यूएपीए एक्ट के तहत इन सभी संगठनों को गैरकानूनी घोषित कर दिया था।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा

अमरनाथ यात्रा के लिए पुख्ता है सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू, 26 जून (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को घो-षणा की कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी, प्रशासन तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, रसद, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने श्रद्धालुओं को को सुरक्षा की गारंटी भी दी है।

तीर्थयात्रा से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए, सिन्हा ने श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड और जम्मू कश्मीर प्रशासन द्वारा किए गए व्यापक इंतजामों पर प्रकाश डाला तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक समय की निगरानी की सुविधा के लिए प्रत्येक तीर्थयात्री के लिए आरएफआईडी ट्रैकिंग अनिवार्य होगी। सिन्हा ने कहा कि मार्ग के सभी प्रमुख बिंदुओं पर उच्च गुणवत्ता वाले निगरानी कैमरे लगाए गए हैं। सभी आधार शिविरों और पूरे तीर्थयात्रा मार्ग पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की गई है। जबकि उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है और यात्रा की तैयारी के लिए माक ड्रिल पहले ही आयोजित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसमें प्रत्येक बेस कैंप में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल स्थापित किए गए हैं, साथ ही अतिरिक्त आपातकालीन चिकित्सा दल भी स्टैंडबाय पर हैं।

पर्यावरण के मोर्चे पर, उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग

स्वच्छ और हरित यात्रा गलियारे को बनाए रखने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। सिन्हा ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद पंजीकरण में गिरावट को स्वीकार किया, जिसमें दुखद रूप से 26 लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि पंजीकरण में लगभग 10 परसेंट की गिरावट आई है, लेकिन अब संख्या फिर से बढ़ रही है। जनता का विश्वास वापस आ रहा है, और मुझे उम्मीद है कि यह बढ़ता रहेगा। हमले से पहले, 2.36 लाख तीर्थयात्री यात्रा के लिए पहले ही पंजीकरण करा चुके थे।

मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर, उपराज्यपाल ने निजी वाहनों से यात्रा करने वाले सभी तीर्थयात्रियों से आग्रह किया कि वे जम्मू से आधार शिविरों तक केवल सुरक्षा काफिले के साथ यात्रा करें।

उन्होंने यह भी पुष्टि की कि सुरक्षा और रसद कारणों से इस वर्ष हेलीकाप्टर सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। 2025 की अमरनाथ यात्रा 52 दिनों तक चलेगी, जो 9 अगस्त को पड़ने वाली श्रावण पूर्णिमा को समाप्त होगी। अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) ने तीर्थयात्रा की शुरुआत से लेकर गुफा से वापसी तक एक मजबूत सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की है।

एलजी सिन्हा ने जम्मू कश्मीर के सभी निवासियों, विशेष रूप से कश्मीर में रहने वाले लोगों से विशेष अपील की है, जो पारंपरिक रूप से तीर्थयात्रा के दौरान पूरा समर्थन देते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग तीर्थयात्रियों का बेसब्री से स्वागत करते हैं और हर कोई इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वे बोले कि मैं आपसे, मेरे पत्रकार मित्रों से, एक सकारात्मक संदेश भेजने का अनुरोध करता हूं कि कश्मीर के लोगों का आतिथ्य देश में बेजोड़ है। सिन्हा ने कहा कि लगभग 8 परसेंट तीर्थयात्री आमतौर पर हेलीकाप्टर से यात्रा करते हैं, और इसलिए, इस वर्ष हेलीकाप्टर सेवाओं की कमी समग्र तीर्थयात्रा के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करेगी।

चुनाव आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने ऐसे 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान कर उनको सूची से हटाने का काम शुरु कर दिया है जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दायरे में वे सभी राजनीतिक दल होंगे जो 2019

से कहीं भी सक्रिय नहीं हैं। ये सभी पंजीकृत गैर-मान्यताप्राप्त दल देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूद हैं।

आयोग ने कहा है कि उसके संज्ञान में आया है कि वर्तमान में 2,800 से अधिक पंजीकृत गैर मान्यताप्राप्त दल हैं जो शर्तों को पूरा नहीं करते हैं लेकिन उसने देशव्यापी अभियान चलाकर अब तक 345 ऐसे दलों की पहचान की गई है जो सूची में बने रहने के पात्र नहीं हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पार्टी अनुचित रूप से सूची से बाहर न हो जाए, संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारियों को ऐसे दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया है और ऐसे दलों को सुनवाई के लिए एक मौका दिया जाएगा।

आयोग ने कहा है कि उसने यह कदम ऐसी पार्टियों को सूची से हटाने के उद्देश्य से किया है, जिन्होंने 2019 के बाद से कोई भी लोकसभा या राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभा या उपचुनाव नहीं लड़ा है और जिन्हें भौतिक रूप से भी नहीं पहचाना जा सका है। इस प्रक्रिया में पहले चरण में इन 345 दलों की पहचान की गई है।

नीट-यूजी 2025 : सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली हाई कोर्ट से मामला स्थानांतरित करने से इनकार

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2025 को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने असद खत्री की गुहार ठुकराते हुए कहा कि यह याचिका सार्वजनिक हित के तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसलिए इस विवाद का शीर्ष अदालत के बजाय उच्च न्यायालय में ही निपटारा किया जाना चाहिए।

पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाई गई इस चिंता पर विचार करते हुए कि जुलाई के मध्य तक सीटें (मेडिकल स्नातक की) भर जाएंगी,उन्हें सुनवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी।

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले को 31 जुलाई के लिए सूचीबद्ध किया है।पीठ ने याचिकाकर्ता की चिंता और तात्कालिक महत्व को देखते हुए संभावित शीघ्र सुनवाई के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष इसका उल्लेख करने की याचिकाकर्ता को अनुमति दी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता सुभाष झा ने इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

इस पर न्यायमूर्ति विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वर्तमान याचिका व्यक्तिगत तथ्यों पर आधारित है। इसमें किसी कानून की वैधता को चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए यह मामला शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने योग्य नहीं है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने अधिवक्ता से कहा,आपका मामला व्यक्तिगत तथ्यों पर आधारित है। हम तभी स्थानांतरण कर सकते हैं, जब विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं में कानून के एक समान प्रश्न हों।

जल जीवन मिशन से 15 करोड़ घरों में पहुंचा नल से जल : पाटिल

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने गुरुवार को कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब तक 15 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है और शेष चार करोड़ घरों में इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए, मिशन के तहत तेजी से काम चल रहा है और निर्धारित समय तक इसे पूरा कर लिया जाएगा।

श्री पाटिल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नागरिकों को जल उपलब्ध कराना राज्य सरकारों का दायित्व है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सबको जल उपलब्ध कराने के लिए मिशन के तहत काम कर रही है। इस मिशन के तहत अब तक 15 करोड़ घरों को नल से जल उपलब्ध कराया

गया है। शेष चार करोड घरों तक यह सुविधा पहुंचाने का काम चल रहा है और वर्ष 2028 तक इस काम को पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय को 501 करोड़ रुपए से ज्यादा अनुदान मिला है जो अब तक का सबसे ज्यादा अनुदान है और उनका मंत्रालय इसके तहत सबको जल उपलब्ध कराने का काम कर रहा है। उनका कहना था कि जो पैसा मंत्रालय को अनुदान के रूप में मिला है उसमें 67 करोड़ जल जीवन मिशन के लिए है।

'नमामी गंगे' योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके तहत मोदी सरकार ने जो काम किया है उसी का परिणाम है कि गंगा का पानी आज नहाने के लिए लायक हुआ है। प्रयागराज में जो महाकुंभ आयोजित किया गया उसमें श्रद्धालुओं को जो साफ पानी मिला उससे जाहिर है कि 'नमामी गंगे' के तहत गंगा को स्वच्छ बनाने का काम सफलता-पूर्वक चल रहा है।

उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय जल संचय पर जोर दे रहा है और इसके लिए श्री मोदी ने लोगों से जनभागीदारी के तहत जल संचय का जो आह्वान किया था उसके परिणाम चौंकाने वाले हैं। सरकार ने कोई पैसा इस पर खर्च नहीं किया है लेकिन जल संचयन के लिए जो काम हुआ है वह अस-ाधारण है। उन्होंने कहा कि इस काम में किस तेजी से जनता ने अपना योगदान दिया है इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष छह सितम्बर को जन भागीदारी से जल संचय करने का आह्वान किया था उसके तहत अब तक 27 लाख 42 ढांचे खड़े किए गये हैं।

बारिश का पानी इन प्रयासों के जरिए संचयित किया जा रहा है और इससे भूजल स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह के प्रयास से भूजल का स्तर बढ़ाया जा रहा है और देश के कई हिस्सों में जन भागीदारी से जल संचयन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल संचयन का काम तेजी से चल रहा है और मंत्रालय ने इसके लिए कोई पैसा खर्च नहीं किया है लेकिन श्री मोदी ने जो आह्वान जनता से किया है उसके तहत बड़े स्तर पर जल संचयन का काम हो रहा है।

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गयी है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी' बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नयी-नयी चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है इसलिए इसके अधिकारियों की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एनटीए के जरिए हो रही नीट परीक्षा के आयोजन में भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर तरीके से सामने आ रहा है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें कुछ लोग गिरफ्तार हुए हैं और इसमें गंभीर बात यह है कि प्राथमिकी में पैसा लेकर ओएमआर शीट बदलने की बात सामने आई है। नीट परीक्षा के माध्यम से बच्चे डॉक्टर बनते हैं जो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है। इस प्राथमिकी के बाद एनटीए फिर शक के घेरे में है, लेकिन उसके खिलाफ अब तक कोई बड़ी जांच नहीं बिठाई गयी है। कांग्रेस की मांग है कि एनटीए की जांच हो और नीट परीक्षा पारदर्शिता तरीके से आयोजित कराई जानी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सीबीआई कह रही है कि इस मामले में एनटीए का कोई अधिकारी शामिल नहीं है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि फिर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज क्यों कराया गया है। इस मामले में तीन लोग फरार बताए जा रहे हैं तो दो लोगों को जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा कि यह संभव ही नहीं है कि परीक्षा में इतनी बड़ी गड़बड़ी हो और इसमें किसी अधिकारी की मिलीभगत नहीं हो।

उन्होंने मोदी सरकार पर आर-ोप लगाते हुए कहा, शिक्षा बजट को कम किया जा रहा है, एक भी परीक्षा सही से आयोजित नहीं की जा रही है, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों की हालत खराब है, नीट जैसी परीक्षाओं में धांधली की जा रही है।

उद्यम प्रदेश बनाने का योगी का दावा केवल जुमलेबाजी

हाथरस में खत्म होने की कगार पर हथकरघा कारोबार

हाथरस में पहले थीं 250 यूनिटें, अब बची हैं मात्र 20

हाथरस, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने का योगी सरकार का दावा केवल जुमलेबाजी ही साबित हो रहा है। हाथरस का प्रसिद्ध हथकरघा उद्योग अब आखिरी सांसें ले रहा है। सरकार इस ओर कतई ध्यान नहीं दे रही है। इस सरकारी उपेक्षा के कारण हाथरस में पहले 250 हथकरघा यूनिटें थी, अब मात्र 20 यूनिटें बची रह गई हैं।

हथकरघा उद्योग में हाथरस की अपनी अलग पहचान थी। 1970 के दशक में जनपद में कई कॉटन मिल थीं, जिसमें हजारों श्रमिक कार्यरत थे, लेकिन धीरे-धीरे सभी मिलें बंद हो गईं। करीब 20 साल पहले तक

हाथरस जनपद के हथकरघा कारोबार में पावरलूम का रूप ले लिया, लेकिन यह पावरलूम में भी काफी पुरानी मशीनों से काम किया जा रहा है। यहां के कारोबारियों को प्रोत्साहन न मिलने के कारण कारोबार खत्म होता जा रहा है। इस कारोबार को फिर एक पहचान के लिए कारोबारी किसी संजीवनी का इंतजार कर रहे हैं।

हथकरघा उद्योग में हाथरस की अपनी अलग पहचान थी। 1970 के दशक में जनपद में कई कॉटन मिल थीं, जिसमें हजारों श्रमिक कार्यरत थे, लेकिन धीरे-धीरे सभी मिलें बंद हो गईं। दो दशक पहले तक जिले में करीब 250 बड़ी यूनिटें थीं, जो हैंडलूम के साथ पावरलूम का कार्य करती थीं, लेकिन वर्तमान में लगभग 20 यूनिटों में ही इसका काम हो रहा है। इन यूनिटों को अब प्रोत्साहन की दरकार है, क्योंकि इनकी मशीनें बहुत पुरानी हो गई हैं, जो कुछ चुनिंदा उत्पाद ही बना सकती हैं।

कारोबारी वेंकटेश अग्रवाल कहते हैं, हम पुरानी मशीनों से कारोबार कर रहे हैं। मुख्य रूप से धागे व कपड़े का उत्पादन कर रहे हैं। हमें अभी तक कोई प्रोत्साहन नहीं मिला, जिससे हम अपने कारोबार को और अधिक बढ़ा सकें। अरविंद अग्रवाल ने कहा, टेक्सटाइल के क्षेत्र में हाथरस की अलग पहचान थी, लेकिन अब स्थिति काफी बदल गई है। जब तक सरकार इसे गंभीरता से नहीं लेगी, तब तक कुछ नहीं होगा। बुद्धसेन माहौर ने कहा, छोटे स्तर पर कुछ लाभ सरकार से मिले हैं, लेकिन इतना बड़ा कोई प्रोत्साहन नहीं मिला, जिससे हम अपनी यूनिटों को आधुनिक रूप दे सकें। हम अपने उत्पादों को पानीपत के उत्पादों के साथ बेच रहे हैं। कारोबारी प्रकाशचंद्र कहते हैं, आज भी हाथरस में हजारों की संख्या में हथकरघा कारोबारी मौजूद हैं। इतना हुनर है कि कारोबार चमक सकता है, लेकिन यह सरकार की मंशा के बगैर नहीं हो सकता। क्योंकि मुकाबला पानीपत से है।

हाथरस के पावरलूम कारोबार के उत्पाद की अलग पहचान है, लेकिन आधुनिक समय में अब बाजार में तमाम ऐसे उत्पाद हैं, जिनका उत्पादन यहां मुमकिन नहीं है। ऐसे में यहां के कारोबारी अपने उत्पादों को बेचने के लिए पानीपत से आधुनिक उत्पादों को मंगाकर उनकी आपूर्ति करते हैं।

हाथरस के पावरलूम में बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि दूरदराज के प्रदेशों में भी की जाती है। इसमें गुजरात के साथ राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व उत्तराखंड शामिल हैं। हाथरस की दो बड़ी यूनिटों में पावरलूम के जरिए गलीचे यानी कॉरपेट तैयार होते हैं। यहां तैयार होने वाले कारपेट दिल्ली की बड़ी फर्में खरीदती हैं और उन्हें कई अन्य देशों में बेचती हैं।

इस तरह के महंगे उत्पाद बनाने वाली यूनिटें अब काफी कम हैं। हाथरस की अधिकांश यूनिटों में धागा और कपड़ा बन रहा है। इसमें सर्दियों में ओढ़ने वाले खेस यानी मोटे धागे से बनने वाली चादरें व अन्य उत्पाद शामिल हैं।

एक्सिओम मिशन की डॉकिंग देखने सीएमएस पहुंचे शुभांशु के माता-पिता

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। एक्सिओम-4 मिशन की अंतरिक्ष स्टेशन पर सफल डॉकिंग देखने के लिए शुभांशु के माता-पिता उनके सीएमएस स्कूल पहुंचे। इस मौके पर उनके पिता ने कहा कि बेटे पर गर्व है। वहीं मां ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लग रहा है। हम डॉकिंग कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साहित हैं।

वायुसेना के ग्रुप कैप्टन व भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के माता-पिता अपने बेटे की उपलब्धि पर गर्वित हैं। वो परिवार के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सफल डॉकिंग देखने के लिए लखनऊ के कानपुर रोड स्थित उनके स्कूल पहुंचे थे। जब शुभांशु के यान की

सफलतापूर्वक डॉकिंग हुई तो सभी खुशी से झूम उठे। भारत माता की जय के नारे से परिसर गूंज उठा।

इस मौके पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि हमें बेहद गर्व है। हम उनकी सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे थे। यह हमारे लिए गर्व का दिन है। हम शाम 6 बजे सीएम योगी आदित्यनाथ से भी मिलेंगे। शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने कहा कि हमें बहुत अच्छा लग रहा है। हम डॉकिंग कार्यक्रम का इंतजार कर रहे हैं। इसे लेकर हम उत्साहित हैं। बहन शुचि मिश्रा ने कहा कि यह न केवल मेरे लिए बल्कि सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है। मैं प्रार्थना करती हूं कि यह चरण भी जल्दी से गुजर जाए और वे सुरक्षित रहें।

41 वर्ष पहले लगातार आठ दिन पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में रवाना होने वाले शुभांशु दूसरे भारतीय बने। एक्सिओम-4 मिशन ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर दी है। लॉन्चिंग के दौरान शुभांशु के माता-पिता की आंखों में आंसू थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश को उन पर नाज है। इस मौके पर एसआईए इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सुब्बा राव पावुलुरी ने कहा, हमारे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जा रहे हैं। यह भारत के लिए एक महान दिन है।

भाजपा सांसद एवं फिल्म अभिनेता रवि किशन ने कहा

लोकसभा चुनाव में भाजपा केयरलेस हो गई थी

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। गोरखपुर के भाजपा सांसद और प्रसिद्ध पिल्म अभिनेता रवि किशन ने लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में भाजपा के पिछड़ने को लेकर कहा, लोकसभा चुनाव में हम केयरलेस हो गए थे। विपक्ष ने संविधान का गंदा झूठ पिरोया था। अंदरखाने में उन्होंने फैलाया कि संविधान खत्म हो रहा है। उपचुनाव में इनका पर्दाफाश हो गया। 2027 में हम फिर जीतेंगे। योगी जी लगातार काम कर रहे हैं। रवि किशन ने कहा कि एक बार हम चूक गए। अगली बार नहीं होगा। 2027 में उत्तर प्रदेश में 300 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। धोखा बार-बार नहीं होता है। इसलिए आपातकाल की लोगों को बार-बार याद दिलाते हैं कि

बार-बार जनता से धोखा न हो।

उत्तर प्रदेश की उपलब्धि को लेकर रवि किशन ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि कानून व्यवस्था है। अब उत्तर प्रदेश सुरक्षित है। उत्तर प्रदेश बाहुबली, गुंडों, माफिया से सुरक्षित हुआ है। ये ऐसा है जैसे आजादी मिली हो। आज यह उत्तम प्रदेश बन गया है। बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। योगी जी का कानून व्यवस्था पर बहुत फोकस रहता है। अखिलेश यादव के पीडीए का मुद्दा उठाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनका चुनावी शिगूफा है। ये सब ड्रामेबाज हैं। अखिलेश यादव दलित, पिछड़ों के लिए कुछ नहीं करेंगे। उन्होंने प्रदेश को लूटा है। उन्होंने प्रदेश के लिए कभी कुछ नहीं किया। यह अखिलेश का चुनावी ढकोसला है। ये सच्चे नहीं हैं।

रवि किशन ने कहा, भाजपा ने मुझे 2019 में गोरखपुर से मौका दिया। जनता ने जिताया। इसके बाद दोबारा 2024 में जनता ने जिताया। गोरखपुर में काम कर रहा हूं। गोरखपुर अब बदल रहा है। यह राजधानी की तरह विकसित हो रहा है। गोरखपुर पहले अपराध का अड्डा था, अब वहां कानून व्यवस्था बेहद बेहतर है। गोरखपुर में काफी काम हुए हैं। यह फ्लाइंग मशीन का टेकऑफ बन गया है।

निष्कासन के बाद अखिलेश पर बरसे विधायक राकेश प्रताप

संजय सेठ वाले पैकेज से भी पर्दा उठना चाहिए

अमेठी, 26 जून (एजेंसियां)। सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि अब अतीत के पैकेज से भी पर्दा उठना चाहिए। बताना चाहिए कि संजय सेठ को विधान परिषद भेजने के लिए कितने पैकेज की बात हुई थी।

सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह अब लगातार समाजवादी पार्टी और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने राज्यसभा और विधान परिषद सदस्य के चयन को लेकर पुराने घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए पूछा कि अतीत के पैकेज से भी अब पर्दा हटना चाहिए।

राकेश प्रताप ने पूछा कि जब सपा सत्ता में थी तब संजय सेठ को विधान परिषद भेजने के लिए कितना पैकेज लिया गया था और जब उनका नाम तत्कालीन राज्यपाल ने ठुकरा दिया था तो क्या बाद में पैकेज का आकार बढ़ाकर उन्हें राज्यसभा भेजा गया।

गौरतलब है कि भाजपा प्रत्याशी को राज्यसभा में समर्थन देने के बाद सपा ने विधायक राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद विधायक ने कहा कि अब पार्टी अपने मूल विचारों से भटक चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राम, राष्ट्र और सनातन उनके लिए पहले है, पार्टी बाद में।

उनके बयान के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। तरसड़ा गांव के अधिवक्ता महेंद्र शुक्ल ने तंज कसते हुए कहा कि अब राम की याद आई है, राम ही कल्याण करेंगे।

वहीं, माधवपुर निवासी विपिन तिवारी और दीपक ने कहा कि राजनीति में कुछ भी संभव है। आने वाला समय सच्चाई सामने लाएगा।

राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामले में 28 जुलाई को होगी सुनवाई

हाथरस, 26 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने न्यायालय से दोष मुक्त हुए युवकों को सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी बताया था। इस पर राहुल गांधी के खिलाफ हाथरस कोर्ट में परिवाद दाखिल किया गया था। इस मामले में आज सुनवाई होनी थी, लेकिन अब 28 जुलाई को सुनवाई होगी। राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला हाथरस के एसीजेएम एमपी/एमएलए कोर्ट में दाखिल हुआ था। न्यायालय में परिवादी की ओर से दो गवाहों के बयान हो चुके हैं। 26 जून को न्यायालय में अधिकारी के अवकाश पर होने की वजह से सुनवाई नहीं हो पाई। न्यायालय में इस मामले में सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तिथि नियत की गई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंढीर ने बताया कि थाना चंदपा क्षेत्र के एक गांव निवासी रामकुमार उर्फ रामू की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दाखिल किया गया था।

पेशेवर अपराधी नहीं हैं राजपाल यादव...

हाईकोर्ट ने राजपाल ऑस्ट्रेलिया जाने की अनुमति दी

नई दिल्ली/शाहजहांपुर, 26 जून (एजेंसियां)। अभिनेता राजपाल यादव ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए बुधवार को रवाना हो गए हैं। वहां से कनाडा भी जाएंगे। चेक बाउंस मामले में शामिल होने के कारण अभिनेता को दिल्ली हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ विदेश जाने की अनुमति दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव को ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने उन्हें अपनी आगामी फिल्म मेरा काला रंग दा यार के प्रचार के लिए 27 जून से 5 जुलाई तक जाने की मंजूरी दी है। अभिनेता को चेक बाउंस और 11 करोड़ रुपए के लोन न चुकाने के मामले में शामिल होने के कारण हाईकोर्ट से इजाजत मांगनी पड़ी।

हाईकोर्ट ने कहा कि राजपाल यादव और अन्य याचिकाकर्ता पेशेवर अपराधी नहीं हैं और

मामले को दिल्ली हाईकोर्ट मध्यस्थता केंद्र में विचाराधीन रखा गया है। न्यायमूर्ति राजनीश कुमार गुप्ता ने पिछले साल जून में उनकी सजा को निलंबित कर दिया था। बशर्ते वे ऋणदाता के साथ सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए गंभीर प्रयास करें। इस बार भी कोर्ट ने शर्तें लगाई हैं, जिसमें एक लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद जमा करना, अपना मोबाइल फोन सक्रिय रखना और जांच अधिकारी को अन्य संपर्क जानकारी देना शामिल है।

हालांकि, हाईकोर्ट ने पासपोर्ट को यात्रा के बाद वापस जमा करने का भी आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी। पिछले साल अगस्त में, बैंक ने उनके उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित संपत्ति को 11 करोड़ रुपए के ऋण चुकाने में चूक के कारण सील कर दिया था। इसके अलावा, 2018 में उन्होंने पांच करोड़ रुपए के ऋण को चुकाने में असफल रहने के कारण तीन महीने की जेल भी काटी थी। शाहजहांपुर के कुंडरा गांव निवासी फिल्म अभिनेता राजपाल यादव ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए बुधवार को रवाना हो गए हैं। वहां से कनाडा भी जाएंगे। चेक बाउंस मामले में अभिनेता को दिल्ली हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ अनुमति दी है। कनाडा में अभिनेता राजपाल यादव की ससुराल भी है।

बंडा के कुंडरा गांव के रहने वाले हास्य अभिनेता राजपाल यादव ने वर्ष 2010 में बतौर डायरेक्टर फिल्म अता-पता लापता के लिए पांच करोड़ रुपए लिए थे। उस रकम को लौटाने को लेकर विवाद होने के बाद चेक बाउंस से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई गईं थीं। मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इस वजह से अभिनेता को विदेश जाने के लिए कोर्ट की अनुमति अनिवार्य है। राजपाल यादव को न्यायालय ने विदेश जाने की सशर्त अनुमति दी है। वह मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में शामिल होंगे। वहां से कनाडा जाएंगे। अभिनेता के भाई इंद्रपाल ने बताया कि विदेश जाने के लिए न्यायालय से अनुमति लेने की प्रक्रिया है।

हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी को झटका

हाईकोर्ट ने खारिज की अंसारी की याचिका

प्रयागराज, 26 जून (एजेंसियां)। हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी को हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी की याचिका खारिज कर दी है। अब्बास ने मऊ ट्रायल कोर्ट में पेश की गई हेट स्पीच से संबंधित फॉरेंसिक रिपोर्ट और सीडी को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ ने अंसारी की याचिका खारिज करने का आदेश दिया।

अब्बास ने आरोप लगाया था कि हेट स्पीच की सीडी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।

उन्होंने मऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट में पुलिस की ओर से पेश की गई हेट स्पीच से संबंधित ऑडियो की फॉरेंसिक रिपोर्ट और सीडी को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में विलंबित चरण में दाखिल सीडी व फॉरेंसिक रिपोर्ट पर विचार न करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि संबंधित मामले में

ट्रायल पूरा हो चुका है और संबंधित कोर्ट ने 31 मई, 2025 को आदेश पारित कर दिया है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि निर्णय आने के बाद भी आवेदन में उठाए गए आधार अभी भी विचाराधीन हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले का ट्रायल पूरा हो चुका है और निर्णय भी सुनाया जा चुका है।विधानसभा चुनाव के दौरान 4 मार्च, 2022 को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रत्याशी अब्बास अंसारी, उनके भाई उमर अंसारी और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ हेट स्पीच देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। मऊ कोतवाली में दर्ज एफआईआर में आरोप है कि 3 मार्च, 2022 को एक चुनावी जनसभा में अब्बास ने प्रशासनिक अधिकारियों को धमकी दी थी। इस संबंध में एक वीडियो भी वायरल हुआ था। इस मामले में 31 मई, 2025 को सीजेएम कोर्ट ने अब्बासको दो साल की सजा सुनाई थी और तीन हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे संकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए हैं। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

रेड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और यह जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। यगंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड के जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने की कोशिश करते हैं। अब जबकि ठंड कुछ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना फैशन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना सकती हैं। जब बात की जाए मेकअप की तो रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो सकता। इस सीजन में तो यह कलर मल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ होंठो पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और आंखों को भी खूबसूरत लुक देता है।

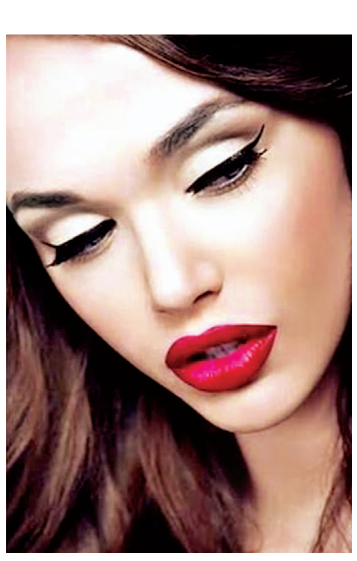

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलैक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्प्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

आटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार बच्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में पहुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो गया- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। एक अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक वर्ष इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन बच्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल और 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म की अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक शहर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर खुल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की संख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब संभव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दहीं के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। **कैसे आगे बढ़े:** एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस,

अन्य सामग्री: 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

बिहार में कांग्रेस को झटका

बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। एक ओर कांग्रेस के मुख्य चेहरे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार के दौरे करके वहाँ अपनी पार्टी को मजबूत बनाने के अभियान में लगे हुए हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर, उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। वहीं, भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य नेता बिहार के दौरे कर रहे हैं और प्रदेश को सौगात सौंप रहे हैं। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने बिहारवासियों को 5736 करोड़ रुपये की 22 विकास योजानाओं की सौगात दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जंगलराज की याद दिलाई और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। दोनों नेताओं के बीच जुगलबंदी नजर आई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तो प्रधानमंत्री मोदी की जमकर प्रशंसा की और जनता से भी उनके प्रति आभार ज्ञापन करने का आग्रह किया। भाजपा और जदयू के बीच जिस प्रकार का तालमेल दिखायी दे रहा है, वह कांग्रेस सहित विपक्षी दलों की नींद उड़ाने के लिए पर्याप्त है। वहीं, कांग्रेस और राजद के बीच कहीं कोई तालमेल दिखायी नहीं दे रहा है। कहना होगा कि अति उत्साहित राजद ने कांग्रेस को यह बताने का प्रयास किया है कि बिहार में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजद के नेता लालू प्रसाद यादव ने सीट बंटवारे के अपने गणित से राहुल गांधी के इस बिहार अभियान को बड़ा झटका दिया है। कांग्रेस 2020 के चुनाव की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 70 सीटें नहीं मिलेंगी। साफ है कि अगर कांग्रेस गठबंधन में जाती है तब वह दोयम दर्जे की पार्टी बनकर रह जाएगी। वहीं, यदि वह अकेले चुनाव मैदान में उतरती है तब उसकी स्थिति केवल वोट कटवा पार्टी के रूप में दिखायी देगी। राहुल गांधी ने भले ही खूब दौरे करके और जिला अध्यक्ष बदलकर पार्टी को मजबूत करने का प्रयास किया हो लेकिन सत्य यही है कि बिहार में कांग्रेस का संगठन जमीन पर बहुत कमजोर है। कांग्रेस की यह स्थिति नहीं है कि अकेले की दम पर वह बिहार में कोई चमत्कार दिखा दे। लालू यादव कांग्रेस को इसलिए भी भाव देने को तैयार नहीं है क्योंकि वह और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं का यह मानना है कि कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण ही बिहार में नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हो गए थे। यह भी याद रखें कि गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हों लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। कुल मिलाकर कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए बिहार से अच्छे संकेत नहीं मिल रहे हैं। इसलिए उन्होंने अभी से चुनाव आयोग को निशाना बनाना शुरू कर दिया है क्योंकि अपनी पराजय की जिम्मेदारी लेना कांग्रेस की आदत में रह नहीं गया है।

कांग्रेस के मुख्य चेहरे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार के दौरे करके वहाँ अपनी पार्टी को मजबूत बनाने के अभियान में लगे हुए हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर, उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। वहीं, भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य नेता बिहार के दौरे कर रहे हैं और प्रदेश को सौगात सौंप रहे हैं। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने बिहारवासियों को 5736 करोड़ रुपये की 22 विकास योजानाओं की सौगात दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जंगलराज की याद दिलाई और विपक्ष पर जमकर हमला बोला।

तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया

ईरान और इजराइल के युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन

इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है।

को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है। ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए।

देश दुनिया से

वैश्विक संबंधों में बदलावों के कूटनीतिक सबक

विदेश नीति के बारे में यह कमाल है कि चंडीगढ़ के नित बदलते मौसम से भी अधिक तेजी से बदलती है और आपको पता नहीं होता कि आने वाले तूफान से कैसे निबटा जाए, जब तक कि वह ऐन आपके सिर के ऊपर न आ जाए। पिछले सप्ताह कनानास्किस में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली से साइप्रस होते हुए 11,056 किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचे थे, दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग वहां एकत्र थे – सिवाय डोनाल्ड ट्रम्प के, जो जल्दी चले गए क्योंकि इस्राइल ने ईरान पर बमबारी कर दी थी और जैसा कि बाद में पता चला- पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर दोपहर के भोजन पर व्हाइट हाउस आने वाले थे। यहां, इस सप्ताह वैश्विक मिज़ाज में आए परिवर्तनों से तीन सीखें मिलती हैं : सबसे पहले, महाभारत के अर्जुन की तरह, अपनी नज़र मछली की आंख पर बनाए रखें। साल 2019 में जोर-शोर से लगाए गए नारे, 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' वाले दिनों से लेकर ट्रम्प का मोदी को वाशिंगटन डीसी आने का बुलावा और मोदी द्वारा इसे ठुकराने वाली घड़ी तक, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक लंबी और संजीदा यात्रा रही। राजनीति का मुख्य सबक यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, सिर्फ हित स्थाई होते हैं। घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री इस खेल में माहिर हैं। वे विरोधाभासों का प्रबंधन बहुत खूबसूरती से कर लेते हैं, मसलन एक ओर दलित नेता बीआर अंबेडकर के लिए अपनी घोषित प्रशंसा और दूसरी ओर जाति जनगणना को लेकर उनकी पार्टी की बीते समय में असहजता – तथापि, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने के बाद, इस किस्म की जातिगणना करवाने की घोषणा कर देना। हो सकता है कि भाजपा इसका श्रेय छीन ले, खासकर तब जब कांग्रेस अंदरूनी तौर पर कमोबेश बिखरी पड़ी है। अपने पाले में, प्रधानमंत्री ने इस मामले में मतभेदों को जिस बढ़िया ढंग से संभाला है, विदेश मामलों के मोर्चे पर भी उन्हें अवश्य ऐसा ही कर दिखाना चाहिए। दूसरा, जिस बदलाव की बहुत जरूरत है वह है यथार्थवादी होने की काबिलियत। व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों – सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई मुखिया जनरल असीम मलिक – को ट्रंप द्वारा दिखाया गया लाड़-प्यार इस बात का सबूत है कि ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है। अमेरिका सत्ता की प्रकृति को अच्छी तरह समझता है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी करते हुए सीधे उसके सैन्य प्रतिष्ठान से राब्ता बनाकर ट्रंप यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके पास औपचारिक रूट जैसे तामझाम लिए समय नहीं है। वह जानते हैं कि जो वो चाहते हैं, अगर कोई इसे पूरा सकता है, तो वह है रावलपिंडी स्थित सैन्य प्रतिष्ठान। तो क्या इसका यह मतलब है कि अमेरिका भारत की उस स्थिति पर और ज्यादा यकीन नहीं करना चाहता कि सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है? या फिर अब यह नहीं मान रहा कि पहलगाम कांड पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं द्वारा करवाया गया था? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों है। निश्चित रूप से अमेरिका भारत के इस विश्लेषण से सहमत होगा कि भारत में सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक

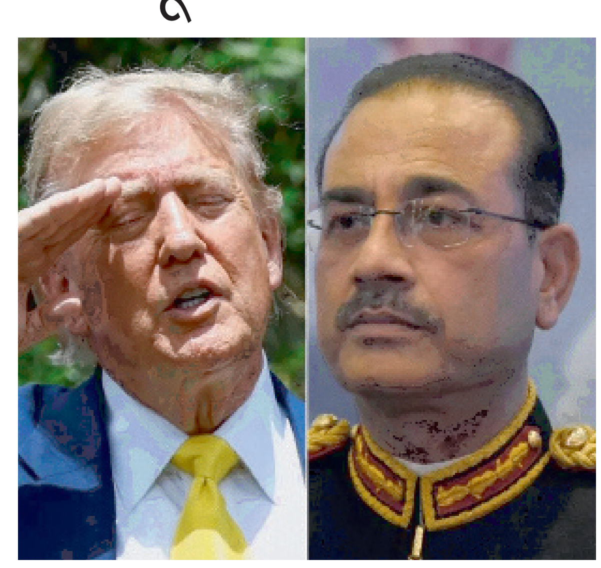

पाकिस्तान है। लेकिन दुर्भाग्यवश, लगता है इस समय उसे पाक की ज़रूरत भारतीयों को पहुंचने वाले उस दर्द से ज़्यादा महत्वपूर्ण लग रही है, जिनका मानना था कि ट्रंप-मोदी सदा पक्के दोस्त रहेंगे। यहां मुद्दा यह है कि ट्रंप को लगता है कि वे असीम मुनीर और मोदी, दोनों के, बढ़िया दोस्त हो सकते हैं – वास्तव में, न केवल ट्रंप बल्कि तमाम बड़ी शक्तियों के पास एक ही समय में ऐसे देशों और नेताओं से बरतने की क्षमता होती है। बड़ी ताकतों के व्यावहारिक तौर-तरीकों का यह एक ज़रूरी अवयव है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय शायद इस बात से हैरान है कि 10 मई को भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम पर तथाकथित अमेरिकी 'मध्यस्थता' को लेकर भारत के अंदर इतना बवाल क्यों मचा हुआ है, खासकर तब जब सभी जानते हैं कि अमेरिकी राजनयिक लड़ाई बंद करवाने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी दोनों से अलग-अलग बात कर रहे थे। असल में हुआ यह है : 10 मई को भारतीय वायुसेना द्वारा 11 पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर बमबारी के बाद जब अमेरिकियों ने दिल्ली में अपने समकक्षों को फोन करके पाकिस्तान की तबाही और ज्यादा बंद करने को कहा, तो उनसे कहा गया कि वे पाकिस्तानी पक्ष को बता दें कि वे खुद भारतीयों से संपर्क करके इसके लिए अनुरोध करें। उस दिन , बाद में पाकिस्तानी डीजीएमओ ने ठीक यही किया। बीते सप्ताह वैश्विक मिजाज़ में आया तीसरा बदलाव रहा , ईरान पर इस्राइली बमबारी के खिलाफ ब्यानबाजी का जोर पकड़ना। इस्राइल को दिये ट्रंप के समर्थन पर भी किंतु-परंतु होता रहा। रूस और चीन पहले ही इस्राइल के खिलाफ सामने आ चुके हैं। अरब के लोगों में गहरी चिंता पसरी रही। लगता रहा कि मध्य पूर्व में टकराव रोकने को दुनिया एकजुट हो रही है।

आप का नजरिया

अमेरिका-पाकिस्तान की नजदीकी पर सवाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर की मुलाकात को कई तरह से देखा जा रहा है। विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस इसे भारत की कूटनीतिक असफलता के तौर पर प्रचारित करने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रीय मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। स्मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए। अब डोनाल्ड ट्रंप के मन में अचानक से जिहादी मानसिकता के पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर के प्रति प्यार उमड़ आया है। वैश्विक पटल पर सभी देश अपनी सुविधा एवं लाभ की दृष्टि से आपसी संबंधों को आकार देने का प्रयास करते हैं। वही कार्य अमेरिका ने करने की कोशिश की है। क्योंकि इस समय अमेरिका की नजर पाकिस्तान की जमीन पर है, जिसका उपयोग वह इजराइल-ईरान युद्ध में आवश्यकता पड़ने पर कर सकता है। कहना होगा कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिका का यह प्रेम निःस्वार्थ नहीं है अपितु इसके पीछे अमेरिका के अपने स्वार्थ हैं। अमेरिका ने प्रारंभ से पाकिस्तान का उपयोग अपने हितों को साधने के लिए किया है। कुछ डॉलर की सहायता देकर पाकिस्तान को एक प्रकार से अमेरिका किराए पर ले लेता है। अफगानिस्तान में तालिबान के विरुद्ध अपनी कार्यवाई में अमेरिका ने यही किया था। यही कारण है कि आज तालिबान और अफगानिस्तान के आम नागरिक भी पाकिस्तान से नफरत करते हैं। ट्रंप के साथ मुनीर के खाना खाने पर सवाल तो अमेरिका में उठने चाहिए। एक ओर पाकिस्तान में ईरान के समर्थन में और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुनीर ईरान के खिलाफ अपनी जमीन के उपयोग का सौदा अमेरिका के साथ कर रहे हैं। एक और बात इससे साफ होती है कि पाकिस्तान में मुनीर ही 'सुपर बॉस' हैं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो केवल दिखाने के हैं। मुनीर को लेकर जनता में आक्रोश है। यह पहले सेनाध्यक्ष होंगे, जिनका अमेरिका में जमकर विरोध हुआ है। पाकिस्तान के नागरिकों ने अमेरिका में जगह-जगह मुनीर को 'लोकतंत्र का कातिल' बताते हुए प्रदर्शन किए हैं। सवाल अमेरिका पर भी उठ रहा है कि वह जेहादी मानसिकता के सेनाध्यक्ष को गले लगाएगा, तब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के उसके दावे खोखले ही नजर आएंगे। अमेरिका का हित साधने के चक्कर में ट्रंप आग से खेल रहे हैं। यह भी देखना होगा कि पाकिस्तान जब अमेरिका की गोद में बैठेगा तब क्या वह चीन की गोदी छोड़ देगा या चीन ही उसे दुत्कारेगा? बहरहाल, इस घटनाक्रम के बाद बन रहे वातावरण पर भारत को बारीक नजर रखनी होगी।

विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस इसे भारत की कूटनीतिक असफलता के तौर पर प्रचारित करने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रीय मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। स्मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए। अब डोनाल्ड ट्रंप के मन में अचानक से जिहादी मानसिकता के पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर के प्रति प्यार उमड़ आया है। वैश्विक पटल पर सभी देश अपनी सुविधा एवं लाभ की दृष्टि से आपसी संबंधों को आकार देने का प्रयास करते हैं। वही कार्य अमेरिका ने करने की कोशिश की है।

कुछ अलग

पिता का पस्त मन और पुत्रों की पश्चिमी व्यस्तता

एक फौजी पिता की वर्दी सलामी के लिए नहीं, बल्कि सम्मान और समर्पण के प्रतीक होती है। लेकिन जब वही पिता अपनी अंतिम सांस लेने से पहले अपनी ज़िंदगी के सबसे कड़वे शब्दों में पत्र लिखकर खुद को गोली मार ले, तो यह केवल आत्महत्या नहीं होती — यह एक सामाजिक मृत्यु होती है। लखनऊ की एक पॉश कॉलोनी में रहने वाले रिटायर्ड कर्नल ने ऐसा ही किया। दो बेटे, एक अमेरिका में कॉरपोरेट नौकरी में व्यस्त, दूसरा अपने परिवार के साथ जीवन में लीन। पिता और मां ने पूरी ज़िंदगी इन बेटों की परवरिश में बिता दी थी। ऊँची शिक्षा, बेहतर जीवन, विदेशी स्थायित्व, दुनिया की सुविधाएं — सब दिया, लेकिन आखिर में अकेलेपन का उत्तरदायित्व भी उन्हीं मां-बाप के हिस्से आया। कहते हैं, हर पिता चाहता है कि बेटा उससे बड़ा बने, लेकिन शायद ही कोई पिता चाहता है कि बेटा उसे भूल जाए। जिस बेटे को कभी बुखार आने पर पिता रातभर सिरहाने बैठा रहा हो, वही बेटा मां की मौत पर कह दे कि "पापा की मौत में आ जाऊंगा" — तो वहां केवल संबंध नहीं टूटते, आत्मा टूट जाती है। उस पिता ने पत्र में कोई गाली नहीं दी, कोई ताना नहीं दिया, कोई आक्रोश नहीं दिखाया। उन्होंने बस यह कहा कि शायद मेरी परवरिश में कोई कमी रह गई, क्योंकि मैंने समाज को सभ्य नागरिक नहीं, असंवेदनशील संतति दी। यह वाक्य जितना सीधा है, उतना ही खौफनाक है। यह एक पिता का नहीं, एक पीढ़ी का दुःख है। यह कहानी किसी एक कर्नल की नहीं है। यह हर उस मां-बाप की है, जो अपने बच्चों को उड़ान देना चाहते हैं, लेकिन बुढ़ापे में लौटती हुई परछाइयां भी नहीं देख पाते। यह उस भारतीय समाज की है, जो अमेरिका जाने वाले बेटे पर गर्व करता है, लेकिन वहीं मां-बाप को वृद्धाश्रम में छोड़ने पर खामोश हो जाता है।

दृष्टि कोण

इंसान खुद लिख रहा है विनाश पटकथा

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध राष्ट्रों के लिए वैश्विक तनाव एक रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है—अपनी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन, हथियारों के व्यापार को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में वर्चस्व बनाए रखने के लिए। दशकों पुरानी शत्रुता के साथ शांति और अहिंसा की बातें केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित हैं। वास्तविकता यह है कि कहीं न कहीं युद्ध का बहाना ढूंढ़कर उसे भड़का दिया जाता है। इन शक्तिशाली देशों ने अपने ऐतिहासिक विकास की कीमत पर दो गंभीर समस्याएं—पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक ऊष्मीकरण—तीसरी दुनिया के कंधों पर डाल दी हैं। स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद वे इन समस्याओं से निपटने के लिए न तो पर्याप्त आर्थिक संसाधन साझा करने को तैयार हैं, और न ही कोई वास्तविक उत्तरदायित्व लेने को। इसके विपरीत, वे भारत जैसे उभरते देशों को नेतृत्व का दायित्व सौंपते हैं, शायद इसलिए कि ये देश संसाधनों के अभाव में हमेशा उनकी मदद के मोहताज बने रहें और वैश्विक राजनीति में उनकी शर्तों पर खेलते रहें। आज दुनिया को जिन वास्तविक युद्धों की आवश्यकता है—भुखमरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए—वो युद्ध कभी लड़े ही नहीं गए। इसके बजाय, शंतिप्रिय देशों पर आधुनिक हथियारों की वर्षा कर के, राष्ट्रों के भूगोल को युद्धभूमि बना दिया गया। आज जब रूस-यूक्रेन युद्ध एक तीन 'पुरानी त्रासदी' बन चुका है और चीन-ताइवान का टकराव स्थायी तनाव का चित्र बन गया है, तब दुनिया का ध्यान इस्राइल और ईरान के बीच उभरे नए संकट पर केंद्रित है। यह संघर्ष न केवल क्षेत्रीय अशांति का प्रतीक है, बल्कि इसके पीछे छिपी वैश्विक राजनीति

की कई परतें भी उजागर करता है। निस्संदहे, इस्राइल को अपने पड़ोसी देशों और आतंकी संगठनों से लंबे समय से खतरे का सामना रहा है। लेकिन इस्राइल को पश्चिमी शक्तियों, विशेषकर अमेरिका का भरपूर समर्थन प्राप्त है—ऐसा समर्थन जो सिर्फ सैन्य या कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक नियंत्रण के इरादे से संचालित होता है। ईरान जब परमाणु शक्ति की ओर अग्रसर होता है, तो उसे परमाणु अप्रसार संधि का वास्ता देकर रोका जाता है, जबकि जिन देशों के पास पहले से परमाणु हथियार हैं, वे न केवल इस संधि से बाहर हैं, बल्कि अपनी परमाणु क्षमताएं और सैन्य दबदबा लगातार बढ़ा रहे हैं। हाल ही में इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान के लगभग सैन्य व परमाणु ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़ा हमला किया, जिसमें कई वरिष्ठ कमांडर, सेना प्रमुख और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बयान दिया कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने दिया जाएगा, क्योंकि वह 'हमारे अस्तित्व के लिए खतरा' है। ईरान ने इसका कड़ा जवाब देने की चेतावनी दी है, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे 'सिर्फ शुरुआत' करार देते हुए ईरान को परमाणु हथियार का सपना भूलने की धमकी दी है। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह वास्तव में इस्राइल और ईरान का युद्ध है? या फिर यह उन वैश्विक शक्तियों की रणनीति का हिस्सा है जो नहीं चाहतीं कि मुस्लिम दुनिया कभी संगठित या परमाणु रूप से सशक्त हो? क्या यह संघर्ष वाकई आत्मरक्षा का है, या फिर शक्ति-राजनीति की एक सोची-समझी स्क्रिप्ट, जिसमें इस्राइल केवल एक मोहरा है और असली नियंत्रण अमेरिका जैसे देशों के हाथ में है? चाहे युद्ध कहीं भी हो और कोई भी पक्ष लड़ रहा हो, हार अंततः मानवता की होती है। इसका सबसे बड़ा नुक़सान नई पीढ़ी को भुगतना पड़ता है, जिसकी किताबों में ज्ञान की जगह हथियारों की समझ भर दी जाती है। जिन मानवीय सहायता समूहों और संस्थानों के पुनर्निर्माण का वादा वैश्विक शक्तियों ने किया था, उन्हें फंडिंग मिलनी बंद हो जाती है, और वे समाज के सबसे पिछड़े वर्गों को और गहरे अंधकार में छोड़ देते हैं।

80 साल बाद जापान ने की मिसाइल टेस्टिंग, चीन-उत्तर कोरिया की बढ़ी चिंता

टोक्यो

जब पूरी दुनिया का ध्यान ईरान-इजराइल पर तब जापान में कुछ और ही चल रहा था। जापान ने 24 जून को अपनी सेना को मजबूत करने 80 साल बाद मिसाइल की टेस्टिंग की। होक्काइडो द्वीप के शिजुनाई एंटी-एयर फायरिंग रेंज में हुई इस शॉर्ट डिस्टेंस मिसाइल के टेस्ट से चीन की चिंताए बढ़ गई हैं। इस वक्त अगर जापान का कोई दुश्मन है, तो वे चीन और उत्तर कोरिया हैं। दोनों ही उसके खिलाफ मोर्चेबंदी करते रहते हैं। ऐसे में जापान अमेरिका के सहारे बैठने के बजाय खुद अपने हथियार बना रहा है। हाल के इजराइल-ईरान युद्ध में जिस तरह ईरान के साथ उसके भरोसेमंद साथी भी नहीं आए, उसे देखते हुए जापान ने उससे सबक ले लिया है।

जापान की टाइप-88 सरफेस टू शिप मार करने वाली इस मिसाइल की रेंज 40 किलोमीटर की है ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पहली आर्टिलरी ब्रिगेड ने इस टेस्टिंग एक्सरसाइज़ में हिस्सा लिया, जिसमें करीब 300 सैनिक शामिल थे। जापान ने जो मिसाइल टेस्ट की है, वो टाइप- 88 सतह से जहाज तक मार करने वाली मिसाइल है। ये एक ट्रक पर लगाई जाने वाली एंटी शिप मिसाइल है। इसे साल 1980 के दशक के अंत में जापान की मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने बनाया था। पहले ये मिसाइल सिर्फ हवा में लॉन्च होती थी लेकिन बाद में इसे जहाज से लांच करने वाली टाइप 90 (एसएसएम-1बी) मिसाइल के तौर पर विकसित किया। इसकी खासियत रीलिंग का कम समय, कम लाइफ-साइकल कोस्ट और 200 किमी की सीमा भी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के पास वॉयजे-83 (सी-802) एंटी शिप मिसाइल है, जो एक सबसोनिक एंटी-शिप मिसाइल है, जिसकी रेंज 120-180 किमी है। दूसरी मिसाइल वॉयजे-18 है, ये सुपरसोनिक टर्मिनल फेज के साथ 540 किमी तक की रेंज रखती है। चीन के पास मौजूद डॉन्ग फेन्ग 21डी (डीएफ-21डी) मिसाइल, दुनिया की पहली एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल है इसकी रेंज 1500-1800 किमी है और इसे कैरियर किलर के रूप में जाना जाता है।

कालिब्र क्रूज मिसाइल सतह और पनडुब्बी से लॉन्च होती है, इसकी रेंज 2000+ किमी है। यह एंटी-शिप और लैंड-अटैक दोनों के लिए उपयोगी है। रूस के पास जिरकोन नाम की हाइपरसोनिक एंटी शिप मिसाइल है, जिसकी रेंज 1000 किलोमीटर और गति मैक 8-9 है। इसके अलावा पी-800 ऑनिक्स सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल है, जिसकी रेंज 600 किमी तक है। ये बात इसलिए अहम है क्योंकि रूस और चीन की नज़दीकी पूरी दुनिया देख रही है, ऐसे में जापान की चिंता जाहिर है।

अमेरिका की हॉइपोन प्रमुख एंटीशिप मिसाइल है, जबकि लंबी रेंज एंटीशिप मिसाइल भी है, जो 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज की है। हमारे देश के पास भी ब्राहमोस मिसाइल है, जिसकी रेंज 800 से ज्यादा है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश के तीन पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के खिलाफ केस में देशद्रोह का आरोप जोड़ा गया

ढाका। बांग्लादेश के तीन पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों काजी रकीबुद्दीन अहमद, केएम नूरुल हुदा और काजी हबीबुल अवाल समेत 10 पूर्व चुनाव आयुक्त और 11 अन्य के खिलाफ दर्ज केस में देशद्रोह समेत तीन नए आरोप जोड़े गए हैं। इन पर 2014, 2018 और 2024 के राष्ट्रीय चुनाव के दौरान अनियमितता और पूर्वाग्रह में कथित संलिप्तता का आरोप लगाया गया है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद मिनहाजुर रहमान ने जांचकर्ताओं के आवेदन पर पूर्व में दर्ज केस में कल सुनवाई के दौरान नए आरोप जोड़ने की अनुमति प्रदान की। अब इन सभी को दंड संहिता की धारा 124ए (देशद्रोह), 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति हड़पने के लिए प्रेरित करना) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) जैसे संगीन आरोपों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस के अनुसार, 22 जून को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शेर-ए-बांग्ला नगर पुलिस स्टेशन में तीन मुख्य चुनाव आयुक्तों और पूर्व 10 चुनाव आयुक्तों तथा 11 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इस केस में नूरुल हुदा और हबीबुल अवल को ढाका में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस केस में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान का भी नाम भी शामिल है। अन्य आरोपितों में पूर्व पुलिस महानिरीक्षक हसन महमूद खांडकर, जावेद पटवारी और शाहिदुल हक, पूर्व डीएमपी आयुक्त बेनजीर अहमद, पूर्व विशेष शाखा प्रमुख मोनिरुल इस्लाम और राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया और बल खुफिया महानिदेशालय के पूर्व प्रमुख शामिल हैं।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत अवधि कोर्ट ने बढ़ाई

रावलपिंडी (पाकिस्तान)। आतंकवाद निरोधक अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ा दी। अदालत ने उन्हें यह राहत 26 नवंबर के विरोध प्रदर्शन से संबंधित मामलों में प्रदान की।

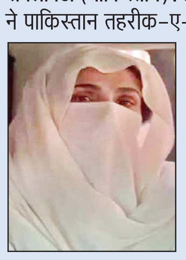

दुनिया न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, न्यायाधीश अमजद अली शाह ने पूर्व प्रथम महिला के खिलाफ 12 मामलों की सुनवाई की और उनकी उपस्थिति को अदालत के नोटिस के माध्यम से दर्ज किया। अदालत ने सुनवाई 10 जुलाई तक स्थगित करते हुए अगली तारीख पर सभी मामलों के लिए पुलिस से आरोप पत्र भी तलब किया है। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के वकीलों को अगली सुनवाई पर अपनी दलीलें पेश करने का निर्देश भी दिया है। इस बीच, आतंकवाद निरोधी अदालत ने जीएचक्यू हमले और 09 मई के मामलों की सुनवाई भी 03 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी है।

बांग्लादेश ने नेपाल के अपर कर्णाली हाइड्रोपावर से बिजली खरीद समझौते को किया खारिज

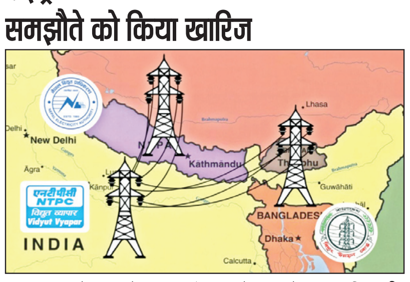

काठमांडू। नेपाल से भारत के रास्ते 40 मेगावाट बिजली आयात करने वाली बांग्लादेश सरकार ने भारतीय अपर कर्णाली हाइड्रोपावर से बिजली खरीद समझौते को खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के विद्युत विकास बोर्ड ने अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के साथ किए गए 500 मेगावाट विद्युत आपूर्ति समझौते के प्रारंभिक आशय पत्र को खारिज करने की जानकारी दी है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के समय 2010 में भारत के साथ अधिक से अधिक बिजली खरीद को लक्षित करते हुए लाई गई विशेष ऊर्जा कानून लाया गया था। सत्ता उलटफेर के बाद बनी युनुस सरकार ने इस ऊर्जा कानून को ही रद्द कर दिया है, जिसके अंतर्गत नेपाल के साथ किए गए अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से बिजली आपूर्ति समझौता भी खारिज हो गया है। बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष रिजाउल करीम के हवाले से डेली आब्जर्वर अखबार ने पुष्टि की है कि नेपाल के साथ हुए 500 मेगावाट पावर परचेज एग्रीमेंट को भी खत्म करने का निर्णय लिया गया है। इस अखबार का दावा है कि अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण भारतीय कंपनी जीएमआर, सतलुज जैसी कंपनियां कर रही थीं, इसलिए इस समझौते को खारिज किया गया है। जीएमआर की तरफ से एसएम बोर्ड ने बांग्लादेश के ऊर्जा सचिव को फरवरी 2025 में एक पत्र लिखते हुए औपचारिक रूप से बिजली आपूर्ति समझौता करने का आग्रह किया था। इस पत्र में 2029 से लेकर 25 वर्षों तक के लिए बिजली आपूर्ति समझौता करने की बात उल्लेख की गई थी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने विशेष न्यायाधिकरण को दी मंजूरी, रूसी नेताओं पर चल सकेगा मुकदमा

कीव, 26 जून (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के शीर्ष अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय कोर्ट को गठित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस नई अदालत में रूसी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा यूक्रेन पर हमले के आरोप में चलाया जाएगा। यूक्रेन और यूरोपीय परिषद के बीच समझौते के तहत विशेष न्यायाधिकरण का गठन किया जाएगा। नई अंतरराष्ट्रीय अदालत के गठन का उद्देश्य यूक्रेन के खिलाफ आक्रमण के लिए रूसी नेताओं और अधिकारियों को सजा देना है। यूक्रेन का आरोप है कि रूसी सेना ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमले के बाद से अनगिनत युद्ध अपराध किए हैं। अभी जो अंतरराष्ट्रीय अदालतें मौजूद हैं जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध

न्यायालय को रूसी नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने का अधिकार नहीं है। यूक्रेन लंबे समय से विशेष अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की मांग कर रहा था, ताकि रूसी अधिकारियों और नेताओं को युद्ध अपराध जैसे नागरिक ठिकानों पर हमले, आम नागरिकों की हत्या, दुष्कर्म, लोगों का अपहरण करके उन्हें प्रताड़ित करने आदि के लिए दंडित किया जा सके। हालांकि रूस इन आरोपों से इनकार करता है।

हालांकि नया अंतरराष्ट्रीय न्यायालय कहां बनेगा और कैसे काम करेगा, इस पर अभी भी फैसला किया जाना बाकी है। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय जैसा ही नए कोर्ट का भी कानूनी ढांचा हो सकता है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष नेताओं को अक्सर मुकदमे से सुरक्षा मिलती है। इस नई अंतरराष्ट्रीय अदालत को नीदरलैंड्स, जापान, कनाडा जैसे देशों से फंडिंग मिलेगी। अमेरिका ने जो बाइडन के नेतृत्व में इसे समर्थन दिया था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से इस प्रोजेक्ट का समर्थन नहीं किया जा रहा है।

भारत से बात करा दो...किस देश के सामने जाकर गिड़गिड़ाए शहबाज शरीफ

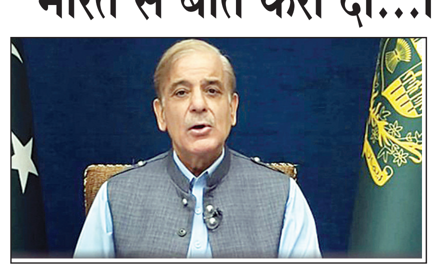

पाकिस्तान, 26 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जोर देकर कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उद्धृत करते हुए: आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता जारी रखने की इच्छा जताई है। इसके बाद भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने और पाकिस्तान के साथ व्यापार रोकने सहित दंडात्मक कार्रवाई शुरू की। शरीफ ने सऊदी नेता से चर्चा के दौरान कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है। हालांकि, भारत ने इस मुद्दे पर अपना दृढ़ रुख बनाए रखा है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की वापसी और आतंकवाद को खत्म करने के प्रयासों तक सीमित रहेगी।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जोर देकर कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उद्धृत करते हुए: आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

ट्रंप का न्यूयॉर्क सिटी के भावी मेयर ममदानी पर तीखा तंज

वाशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बनने के करीब पहुंच चुके भारत की मशहूर फिल्मकार मीरा नायर के बेटे जोहरान ममदानी कई लोगों के निशाने पर आ गए हैं। उन पर निशाना साधने वालों में लोगों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो गए हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने एम्स्टर्डम से वाशिंगटन की अपनी उड़ान के कुछ घंटों बाद अपने सोशल ट्रुथ पर लिखा, हमारे पास पहले भी कट्टरपंथी वामपंथी थे, लेकिन यह थोड़ा हास्यास्पद हो रहा है। ममदानी भयानक दिखते हैं। उल्लेखनीय है कि ममदानी इस समय न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली सदस्य हैं।

यही नहीं कल रात वोटों की गिनती के समय न्यूयॉर्क रिपब्लिकन की प्रतिनिधि एलिस स्टेफनिक ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में ममदानी की लगभग आधिकारिक जीत के लिए संभावित राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को दोषी ठहराने की कोशिश की। स्टीफनिक ने न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, कोई गलती न करे, यह कैथी होचुल और एनवाई डेमोक्रेट पार्टी की अयोग्य कमजोरी और सरासर अक्षमता के कारण हुआ है। यहां यह खास है कि स्टीफनिक अगले साल गवर्नर पद का चुनाव लड़ सकती हैं। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र राजदूत के रूप में उनके नामांकन को वापस ले चुके हैं।

33 वर्षीय लोकतांत्रिक समाजवादी ममदानी शहर के रैंक-चॉइस वोटिंग के पहले दौर में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो पर अच्छी बढ़त हासिल की है। रिपब्लिकन ने ममदानी की उम्र, इजराइल की उनकी आलोचना और फिलिस्तीनियों के साथ उनके व्यवहार और उनकी प्रगतिशील राजनीति पर तंज कसा है। कुछ दक्षिणपंथी लोगों ने सीधे तौर पर उनके मुस्लिम धर्म की निंदा की है।

हडसन वैली के उदारवादी रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइक लॉलर ने कहा कि न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट इस पागलपन की कीमत चुकाएंगे। लॉन्ग आइलैंड के एक हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वालीं कांग्रेस सदस्य गिलन ने उन्हें बहुत ज्यादा चरमपंथी कहा और कहा कि उनका पूरा अभियान अपूरणीय वादों और उच्च करों पर आधारित है, जो न्यूयॉर्क को बिल्कुल भी नहीं चाहिए।

उल्लेखनीय है कि भारतीय मूल के 33 वर्षीय जोहरान ममदानी इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी और पहले मुस्लिम होंगे। उनकी मां मीरा नायर के खाते में सलाम बॉम्बे, नेमसेक और मॉनसून वेडिंग जैसी मशहूर फिल्में हैं। जोहरान ने चुनाव प्रचार में मुफ्त बस सेवा, मुफ्त चाइल्ड केयर, अधिक किफायती मकान, न्यूनतम वेतन में इजाफा और अमीरों पर अतिरिक्त टैक्स जैसे मुद्दों को उठाया है। युगांडा में जन्मे मीरा नायर के बेटे जोहरान के पिता महमूद ममदानी मशहूर शिक्षाविद हैं। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन का अनुमान है कि ममदानी का शुरुआती समर्थन 50 फीसद से कम रहेगा। इसका आशय यह हुआ कि इस दौड़ में औपचारिक रूप से रैंक-चॉइस वोट निर्णायक होंगे। इसकी घोषणा 01 जुलाई से की जाएगी।

चीन में बाढ़ का कहर

चीन में बाढ़ का पानी घटने के बाद सड़क पर फैला हुआ मलबा।

मैक्सिको में सड़क पर जश्न मना रहे थे लोग, अज्ञात हमलावरों ने बरसाई गोलियां, 12 की मौत, 20 घायल

मैक्सिको सिटी, 26 जून (एजेंसियां)। मैक्सिको के ईरापुआतो शहर में सेंट जॉन द बैपटिस्ट के पर्व पर जश्न मना रहे लोगों पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। इस हमले में 12 लोगों की मौत् हो गई और 20 से ज्यादा घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक त्योहार पर नाच-गाना और जश्न का माहौल था, लेकिन अगले ही पल गोलियों की बौछार और चीख-पुकार से पूरे इलाके में चीख पुकार मच गई। घटना के वक्त लोग सड़कों पर खुले आसमान के नीचे नाच रहे थे, गा रहे थे और सेंट जॉन के सम्मान में परंपरा निभा रहे थे। तभी कुछ हथियारबंद हमलावर वहां पहुंचे और भीड़ पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने शुरु कर दी।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में ईरापुआतो के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की संख्या बुधवार तक 12 हो चुकी थी और 20 अन्य लोग घायल हैं। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाउम ने इस घटना पर दुख जताते हुए इसे 'मानवता के खिलाफ हमला' बताया और कहा कि इसकी गहन जांच की जा रही है। गुआनाहुआटो, जो मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित है, लंबे समय से अपराधियों के लिए युद्ध का मैदान बना हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है यहां संगठित अपराध गिरोह एक-दूसरे से इलाके और ड्रग व्यापार पर कब्जे करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस साल के पहले पांच महीनों में यहां 1,435 हत्याएं हो चुकी हैं, जो देश के किसी भी अन्य राज्य से दोगुनी हैं। यह पहली बार नहीं है जब धार्मिक कार्यक्रमों पर इस तरह के हमले हुए हैं। एक महीने पहले भी इसी गुआनाहुआटो के सैन बार्तोलो दे बेरियोज शहर में चर्च की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में फायरिंग की गई थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस हाल ही में हुए हमले की जांच कर रही है और हमलावरों को पकड़ने शहर की नाकेबंदी कर दी है।

अब ट्रंप ने ईरान को बहादुर बताया व नुकसान से उबारने का प्लान समझाया

वाशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान कहा है कि ईरान ने इजरायल के साथ जंग में बहादुरी दिखाई। वे ऑयल का कारोबार करते हैं और मैं चाहूं तो इसे रोक सकता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। क्योंकि अब ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए ऑयल बेचने की जरूरत है। अगर चीन, ईरान से ऑयल खरीदना चाहते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले हफ्ते बातचीत होगी। इससे पहले नाटो समिट के लिए जाते वक्त भी ट्रम्प ने कहा था कि चीन अब ईरान से ऑयल खरीद सकता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चीन अमेरिका से भी ऑयल खरीदेगा। हालांकि व्हाइट हाउस अधिकारी ने साफ किया था कि यह ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत का ऐलान नहीं था। ज्ञात हो कि ईरान-इजराइल में 12 दिन चली जंग के बाद ट्रम्प ने मंगलवार को सीजफायर का ऐलान किया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इजराइल की न्यायपालिका से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार मुकदमे को तुरंत रद्द करने की मांग की है। उन्होंने इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि इजराइल अपने प्रधानमंत्री के खिलाफ बेतुका मुकदमा चला रहा है।

खुफिया जानकारी लीक करने वाले की तलाश

उधर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने पुष्टि की है कि ईरान की परमाणु साइट्स पर किए गए अमेरिकी हमलों से ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उसे इन साइट्स को दोबारा तैयार करने में कई साल लग सकते हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार, ईरान पर हमले से जुड़ी सीक्रेट जांच रिपोर्ट को लीक करने वाले शख्स का पता लगा रही है।

डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते करेंगे ईरान से बातचीत

हेग (नीदरलैंड)। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले हफ्ते ईरान से बातचीत करेंगे। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत का प्रारूप क्या होगा। उन्होंने कहा कि ईरान-इजराइल में युद्ध विराम के बाद स्थितियां अनुकूल बन रही हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, ट्रंप ने कल हेग में नाटो शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा को त्यागने को तैयार है। इसलिए अब बातचीत करने में कोई हर्जा नहीं है। और यह भी ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम दूसरे दिन में प्रवेश कर गया है। अब दोनों देशों से बुरी खबरें नहीं आ रहीं। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका ने ईरान के परमाणु सुविधा केंद्रों पर आक्रमण नहीं कियो होता तो शायद वह समझौते के लिए तैयार नहीं होता। इस दौरान ट्रंप ने मंगलवार को जारी एक प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के निष्कर्षों के खिलाफ भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसमें कहा गया था कि ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के हमलों ने देश की महत्वाकांक्षाओं को केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है। ट्रंप ने दोहराया कि हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तहस-नहस कर दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज एमएसएमई दिवस के कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार, 27 जून को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'एमएसएमई दिवस 2025, उद्यमी भारत कार्यक्रम' की अध्यक्षता करेंगी। वह देश के सभी भागों से एकत्रित एमएसएमई को संबोधित करेंगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि इस मौके पर सीजीटीएमएसई की ओर से एमएसएमई को दी गई 25 वर्ष की सेवा पूरी होने पर स्मारक डाक टिकट जारी किया जाएगा। इसके साथ ही विलंबित भुगतानों से संबंधित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की शिकायतों के ऑनलाइन समाधान के लिए पोर्टल का शुभारंभ होगा। इस कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी, एमएसएमई राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार के साथ-साथ मंत्रालय और उसके संगठनों के अधिकारी भी शामिल होंगे। एमएसएमई दिवस 2025 देश के आर्थिक विकास में एमएसएमई क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करने का अवसर प्रदान करता है। यह अधिक लचीले, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार एमएसएमई क्षेत्र के लिए विभिन्न पहलों को लेकर लॉन्च पैड के रूप में भी काम करता है।

न्यूज ब्रीफ

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहीः आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के मुताबिक मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 में प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि हुई। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। घरेलू मोर्चे पर मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी। मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। पीएमआई के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था। मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं। आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती दिखाई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

एक्मे सोलर को मिली आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की बीईएसएस परियोजनाएं

नई दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग्स को आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की संचयी क्षमता वाली एकल बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी के अनुसार एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड आंध्र प्रदेश में कुप्पम और घनी में दो परियोजनाओं में 275/550 मेगावाट घंटा की संचयी क्षमता वाली बीईएसएस परियोजनाओं के लिए एनएचपीसी की निविदा में विजेता बोलीदाता के रूप में सामने आई है। बयान में कहा गया कि कुप्पम परियोजना के लिए उसने 50/100 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,10,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर और घनी परियोजना के लिए 225/450 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,22,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर बोली हासिल की।

नेस्ले इंडिया अपने शेयर धारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया के निदेशक

मंडल ने अपने मौजूदा शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव गुरुचसा कसे मंजूर कर लिया है। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक रुपये अंकित मूल्य का बोनस शेयर कंपनी के सदस्यों द्वारा धारित एक रुपये अंकित मूल्य के शेयर को पूर्ण रूप से जारी किया जाएगा। बोनस शेयर प्राप्त करने के लिए कंपनी के सदस्यों के अधिकार का निर्धारण करने की रिकॉर्ड तिथि की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। नेस्ले ने 19 जून को घोषणा की थी कि कंपनी का निदेशक मंडल बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। कंपनी के निवर्तमान चेयरमैन ने कहा कि नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है जो 24 जुलाई को नेस्ले इंडिया द्वारा आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में अंतिम मंजूरी के अधीन है।

एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)।

एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं के लिए पूर्ण प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल बालिका शिक्षा योजना के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

एनएमडीसी ने इसके लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ एक साझेदारी की है, जो एक परिवर्तनकारी चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का शुभारंभ है, जिसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसर प्रदान करने के बीच की खाई को पाटना है।

इस प्रमुख पहल के तहत एनएमडीसी बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोंडागांव, बीजापुर और नारायणपुर की युवा आदिवासी लड़कियों को हैदराबाद में अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, यशोदा स्कूल ऑफ नर्सिंग और केआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में बीएससी (नर्सिंग 4 वर्ष) और जीएनएम (3 वर्ष) पाठ्यक्रम करने के लिए 100 फीसदी मुफ्त नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में कुल 200 सीटें हैं, जिनमें बीएससी नर्सिंग के लिए 110 सीटें और जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) पाठ्यक्रम के लिए 90 सीटें शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रति छात्र 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ ट्यूशन, छात्रावास और शैक्षणिक लागत सहित सभी शैक्षिक खर्च शामिल होंगे। आवेदक की पारिवारिक आय प्रति वर्ष 72,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन विंडो 28 जून 2025 को बंद हो जाएगी। इसका उद्देश्य आदिवासी युवाओं के लिए अवसरों की कमी को पूरा करना है।

वंचित बालक और बालिकाओं के लिए चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम:- एनएमडीसी दंतेवाड़ा और बस्तर जिलों के पात्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों के लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ साझेदारी में पूर्णतः प्रायोजित संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल शिक्षा प्रदान कर रहा है।

इसमें प्रति छात्र लगभग 12 से 15 लाख रुपये के निवेश के साथ पूरी तरह से प्रायोजित इस पहल का उद्देश्य आदिवासी युवाओं को आजीविका के लिए पेशेवर कौशल से युक्त करना है। यह कार्यक्रम आकांक्षा छात्रों के लिए 90 सीटें प्रदान करेगा (60 फीसदी बालिकाओं के लिए और 40 फीसदी बालकों के लिए आरक्षित)।

इन विशेष बीएससी कार्यक्रमों में शामिल हैं, आपातकालीन चिकित्सा प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, एनेस्थिसियोलॉजी और ऑपरेशन थियेटर तकनीशियन, इमेजिंग प्रौद्योगिकी, चिकित्सक सहायक और रीनल डायलिसिस प्रौद्योगिकी। इसके लिए आवेदन 30 जून 2025 तक खुले हैं। एनएमडीसी ने 60 से अधिक वर्षों से छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति दी है, जहां इसके दो प्रमुख खनन परिसर संचालित होते हैं। पात्रता मानदंड और आवेदन पत्र एनएमडीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर पर पहुंचेगा

बेंगलूरू, 26 जून (एजेंसियां)।

भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो देश में एक ट्रिलियन डॉलर के डिजिटल अवसर में अहम योगदान देगा। यह जानकारी ताजा रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में कहा कि आबादी के एक महत्वपूर्ण और बढ़ते हिस्से के लिए भारतीय खुदरा परिदृश्य के भीतर एक प्रमुख शक्ति के रूप में खुद को मजबूती से स्थापित कर चुका है। भारत 1 ट्रिलियन डॉलर का डिजिटल अवसर प्रस्तुत करता है। पिछले दशक में कई उपभोक्ता बाजारों, प्लेटफॉर्म और न्यू-एज ब्रांडों का उदय उभरते भारत की बढ़ती आकांक्षाओं का प्रमाण है।

इंटरनेट की पहुंच, जनसांख्यिकी में बदलाव और नीतिगत बदलावों का एक साथ आना उन रुझानों में से हैं, जिन्होंने नए युग की उपभोक्ता कंपनियों को आगे बढ़ाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर यह कॉमर्स मार्केटप्लेस, कंटेंट प्लेटफॉर्म और बदलती उपभोक्ता आकांक्षाओं का विकास है, जो नई कंपनियों को भारतीय संदर्भ में जीतने में मदद करता है। भारत के उभरते ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर ने हाल के वर्षों में असाधारण विस्तार देखा है। इसके अलावा, क्विक कॉमर्स के हालिया उदय ने ऑनलाइन रिटेल इकोसिस्टम में एक नया आयाम पेश किया है, जिससे उपभोक्ताओं के सामान तक पहुंचने के तरीके में और क्रांति आई है।

बिगबास्केट, ब्लिंकिट, स्विगी और जेप्टो जैसे प्लेटफ़ॉर्म ने इस मूवमेंट की अगुआई की है, जो रैपिड डिलीवरी सेवाओं की व्यवहार्यता और उपभोक्ता अपील को प्रदर्शित करते हैं। इस सेगमेंट में वर्टिकलाइज्ड क्यू-कॉमर्स के उभरने का रुझान देखा जा रहा है, जिसमें स्नैबिट, स्विश और स्लिक जैसे स्टार्टअप खास जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। डीटूसी ब्रांड तेजी से महत्वाकांक्षी मास-प्रीमियम ऑडियंस की सेवा कर रहे हैं, एक ऐसा वर्ग जो नए, बेहतर कीमत वाले उत्पादों की मांग करता है।

सिग्नेचर ग्लोबल एनसीडी के जरिये 875 करोड़ जुटाएगा

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने कहा कि अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए निजी निर्गम के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र के जरिये 875 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी है। सिग्नेचर ग्लोबल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने एक या एक से अधिक किश्तों में निजी निर्गम के आधार पर 875 करोड़ रुपये से अधिक राशि के लिए सुरक्षित सूचीबद्ध गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी करके धन जुटाने को मंजूरी दे दी है। इन एनसीडी को निश्चित अवधि के बाद या एक विशिष्ट तिथि पर जारीकर्ता कंपनी द्वारा निवेशकों को उनकी मूल राशि वापस करके भुनाए जा सकता है। निदेशक मंडल ने एनसीडी जारी करने, उधार सीमा में वृद्धि, प्रतिभूति सृजन की सीमा में वृद्धि तथा कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में परिवर्तन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी हासिल करने के लिए डाक मतपत्र के जरिये नोटिस भेजने को भी मंजूरी दी। गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

डीपीआईआईटी ने पांच राज्यों में 11 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों की समीक्षा की

झारखंड, सिक्किम नागालैंड, असम और अरुणाचल प्रदेश में मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर अभियान की समीक्षा

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पांच राज्यों झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम और नगालैंड में 11 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले 18 मुद्दों की समीक्षा की है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में 24 जून को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना प्रस्तावकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस समीक्षा बैठक में झारखंड राज्य में 11 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के 18 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें सभी परियोजनाओं की कुल लागत 34,213 करोड़ रुपये से अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक बैठक में सिक्किम राज्य में 02 परियोजनाओं के 02 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 943.04 करोड़ रुपये की लागत है। नागालैंड राज्य में 02 परियोजनाओं के 03 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 544.65 करोड़ रुपये की लागत है। वहीं, असम राज्य में 01 मुद्दे और 01 परियोजना की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 6,700 करोड़ रुपये की लागत है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश राज्य में 01 निजी परियोजना सहित 03 परियोजनाओं के 07 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिसमें कुल 33,469 करोड़ रुपये की लागत है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक झारखंड राज्य से संबंधित पतरातू थर्मल पावर स्टेशन विस्तार परियोजना के पहले चरण की व्यापक समीक्षा की गई। इसमें कहा गया कि अरुणाचल प्रदेश में जियोएनप्रो पेट्रोलियम लिमिटेड की 1,000 करोड़ रुपये की लागत वाली निजी क्षेत्र की परियोजना से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई।

ग्लोबल मार्केट से लगातार तीसरे दिन पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से लगातार तीसरे दिन मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ करते रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मुनाफा वसूली के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.02 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 6,092.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,973.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत उछल कर 43,052.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,718.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,558.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 143.25 अंक यानी 0.61 प्रतिशत टूट कर 23,498.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 1.79 प्रतिशत लुढ़क कर 3,053.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 105.60 अंक यानी 0.43 प्रतिशत टूट कर 24,369.07 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,305.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,519.20 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 511.42 अंक यानी 1.31 प्रतिशत उछल कर 39,453.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,116.19 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,857.31 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,459.66 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 3,926.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कोरबा की आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 की शानदार शुरुआत की

कोरबा, 26 जून (एजेंसियां)। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 में अपने अभियान की जबरदस्त शुरुआत करते हुए चीनी ताइपे की टिंग यू लियांग को सीधे सेटों में हराकर महिला एकल के राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। यह प्रतिष्ठितएचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में आकाशी के लिए एक आशाजनक शुरुआत है।

मैच की पहली सर्विस से ही आकाशी ने तेज़ी, चतुराई और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उनकी बेहतरीन कोर्ट कवरेज, सटीक ड्रॉप शॉट्स और रणनीतिक खेल ने प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। यह सीधी सेटों में जीत उनके कठिन परिश्रम, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और परिपक्वता का परिचायक है।

मैच के बाद आकाशी ने विनम्रता के साथ कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मैंने योनक्स यूएस ओपन के पहले दौर में टिंग यू लियांग के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की है। शुरुआत मजबूत होना बेहद सुकूनदेह है। मैं ईश्वर, अपने कोचेस, शुभचिंतकों और खासकर एनटीपीसी कोरबा सीएसआर का धन्यवाद करती हूं, जिनके निरंतर सहयोग ने मेरी इस यात्रा को संभव बनाया है।

आकाशी कश्यप को एनटीपीसी कोरबा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कार्यक्रम का समर्थन प्राप्त है। इस पहल ने उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का अवसर प्रदान किया है। उनकी यह जीत न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ और संवेदनशील छ्स्क्र समर्थन भारत के उभरते खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर सफलता दिलाने में कितनी अहम भूमिका निभा सकता है।

अब अगली चुनौती है राउंड ऑफ 16, जिसमें आकाशी का सामना मलेशिया की के. लेतशाना से होगा — यह मुकाबला दो युवा, फुर्तीले और होनहार खिलाड़ियों के बीच एक रोमांचक भिड़ंत साबित होने की उम्मीद है।

जैसे-जैसे योनक्स यूएस ओपन 2025 आगे बढ़ रहा है, भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसक आकाशी को पूरे उत्साह से समर्थन दे रहे हैं। वह भारतीय खेलों में प्रतिभा, समर्पण और सहयोग की शक्ति का प्रतीक बनकर उभरी हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मुस्लिम महिलाओं को ...

तलाक प्रमाण-पत्र सौंप दिया। परिषद निकाह के बाद छिड़े गृह कलह के समाधान कराने का काम करता है। लेकिन व्यक्ति ने इस प्रमाण-पत्र के विरोध में तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। अब तेलंगाना हाईकोर्ट ने मुस्लिम व्यक्ति को फटकार लगाई है और मुस्लिम महिला के पक्ष में फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में कुरान की आयतों में खुला का अध्ययन किया। साथ ही इस मामले में इतिहास की परतें भी खोली। जिसमें कहा गया, कुरान के अध्याय-2 की आयत 228 और 229 में बीवी को अपने शौहर के साथ निकाह को रद्द करने का पूर्ण अधिकार दिया गया है। खुला की वैधता के लिए शौहर की सहमति कोई पूर्व शर्त नहीं है। साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अगर शौहर अपनी बीवी की खुला की मांग को स्वीकार नहीं करता है, तो इस्लाम में इस मामले पर कोई भी प्रक्रिया नहीं है। चाहे वह कुरान, सुन्नत या पैगंबर हो। खुला के तहत अगर बीवी अपने शौहर से अलग होती है तो उसे अपने शौहर से उसकी जायदाद लौटानी पड़ेगी। पर यह जरूरी है कि दोनों इसके लिए रजामंद हों। उल्लेखनीय है कि खुला की पहल केवल बीवी ही कर सकती है। कुरान और हदीस में इसका जिक्र है। वहीं, भारत में मुस्लिमों के बीच मान्य पुस्तक फतवा-ए-आलमगीरी में कहा गया है कि जब निकाह के बाद शौहर-बीवी इस बात पर राजी हैं कि अब वे साथ नहीं रह सकते तो बीवी कुछ सम्पत्ति शौहर को वापस करके स्वयं को उसके बंधन से मुक्त कर सकती है। जायदाद में बीवी अपनी मेहर की रकम छोड़ सकती है या फिर कोई अन्य रकम/सम्पत्ति दे सकती है। खुला को लेकर हनफी सहित कुछ तबके के उलेमाओं का कहना है कि इसके तहत मुस्लिम महिला तभी तलाक ले सकती है, जब उसका शौहर तैयार हो। अगर शौहर मना कर दे तो महिला के पास मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम 1939 के प्रावधानों के तहत अदालत जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने साल 2021 में खुला के संबंध में कहा था कि इस प्रक्रिया में पति की स्वीकृति एक शर्त है। वहीं, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि कुरान एक मुस्लिम बीवी को एक प्रक्रिया निर्धारित किए बिना उसकी निकाह को रद्द करने के लिए खुला का अधिकार देता है। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में मुस्लिम महिलाओं के खुला को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं खुला के तहत अपने शौहर से तलाक लेने की अधिकारी हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने इसके लिए कुछ प्रावधान बताए हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि खुला के तहत तलाक लेने के लिए मुस्लिम महिलाओं को फैमिली कोर्ट जाना होगा। किसी निजी शरीयत परिषद को इस संबंध में प्रमाण पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे प्रमाण-पत्र की कोई मान्यता नहीं है।तेलंगाना हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मौसमी भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति बीआर मधुसूदन राव की पीठ ने एक व्यक्ति की याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें याचिकाकर्ता ने पारिवारिक अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे जारी खुला नामा (तलाक प्रमाण पत्र) को अमान्य घोषित करने की उसकी मांग को खारिज कर दिया गया था। यह मामला अक्टूबर 2020 में एक मुफ्ती, इस्लामिक अध्ययन के एक प्रोफेसर, अरबी के एक प्रोफेसर और एक मस्जिद के इमाम द्वारा जारी किए गए खुला नामा से संबंधित है। दंपति की शादी 2012 में हुई थी। पांच साल बाद 2017 में पति द्वारा मारपीट किए जाने के बाद पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जिसके बाद पत्नी ने खुला तलाक की मांग की। वहीं पति ने सुलह बैठकों में शामिल होने से इन्कार कर दिया और उसके बाद 2020 में एक पारिवारिक अदालत का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट में खुला नामा जारी करने में मुफ्ती के अधिकार पर सवाल उठाया गया। अंततः पारिवारिक न्यायालय ने फरवरी 2024 में याचिका खारिज कर दी।कुरान की आयतों, हदीस साहित्य और पिछले न्यायिक उदाहरणों से विस्तृत जानकारी लेते हुए, हाईकोर्ट ने खुला से संबंधित अधिकारों और प्रक्रियाओं को स्पष्ट किया। खुला तलाक के मामले में अपनाए गए दृष्टिकोणों पर विभिन्न न्यायालय के निर्णयों का हवाला देते हुए, पीठ ने अपने आदेश में कहा कि खुला मुस्लिम पत्नी द्वारा शुरू की गई तलाक की मांग। खुला की मांग करने पर, पति के पास मेहर या उसके हिस्से की वापसी के लिए बातचीत करने के अलावा मांग को अस्वीकार करने का विकल्प नहीं होता है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि खुला, तलाक का एक बिना टकराव वाला रूप है और यह एक ऐसा मामला है, जिसे दोनों पक्षों द्वारा शादी को बनाए रखने के प्रयास करने के बाद निजी तौर पर सुलझाया जाता है। खुला नामा के लिए मुफ्ती से संपर्क करना अनिवार्य नहीं है और यह खुला को पूरा नहीं करता है क्योंकि मुफ्ती द्वारा दी सलाह या फैसला हाईकोर्ट में कानूनी रूप से लागू नहीं होता है। पत्नी द्वारा खुला मांगे जाने के परिणामस्वरूप पति शादी की स्थिति पर निर्णय के लिए न्यायालय/काजी से संपर्क करके अपना फैसला बताना आवश्यक है। जिससे कि शादी की स्थिति पर बाध्यकारी निर्णय बन जाता है। न्यायालय द्वारा सुनाया गया निर्णय दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होता है।पत्नी का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता मुबाशेर हुसैन अंसारी ने कहा कि फैसले का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह है कि चूंकि खुला तलाक के लिए पति की सहमति का तत्व अनावश्यक है, इसलिए पारिवारिक न्यायालयों को पूर्ण रूप से सुनवाई करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अंसारी ने कहा, जब पत्नी खुला की मांग करती है, तो अदालत का बस खुला सुनाना होता है। पत्नी को यह साबित करने या दलील देने की जरूरत नहीं है कि वह तलाक क्यों चाहती है। इससे पहले, खुला मामलों में अदालत को फैसला सुनाने में छह से आठ साल लग जाते थे और तेलंगाना में अदालत के सामने ऐसे हजारों मामले हैं। जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य और जस्टिस बीआर मधुसूदन राव की बेंच ने कहा कि मुस्लिम बीवी का खुला मांगने का अधिकार सही है। इसके लिए पति की स्वीकृति या कारण बताने की जरूरत नहीं है। इसलिए हाईकोर्ट की भूमिका केवल निकाह को खत्म कराने के लिए मुहर लगाने तक ही सीमित है।

साझा घोषणापत्र...

सहयोग के लिए तंत्र बनाकर देशों के बीच संघर्ष को रोकने के लिए सहयोग बनाने में मदद कर सकता है। कोई भी देश, चाहे वह कितना भी बड़ा और शक्तिशाली क्यों न हो, अकेले काम नहीं कर सकता। वास्तव में, वैश्विक व्यवस्था या बहुपक्षवाद का मूल विचार यह धारणा है कि राष्ट्रों को अपने पारस्परिक और सामूहिक लाभ के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा। यह हमारी सदियों पुरानी संस्कृत कहावत सर्वे जन सुखिनो भवन्तु को भी दर्शाता है, जिसका अर्थ है सभी के लिए शांति और समृद्धि।राजनाथ सिंह ने कहा, कोविड-19 महामारी ने इस तथ्य को उजागर कर दिया है कि महामारी कोई सीमा नहीं मानती और जब तक सभी सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक कोई भी सुरक्षित नहीं है। यह इस बात का चेतावनी संकेत है कि महामारी, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और जल सुरक्षा जैसी गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां हमारे लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं। इन उभरती चुनौतियों का समाधान जिम्मेदार नीतियों और राष्ट्रों के बीच सहयोग के बिना नहीं किया जा सकता।

उल्लेखनीय है कि चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) रक्षा मंत्रियों की बैठक चल रही है। चीन इसका मेजबान है। उसने अपने पालतू पाकिस्तान से मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रची और उसमें एक ऐसा दस्तावेज जोड़ा गया, जो कि भारत के आतंकवाद के खिलाफ रुख को कमजोर करता था। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर हस्ताक्षर करने से इन्कार करते हुए आतंक के खिलाफ देश की प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को शांति और समृद्धि का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। उन्होंने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ देश आतंकवाद को अपनी नीति के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मापदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एससीओ सदस्य देशों से अपील की कि वे आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर दोषियों, उनके वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराएं। भारत की इस नीति ने वैश्विक मंच पर उसकी आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।एससीओ की अध्यक्षता कर रहे चीन और उसके करीबी सहयोगी पाकिस्तान ने संयुक्त बयान में आतंकवाद पर सख्त भाषा को हल्का करने की कोशिश की। बयान में पहलगाम हमले को शामिल न करने और बलूचिस्तान का जिक्र करने को भारत ने पक्षपातपूर्ण माना। इस कारण भारत ने विरोध के बाद एससीओ ने कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया, जो इस मंच के लिए असामान्य है। यह कदम चीन की अध्यक्षता में उसकी तटस्थता पर भी सवाल उठाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इशारों में चीन को भी लपेटे में लिया। साथ ही पहलगाम हमले को लेकर उन्होंने कहा कि उस आतंकी हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने ली है, जो कि पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा का अंग है। इसके साथ ही उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने केवल अपने रक्षा के अधिकार का प्रयोग किया है।चीन में हुई एस-सीओ बैठक में भारत ने आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए साझा बयान पर दस्तखत करने से इनकार कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा कि आतंकवाद और शांति साथ-साथ नहीं रह सकते। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र न होने पर आपत्ति जताई। चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के मुद्दे पर अपना सख्त रुख साफ कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साझा बयान पर साइन करने से इनकार कर दिया क्योंकि इसमें हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र तक नहीं था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। नतीजतन, एससीओ सम्मेलन के बाद कोई संयुक्त बयान जारी नहीं किया गया।चीन और पाकिस्तान ने मिलकर एससीओ के दस्तावेज में आतंकवाद पर फोकस कम करने की कोशिश की। लेकिन भारत ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अपने पक्ष से कोई समझौता नहीं किया। खासतौर पर कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले को लेकर भारत ने यह साफ कर दिया कि आतंकवाद पर कोई नरमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना उस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ देश अपनी नीतियों में सीमा पार आतंकवाद को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि ऐसे दोहरे मापदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत शांति का समर्थक है, लेकिन आतंकवाद और शांति साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने अन्य सदस्य देशों से भी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। गौरतलब है कि एससीओ में भारत, चीन, पाकिस्तान, रूस समेत कुल दस सदस्य देश शामिल हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर दिखा दिया कि भारत आतंकवाद पर किसी भी दबाव या समझौते के लिए तैयार नहीं है। एससीओ सम्मेलन भले ही बिना साझा बयान के समाप्त हुआ हो, लेकिन भारत का कड़ा संदेश पूरी दुनिया के सामने आ चुका है।पाकिस्तान का नाम लिए बिना रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमापार आतंकवाद के बारे में भारत की चिंताओं को उजागर किया। भारत ने एससीओ सदस्य देशों से सैद्धांतिक रुख अपनाने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में अपने संबोधन के दौरान शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी को सबसे बड़ी चुनौतियों के रूप में बताया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना राजनाथ ने सीमा पार आतंकवाद के बारे में भारत की चिंताओं को उजागर किया और एससीओ सदस्य देशों से सैद्धांतिक रुख अपनाने का आग्रह किया।राजनाथ सिंह ने कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। राजनाथ की यह टिप्पणी 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के कुछ सप्ताह बाद आई। हमले में एक नेपाली नागरिक और 26 लोगों की जान चली गई थी। हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। यह संयुक्त राष्ट्र की ओर से नामित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक छद्म समूह है।मई 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवां घाटी में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध के बाद संबंधों में गंभीर तनाव आने के बाद किसी वरिष्ठ भारतीय मंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो दिवसीय सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ जंग में व्यापक सहयोग की वकालत की। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले के लगभग डेढ़ महीने बाद हो रहे इस सम्मेलन में रक्षा मंत्री ने आतंकवाद से निपटने के लिए अधिक क्षेत्रीय सहयोग का आह्वान किया। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध के बाद संबंधों में गंभीर तनाव पैदा होने के बाद से यह किसी वरिष्ठ भारतीय मंत्री की चीन की पहली यात्रा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी एससीओ के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन में हैं। चीन एससीओ के वर्तमान अध्यक्ष के नाते सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें सीमा पार से हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए ड्रोन सहित आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक का मुकाबला करने की कोशिश करनी चाहिए। हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया में पारंपरिक सीमाएं अब खतरों के खिलाफ एकमात्र बाधा नहीं हैं। इसके बजाय हम चुनौतियों के एक जटिल जाल का सामना कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक फैले हुए हैं। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के अपने संकल्प पर कायम है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिए भारत की शून्य सहिष्णुता आज उसके काम से प्रकट होती है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। हमें अपने युवाओं में कट्टरपंथ के प्रसार को रोकने के लिए भी सक्रिय कदम उठाने चाहिए। एससीओ के आरएटीएस तंत्र ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथ का मुकाबला करने पर एससीओ राष्ट्राध्यक्षों की परिषद का संयुक्त वक्तव्य भारत की अध्यक्षता हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

असम से फरार...

बता दें कि यह कानून जिला अधिकारी को आदेश देता है कि वे अवैध विदेशियों को अवैध घोषित करें और उनको देश से बाहर निकालें। लेकिन यह सारी प्रक्रियाएं इस फरारी के कारण अचानक स्थगित हो गईं। राज्य सरकार की तरफ से इस दिशा में गंभीर और निर्णायक कदम उठाए गए हैं। राज्यभर में जिला प्रशासन, पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से एक समन्वित अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से धुबरी, गोलपाड़ा, करीमगंज, बरपेटा, मोरीगांव, बोंगाईगांव, और नगांव जिलों में निगरानी बढ़ा दी गई है। इस बीच, सिलचर के पास मेघालय सीमा क्षेत्र में 35 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया था। सभी को पूछताछ के बाद तत्काल बांग्लादेश भेज दिया गया। हाल ही में मटिया के विदेशी हिरासत शिविर में बंद 102 रोहिंग्याओं को भी बांग्लादेश निर्वासित किया गया। इसे अब तक की सबसे बड़ी निर्वासन कार्रवाई माना जा रहा है।अवैध अप्रवासियों को दो श्रेणियों में बांटा गया है। पहली, वे जो हाल ही में भारत में घुसे हैं। दूसरी, वे जिन्हें न्यायाधिकरण ने पहले ही विदेशी घोषित कर दिया है। मुख्यमंत्री का कहना है, उन विदेशी घोषित लोगों ने यदि न्यायिक अपील नहीं की है तो उन्हें तुरंत देश से बाहर किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी फरवरी 2024 में इसी आशय का आदेश दिया है। गत 30 मई को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार से दो भाइयों, अबू बकर सिद्दीक और अकबर अली का पता बताने को कहा। दोनों को 2017 में विदेशी घोषित किया गया था और वे 2020 से सशर्त जमानत पर थे। उनके परिवार का दावा है कि 24 मई को पुलिस दोनों को उठा ले गई और उसके बाद से उनका कोई अता-पता नहीं है। भतीजे तोराप अली ने याचिका में आशंका जताई कि उन्हें गुपचुप बांग्लादेश भेज दिया गया है।सरमा सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन मामलों में न्यायिक अपील लंबित है या जहां उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय ने स्थगन आदेश दिया है, वहां निर्वासन की कार्रवाई नहीं की जाएगी। राज्य सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हुए केवल उन्हीं पर कार्रवाई कर रही है जिन्होंने न तो कोई अपील की है और न ही उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगी है। 2 जून को सर्वोच्च न्यायालय ने अवैध बांग्लादेशियों के निर्वासन को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएमएसयू) को गुवाहाटी हाईकोर्ट जाने को कहा गया। इससे पहले 4 फरवरी को न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने असम सरकार से 63 घोषित विदेशियों को देश से निष्कासित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने तब जवाब में कहा था कि वह बांग्लादेशी नागरिकता की पुष्टि की प्रतीक्षा कर रही है। बाद में इसकी पुष्टि हो गई कि वे सभी बांग्लादेशी हैं।असम में घुसपैठ का मसला केवल राज्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसंख्या संतुलन से जुड़ा मामला है यदि एक राज्य में इस पर कठोर कदम उठाए जाते हैं, तो उसका असर अन्य सीमावर्ती राज्यों-जैसे पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय पर भी पड़ेगा। केंद्र सरकार की ओर से भी संकेत मिले हैं कि यदि असम का मॉडल सफल रहता है तो इसे अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है। फिलहाल, राज्य सरकार के इस अभियान के आने वाले महीनों में और तेज़ होने की संभावना है। अधिकारियों का मानना है कि छिपे हुए अवैध बांग्लादेशियों की तलाश में तकनीकी सहायता, जैसे-चेहरे पहचानने के तंत्र, ड्रोन्स और डेटा एनालिटिक्स का भी उपयोग किया जाएगा।

असम में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और निर्वासन की मांग कोई नई नहीं है। 1979 से 1985 तक चले असम आंदोलन का मूल बिंदु यही था। इसके बाद 1985 में असम समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसके अनुसार 24 मार्च 1971 के बाद असम में आए विदेशी अवैध माने जाएंगे। तब से यह मुद्दा लगातार उठा है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और न्यायिक प्रक्रियाओं की जटिलता के कारण अमल में कठिनाई रही है। अब जब राज्य सरकार ने तेजी दिखाई है तो विरोध के स्वर भी मुखर हो गए हैं। कांग्रेस, एआईयूडीएफ और अल्पसंख्यक छात्र संगठनों-जैसे एएएमएसयू और एबीएमएसयू-ने राज्य सरकार के इस कदम का विरोध किया है। कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी की है। सिब्बल ने यह तर्क दिया कि यह मानवीय अधिकारों का उल्लंघन है और बांग्लादेश भेजे जा रहे लोगों को पर्याप्त कानूनी सहायता नहीं मिल रही। सरकार की कार्रवाई के विरुद्ध तथाकथित मानवाधिकार संगठन और वामपंथी समूह भी सामने आ गए हैं। इन संगठनों का तर्क है कि निर्वासन अमानवीय है। लेकिन सरकार की दलील है कि यह राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। घुसपैठियों के कारण राज्य के संसाधनों पर दबाव है, स्थानीय बेरोजगारी और अपराध दर में वृद्धि हुई है।राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह मात्र कानून का पालन है, न कि किसी विशेष समुदाय के खिलाफ कार्रवाई। जिन लोगों को न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किया गया है और जिन्होंने कोई कानूनी अपील नहीं की है, उन्हें देश में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। असम में घुसपैठ का मसला केवल राज्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसंख्या संतुलन से जुड़ा मामला है यदि एक राज्य में इस पर कठोर कदम उठाए जाते हैं, तो उसका असर अन्य सीमावर्ती राज्यों-जैसे पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय पर भी पड़ेगा। केंद्र सरकार की ओर से भी संकेत मिले हैं कि यदि असम का मॉडल सफल रहता है तो इसे अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है। फिलहाल, राज्य सरकार के इस अभियान के आने वाले महीनों में और तेज़ होने की संभावना है। अधिकारियों का मानना है कि छिपे हुए अवैध बांग्लादेशियों की तलाश में तकनीकी सहायता, जैसे-चेहरे पहचानने के तंत्र, ड्रोन्स और डेटा एनालिटिक्स का भी उपयोग किया जाएगा

स्पेस स्टेशन में 14...

उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा रूसी अंतरिक्ष यान सोयूज के जरिये अंतरिक्ष में गए थे। शुभांशु शुक्ल एग्जियोम मिशन के दौरान अपने साथ इसरो से जुड़े कई उपकरण, एक्सपेरिमेंट के लिए जरूरी वस्तुएं, पौधे और जीवाश्म ले गए हैं। इसके जरिए शुभांशु कई प्रयोगों को अंजाम देंगे, जो कि भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए अहम साबित होंगे। इसके अलावा शुभांशु अपने साथ विशेष तौर पर बनाया गया भारतीय खाना भी ले गए हैं। इनमें आम रस, मूंग दाल का हलवा, गाजर का हलवा और चावल से बनी कई चीजें शामिल हैं। यह पहली बार होगा, जब अंतरिक्ष में भारतीय खाना भी पहुंचा है। एग्जियोम मिशन पर भारत को सबसे ज्यादा फायदा आईएसएस पर शुभांशु शुक्ल की तरफ से किए जाने वाले एक्सपेरिमेंट्स के जरिए होगा। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, शुभांशु आईएसएस पर कुल सात एक्सपेरिमेंट्स करेंगे। इन सभी प्रयोगों के जरिए अंतरिक्ष और पृथ्वी में जीवन के फर्क को लेकर अहम जानकारियां मिलेंगी।शुभांशु आईएसएस पर छह तरह की फसलों के बीच साथ लेकर गए हैं। अपने 14 दिन के सफर के दौरान वे इन बीजों के माइक्रोग्रैविटी में विकास को लेकर अहम जानकारी इकट्ठा करेंगे। इस प्रयोग का मकसद आने वाले समय में अंतरिक्ष में खेती करने के विकल्पों को तलाशना होगा। शुभांशु अपने मिशन के लिए माइक्रोएल्गी यानी काई के तीन स्ट्रेन लेकर पहुंचे हैं। वे कम गुरुत्वाकर्षण के बीच इन्हें खाने, ईंधन और लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन के दौरान जीवन बचाने के विकल्प के तौर पर प्रयोग में लाएंगे। एग्जियोम-4 के मिशन में शुभांशु टार्डीग्रेड्स (एक तरह का छोटा जीव, जो कि चरम स्थितियों में भी खुद को सामान्य रख सकता है) पर परीक्षण करेंगे। इसके जरिए यह जानने की कोशिश की जाएगी कि अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में कौन से जीवाणु सुरक्षित रह सकते हैं।एक और प्रयोग के जरिए यह जानने की कोशिश की जाएगी कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानों में मांस कैसे कम होता है और इससे निपटा कैसे जा सकता है। आमतौर पर लंबी अवधि के मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को मसल एट्रोफी यानी मांस घटने की शिकायत आती है। ऐसे में अंतरिक्षयात्रियों पर पाचन से जुड़े सप्लीमेंट्स का असर देखा जाएगा। एग्जियोम-4 मिशन के दौरान एक स्टडी माइक्रोग्रैविटी के आंखों पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी की जाएगी। इस रिसर्च में यह पता लगाया जाएगा कि अंतरिक्ष में एस्ट्रोनॉट्स की आंखों की पुतलियों का मूवमेंट किस हद तक प्रभावित होता है। साथ ही इससे किसी की तनाव और सजगता कितनी प्रभावित होती है। मिशन के दौरान कुछ बीजों को अंकुरित करने का प्रयास किया जाएगा। इनके पोषक तत्वों को भी मापा जाएगा, जिससे पृथ्वी और जीरो ग्रैविटी में पैदा हुई फसलों के पोषण में अंतर को समझने का प्रयास किया जाएगा। यह प्रयोग भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के बोझ को घटाएगा, क्योंकि अगर अंतरिक्ष में फसलें बराबर या ज्यादा मात्रा में पोषक होती हैं, तो इन्हें वहीं उगाने की कोशिश की जाएगी।शुभांशु शुक्ल के सबसे कठिन प्रयोगों में से यह एक रहेगा। दरअसल, अंतरिक्ष में खाना, पानी और ऑक्सीजन की उपलब्धता बड़ी समस्या रही है। खासकर लंबी अवधि के अभियानों के लिए। ऐसे में वैज्ञानिक काफी समय से आईएसएस पर ही इन चीजों की व्यवस्था की कोशिशों में जुटे हैं। अब यूरिया और नाइट्रेट में सायनोबैक्टीरिया का इस्तेमाल कर वैज्ञानिक यह देखने की कोशिश में हैं कि क्या अंतरिक्ष की जीरो ग्रैविटी में खाना और ऑक्सीजन एक साथ पैदा किए जा सकते हैं। गौरतलब है कि यूरिया और नाइट्रेट दोनों ही खाना बनाने के लिए अहम हैं।

चीन ने अब...

यदि चीन इन उर्वरकों की सही समय पर आपूर्ति नहीं करता, तो भारत में कई फसलें प्रभावित हो सकती हैं। भारत जॉर्डन या किसी अन्य यूरोपियन देश से भी यह उर्वरक खरीद सकता है। लेकिन समस्या यह है कि ये देश इतनी बड़ी मात्रा और इतने कम समय में इसकी आपूर्ति कर नहीं पाएंगे।भारत में लगातार मजबूत हो रहा इन्फ्रास्ट्रक्चर भी चीन को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। वह इसके निर्माण में भी अड़ंगा लगा रहा है। चीन ने अहमदाबाद-मुम्बई बुलेट रेल प्रोजेक्ट में उपयोग होने वाली 3 टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का भारत में आयात रोक दिया। टनल बोरिंग मशीन, जमीन के नीचे सुरंग बनाने के लिए काम में लाई जाती है। यह जमीन के नीचे एक दिशा में गड्ढा खोदती जाती हैं, यह वर्तमान में जमीन के नीचे सुरंग बनाने के लिए सबसे तेज तरीका है। चीन ने वर्तमान में भारत आने वाली 3 टीबीएम रोक रखी हैं। यह तीनों मशीनें जर्मनी की एक कम्पनी ने बनाई हैं। यह कम्पनी इन्हें चीन के गुआंगझाऊ में बनाती है। इनकी आवश्यकता मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स बनाने में है। यह कॉरिडोर 21 किलोमीटर लम्बा है। इनके चक्कर में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। तीन में से 2 टीबीएम भारत में अक्टूबर 2024 में ही आ जानी चाहिए थीं। लेकिन अभी तक यह चीन के पोर्ट पर फंसी हैं। इस मामले को वाणिज्य मंत्रालय के साथ ही विदेश मंत्रालय भी देख रहा है। टीबीएम को लेकर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयुष गोयल जर्मनी के मंत्री को सावर्जनिक तौर पर लताड़ भी चुके हैं।चीन के पास पृथ्वी के दुर्लभ चुंबकीय तत्वों (रेयर अर्थ मैग्नेट्स) का भंडार है। अमेरिका के साथ टैरिफ वार के बाद चीन ने इन दुर्लभ तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसका बड़ा नुकसान भारत को हुआ। भारत में स्थापित ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और अन्य उपकरण निर्माण से जुड़े उद्योगों को इस प्रतिबंध के चलते आपूर्ति बाधित हो गई थी। अप्रैल 2025 में चीन ने 7 मध्यम से भारी दुर्लभ तत्वों पर सुरक्षा और प्रसार संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद चीन ने निर्यातकों को लाइसेंस लेने की जरूरत बता दी। दुर्लभ मैग्नेट इलेक्ट्रिक और पेट्रोल गाड़ियों, रक्षा उपकरणों और में एक अहम भूमिका निभाते हैं। इनका उपयोग मोटर और स्टीयरिंग सिस्टम, ब्रेक, वाइपर और ऑडियो डिवाइसेज के निर्माण में किया जाता है। कई भारतीय कम्पनियों को निर्माण पर ब्रेक के बारे में भी चीन के इस कदम के चलते सोचना पड़ा था। मारुति सुजुकी की आने वाली गाड़ी ई-विटारा का उत्पादन तक इसके चलते प्रभावित हो गया।भारत की अर्थव्यवस्था में 7.1 प्रतिशत हिस्सा ऑटोमोबाइल सेक्टर का है। यह देश में रोजगार का एक बड़ा स्रोत है। ऐसे में चीन यह सप्लाई बाधित कर भारत की जीडीपी वृद्धि दर को भी प्रभावित कर रहा है। हालांकि, उसकी यह हरकतें ज्यादा दिन नहीं चलती। लेकिन हर बार बार वह किसी ना किसी तरीके से यह प्रयास करता है कि भारत के आर्थिक इंजन पर ब्रेक लगा दे। यह भी उसी कड़ी में उठाया एक कदम है। भारत बीते कुछ वर्षों में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता बन कर उभरा है। इस मामले में उसने सीधे चीन को चुनौती दी है। एप्पल के लिए फोन बनाने वाली फॉक्सकॉन समेत तमाम कम्पनियां लगातार भारत में निवेश कर रही हैं। भारत स्मार्टफोन निर्माण के मामले में चीन के विकल्प के तौर पर उभरा है। 2025 खत्म होते-होते भारत विश्व के 20 प्रतिशत फोन बना रहा होगा। इस मेक इन इंडिया से चीन को करारा झटका लगा है।अपने हाथ से बिजनेस छिनता देख चीन ने भारत के मेक इन इंडिया में टांग अड़ाने का प्रयास किया है। जनवरी में आई रिपोर्ट्स बताती हैं कि चीन ने उन विशेषज्ञ इंजीनियरों के भारत आने पर रोक लगाई है, जो यहां स्मार्टफोन निर्माण को लेकर काम करने वाले थे। वह फॉक्सकॉन के चीनी स्टाफ को भारत आने देने में कई बैरियर लगा रही हैं। यहां तक कि इन स्टाफ को टिकट करवा लेने के बाद भी अपनी यात्रा रद्द करने को कहा गया। चीन स्मार्टफोन बनाने के लिए आवश्यक कई पार्ट्स की सप्लाई भी रोक रहा है। वह इससे भारत की मेक इन इंडिया की यात्रा को प्रभावित करना चाहता है। चीन की यह हरकतें इस बात का प्रमाण हैं कि वह भारत के लिए वर्तमान में कितनी भी मीठी बातें बोल रहा हो, वह असल में हमारी आर्थिक वृद्धि नहीं देख पा रहा। वह जानता है कि भारत ही उसके जितनी निर्माण क्षमता बना सकता है। इसलिए चाहे टीबीएम हो या स्मार्टफोन के पुर्जे, वह सबकी सप्लाई में पेंच फंसाता है।

भारत विरोधी...

उस वक्त भारत ने कोलकाता की ओर पानी मोड़ने के लिए पश्चिम बंगाल के फरक्का में बैराज बनाना शुरू किया।1971 में अलग राष्ट्र बनने के बाद बांग्लादेश और भारत ने मिलकर इसके समाधान का प्रयास किया। 1972 में भारत और बांग्लादेश ने एक संयुक्त नदी आयोग (जेआरसी) का गठन किया। 1977 में 5 साल के लिए जल-बंटवारे का समझौता हुआ। 1978 से 1982 के बीच लागू इस समझौते के तहत बांग्लादेश को हर हाल में जल उपलब्ध कराने की गारंटी दी गई। समझौता खत्म होने के बाद दोनों देशों ने करीब एक दशक तक जल संसाधनों के बंटवारे पर कोई औपचारिक समझौता नहीं किया। इस दौरान भारत ने गर्मी में गंगा के पानी को अपनी तरफ मोड़ा, जिससे बांग्लादेश के साथ संबंधों में तनाव पैदा हुआ। 1990 के दशक में दोनों पक्षों ने माना कि फरक्का बैराज विवाद को हल करने और गंगा जल बंटवारे के लिए दीर्घकालिक संधि की आवश्यकता है।भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय तक बातचीत चली। आखिरकार, 12 दिसंबर 1996 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने जल-बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते को एक ऐसी सफलता के रूप में देखा गया जिसने नदी को लेकर दोनों देशों के बीच दशकों से चले आ रहे तनाव को खत्म कर दिया। बांग्लादेश ने इस संधि को अपने किसानों और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जरूरत के रूप में देखा। जबकि भारत ने इसे एक पड़ोसी देश के साथ सहयोग करने के तौर पर लिया। यह समझौता ऐसे समय में हुआ जब दोनों देशों के बीच रिश्ते मधुर हो रहे थे। ढाका में नवगठित हसीना सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहती थी, वहीं भारत की संयुक्त मोर्चा सरकार बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध सुनिश्चित करना चाहती थी। लेकिन बांग्लादेश की स्थितियां अब बदल गई हैं और उसकी भारत विरोधी हरकतें काफी बढ़ गई हैं।पश्चिम बंगाल सरकार ने भी संधि को एकतरफा करार देते हुए इसकी समीक्षा पर जोर दिया है। पश्चिम बंगाल ने गंगा का अधिक जल देने की मांग की है। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट यानी श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट तक 40,000 क्यूसेक पानी लगातार रहे इसके लिए फरक्का बैराज बनाया गया। लेकिन 1996 की गंगा जल संधि ने फरक्का बैराज के संचालन के तरीके में बदलाव करने के लिए मजबूर किया। कोलकाता के इस व्यस्त बंदरगाह में गाद जमा हो रही है, जिससे जहाजों के आवागमन में दिक्कतें आ रही हैं। यहां तक कि फरक्का में स्थित एनटीपीसी के प्लांट को भी पानी की कमी का सामना करना पड़ता है।भारत के दूसरे राज्यों की भी अलग-अलग शिकायतें हैं। फरक्का से ऊपर बिहार को दिक्कत है कि मॉनसून के दौरान कभी-कभी बैराज से बहुत ज्यादा पानी छोड़ दिया जाता है जिससे बाढ़ आ जाती है। इस वक्त फरक्का बैराज के गेट भी खोल दिए जाते हैं, जिससे बिहार के गंगा बेसिन में गाद और बाढ़ का प्रकोप बढ़ जाता है। बदलते माहौल में संधि की समीक्षा बेहद जरूरी है इसलिए 2026 में संधि की समाप्ति की तारीख आ रही है, तो उम्मीद की जा रही है कि भारत लंबे समझौते के लिए तैयार नहीं होगा बल्कि इसकी अवधि थोड़ी छोटी होगी। इसकी तैयारी भी शुरू हो गयी है। पिछले साल भारत सरकार ने गंगा से होने वाली घरेलू जल आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए पश्चिम बंगाल और बिहार के प्रतिनिधियों सहित एक समिति का गठन किया।बांग्लादेश कहता रहा है कि जल हिस्से में अगर कमी की गई तो उसे भयावह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। गर्मी के महीनों में कृषि, मत्स्य पालन और पेयजल आपूर्ति की गंभीर समस्या पैदा होगी। जून 2024 में शेख हसीना की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आश्वासन दिया कि संधि को बढ़ाए जाने पर बातचीत शुरू होगी, हालांकि अब परिस्थितियां बदल गई हैं। मार्च 2025 में दोनों देशों के विशेषज्ञों की कोलकाता में बैठक हुई। इसमें फरक्का में जल प्रवाह को संयुक्त रूप से मापने की बात कही गई। इस बीच पर्यावरण वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन की चेतावनी दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का प्रवाह अनियमित होता जा रहा है। कभी लंबे समय तक जल प्रवाह काफी कम रहता है तो कभी कम वक्त में ज्यादा बारिश से पानी का जलस्तर बढ़ जाता है।इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट द्वारा 2019 में किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि जलवायु परिवर्तन आने वाले दशकों में गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के रास्ते में बदलाव ला सकता है। इससे लाखों लोग प्रभावित होंगे। दोनों पक्षों ने माना है कि नई संधि में पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रख कर बनाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का सुझाव है कि नई संधि में बेहतर डेटा संकलन, संयुक्त बाढ़ प्रबंधन की नीतियां भी होनी चाहिए, जिससे जल बंटवारा सही तरीके से धरातल पर उतर सके।हमें ये भी याद रखना चाहिए कि भारत और बांग्लादेश के बीच नई संधि पर राजनीतिक परिस्थितियों का भी असर पड़ेगा। अगस्त 2024 से बांग्लादेश में अंतरिम सरकार है। भारत ने संकेत दिया है कि वह ढाका में एक निर्वाचित सरकार के साथ बड़े समझौते करना पसंद करता है। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार का चीन-पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ गई हैं। इसलिए भारत ज्यादा सतर्क है।

हिंदी सभी...

उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार इस दिशा में राज्यों को हरसंभव सहयोग देगी। गृह मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रशासनिक कार्यों में भारतीय भाषाओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा को लेकर अमित शाह ने कहा, भाषाएं मिलकर देश के सांस्कृतिक आत्मगौरव को ऊंचाई तक ले जा सकती हैं। उन्होंने मानसिक गुलामी की भावना से मुक्ति पाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व महसूस नहीं करता और खुद को उसी भाषा में अभिव्यक्त नहीं करता, तब तक वह पूरी तरह आजाद नहीं हो सकता।गृह मंत्री ने कहा, भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा होती है। इसलिए भारतीय भाषाओं को जीवित और समृद्ध बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं का विकास हो, इसके लिए जरूरी है कि आने वाले समय में समर्पित प्रयास किए जाएं। विशेष रूप से राजभाषा हिंदी के लिए ऐसा करना होगा।अमित शाह ने राजभाषा विभाग की 50 वर्षों की यात्रा (1975 से 2025) को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, तब हिंदी भाषा स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि इसकी मदद से देश की प्रतिष्ठा दोबारा स्थापित करने के प्रयास किए जा सकते हैं। गृह मंत्री ने सभी भारतीय भाषाओं के प्रेमियों और राजभाषा हिंदी के शुभचिंतकों को स्वर्ण जयंती वर्ष की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होकर समर्पित प्रयास करने होंगे। शाह ने जिस तरह भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और विदेशी का विरोध न करने की बात कही है, इसे भारत में भाषायी सौहार्द, आत्मगौरव, और मातृभाषा के सम्मान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है। अभी हाल ही अमित शाह ने एक कार्यक्रम में कहा था कि आने वाले समय में लोगों को अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी। उन्होंने कहा था, अब बदलाव का समय आ चुका है, इसलिए हिंदी समेत देश की तमाम भाषाओं के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

आज से आरंभ होगी भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा

पुरी, ओडिशा में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में हर साल आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ होता है, जो एक भव्य और ऐतिहासिक उत्सव माना जाता है। इस वर्ष यह रथ यात्रा 27 जून 2025, शुक्रवार से शुरू हो रही है। इस दिन भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र, और बहन सुभद्रा तीन भव्य रथों पर सवार होकर अपने मौसी के घर गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान करेंगे। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष रथ पर, बलभद्र तालध्वज पर, और सुभद्रा दर्पदलन रथ पर विराजमान होंगी।

यह रथ यात्रा कुल 12 दिनों तक चलेगी और इसका समापन 8 जुलाई 2025 को नीलाद्रि विजय के साथ होगा, जब भगवान पुनः अपने मूल मंदिर में लौटेंगे। हालांकि रथ यात्रा का आयोजन 12 दिनों का होता है, इसकी तैयारियाँ महीनों पहले से शुरू हो जाती हैं। इस रथ यात्रा के दौरान कई धार्मिक रस्में, अनुष्ठान और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

जगन्नाथ रथ यात्रा हर साल आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को शुरू होती है। पंचांग के अनुसार, इस बार यह तिथि 26 जून 2025 को दोपहर 1:24 बजे से शुरू होकर 27 जून को सुबह 11:19 बजे तक रहेगी। चूंकि उदयातिथि (सूर्योदय के समय की तिथि) को ही धार्मिक कार्यों के लिए मान्यता दी जाती है, इसलिए रथ यात्रा का शुभारंभ 27 जून 2025, शुक्रवार को होगा।

शुभ योग –इस पावन दिन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, पुनर्वसु नक्षत्र और पुष्य नक्षत्र जैसे शुभ संयोग बन रहे हैं।

सर्वार्थ सिद्धि योग: प्रातः 5:25 बजे से प्रातः 7:22 बजे तक

पुनर्वसु नक्षत्र: प्रातः 7:22 बजे तक, इसके बाद पुष्य नक्षत्र शुरू हो जाएगा

अभिजीत मुहूर्त : प्रातः 11:56 बजे से दोपहर 12:52 बजे तक

इन शुभ योगों के चलते, 27 जून को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का प्रारंभ धार्मिक दृष्टि से अत्यंत मंगलकारी रहेगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा 2025 का पूरा शेड्यूल

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा तीन अलग-अलग भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के जगन्नाथ मंदिर से निकलते हैं और गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। हजारों भक्त भारी रस्सों से इन रथों को खींचते हैं। रथ पर चढ़ाने से पहले पुरी के राजा 'छेरा पन्हरा' की रस्म निभाते हैं, जिसमें वे सोने के झाड़ू से रथ का चबूतरा साफ करते हैं।

1 जुलाई, मंगलवार – हेरा पंचमी

जब भगवान गुंडिचा मंदिर में पाँच दिन बिताते हैं, तब पाँचवें दिन देवी लक्ष्मी नाराज़ होकर भगवान जगन्नाथ से मिलने आती हैं। यह रस्म हेरा पंचमी कहलाती है।

4 जुलाई, शुक्रवार – संध्या दर्शन

गुंडिचा मंदिर में विशेष दर्शन का आयोजन होता है। इस दिन भक्तजन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन करते हैं और इसे बड़ा शुभ अवसर माना जाता है।

5 जुलाई, शनिवार – बहुदा यात्रा

भगवान जगन्नाथ अपने भाई और बहन के साथ रथों पर सवार होकर वापस जगन्नाथ मंदिर की ओर लौटते हैं। इस वापसी यात्रा को बहुदा यात्रा कहा जाता है। रास्ते में वे मौसी माँ के मंदिर (अर्ध रास्ते में) रुकते हैं, जहाँ उन्हें ओड़िशा की खास मिठाई 'पोडा पिठा' का भोग लगाया जाता है।

6 जुलाई, रविवार – सुना बेशा

इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को स्वर्ण आभूषणों से सजाया जाता है। यह अत्यंत भव्य श्रृंगार होता है जिसे देखने हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं।

7 जुलाई, सोमवार – अधरा पना

इस दिन भगवानों को एक विशेष मीठा पेय अधरा पना अर्पित किया जाता है, जो बड़े मिट्टी के घड़ों में तैयार होता है। इसमें पानी, दूध, पनीर, चीनी और कुछ पारंपरिक मसाले मिलाए जाते हैं।

8 जुलाई, मंगलवार – नीलाद्रि विजय (समापन)

यह रथ यात्रा का अंतिम और सबसे भावनात्मक दिन होता है। इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा वापस अपने मुख्य मंदिर में लौटते हैं और गर्भगृह में पुनः स्थापित होते हैं। इसे 'नीलाद्रि विजय' कहा जाता है, जिसका अर्थ है – नीलाचल (पुरी) की पुनः विजय।

जगन्नाथ रथ यात्रा का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में जगन्नाथ रथ यात्रा को अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से इस यात्रा में भाग लेता है या भगवान के रथ को खींचता है, उसके जीवन के पाप नष्ट हो जाते हैं। यह भी माना जाता है कि रथ यात्रा में शामिल होने से व्यक्ति को ऐसा फल प्राप्त होता है, जैसे उसने सौ यज्ञों का आयोजन किया हो। इसलिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर साल पुरी में इस यात्रा का हिस्सा बनने आते हैं, ताकि उन्हें आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति हो सके।

गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ कितने समय तक रहते हैं?

पुरी रथ यात्रा एक भव्य और गहरा आध्यात्मिक त्योहार है जहां भगवान जगन्नाथ, अपने भाई-बहन बलभद्र और सुभद्रा के साथ, गुंडिचा मंदिर के दर्शन के लिए पुरी में अपने मुख्य मंदिर से निकलते हैं। यह यात्रा भगवान के अपने भक्तों के प्रति प्रेम का प्रतीक है, क्योंकि वह सभी को आशीर्वाद देने के लिए अपने गर्भगृह से बाहर निकलते हैं, विशेषकर उन लोगों को जो मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकते। हजारों हाथों से खींचे गए, सजाए गए रथ गीत, मंत्रोच्चार और खुशी के साथ शहर में घूमते हैं। ऐसा माना जाता है कि गुंडिचा मंदिर उनकी मौसी का घर है।

भगवान जगन्नाथ वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के दौरान सात दिनों तक गुंडिचा मंदिर में रहते हैं। एक भव्य रथ जुलूस में पुरी में अपने मुख्य मंदिर से निकलने के बाद, वह गुंडिचा मंदिर पहुंचे, जिसे उनकी मौसी का घर माना जाता है। यह प्रवास अनुष्ठानों, भक्ति और आध्यात्मिक आनंद से भरा है, जो उनके सभी भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए उनकी प्रेमपूर्ण यात्रा का प्रतीक है।

इन दिनों माहौल उत्सवपूर्ण बना रहता है क्योंकि भक्त प्रार्थना, भजन और सेवा करते हैं। इस पवित्र प्रवास को पूरा करने के बाद भगवान जगन्नाथ अपने मूल मंदिर में वापसी यात्रा में लौटते हैं जिसे बहुदा यात्रा के नाम से जाना जाता है। इन सात दिनों को अत्यधिक शुभ माना जाता है, क्योंकि वे हर किसी से मिलने और आशीर्वाद देने के लिए भगवान की दयालुता को दर्शाते हैं, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ का प्रवास अत्यंत पवित्र और प्रतीकात्मक माना जाता है। यह यात्रा उनके प्रेम और पहुंच को दर्शाती है, क्योंकि वह आम लोगों के करीब होने के लिए भव्य गर्भगृह से दूर जाते हैं। उनके आगमन से पहले मंदिर को गुंडिचा मार्जन अनुष्ठान के माध्यम से शुद्ध किया जाता है, जो भगवान के स्वागत से पहले आध्यात्मिक और शारीरिक सफाई के महत्व पर प्रकाश डालता है।

उनका नौ दिवसीय प्रवास नियमित दिनचर्या से एक दिव्य विराम का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे सभी को अधिक खुले और आनंदमय वातावरण में उनकी कृपा और करुणा का गवाह बनने का मौका मिलता है।

गुंडिचा मंदिर में अपने समय के दौरान भगवान जगन्नाथ की दैनिक अनुष्ठानों के माध्यम से बड़ी भक्ति के साथ सेवा की जाती थी, जिसे सेवा के रूप में जाना जाता है। मीठे चावल, दाल, पीठा और अन्य पारंपरिक उड़िया व्यंजनों सहित विभिन्न प्रकार के भोग चढ़ाए जाते हैं।

फूलों, दीपों और मंत्रों के साथ विशेष पूजा और आरती की जाती है। मंदिर का परिवेश भक्ति गायन और सामुदायिक भागीदारी से जीवंत रहता है।

भक्तों का मानना है कि ये दिन दिव्य आशीर्वाद, उपचार और आध्यात्मिक प्रगति लाते हैं। संपूर्ण प्रवास प्रेम, उत्सव और सदैव दयालु भगवान जगन्नाथ के साथ गहरे व्यक्तिगत संबंध से भरा हुआ है।

जगन्नाथ रथ यात्रा सिर्फ एक भव्य जुलूस से कहीं अधिक है, बल्कि दिव्य प्रेम, समावेशिता और अनुग्रह का एक हार्दिक उत्सव है। गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ का प्रवास एक शक्तिशाली अनुस्मारक लाता है कि परमात्मा उन लोगों के करीब आते हैं जो भक्ति के साथ खोज करते हैं। अनुष्ठानों, भोग, सेवा और गीतों के माध्यम से भक्तों को गहरे आध्यात्मिक संबंध और आनंद का अनुभव होता है।

भगवान जगन्नाथ को अर्पित किए जाते हैं ये पांच विशेष भोग

भगवान विष्णु के एक रूप के रूप में पूजे जाने वाले भगवान जगन्नाथ, हिंदू धर्म में अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखते हैं। गहरी भक्ति के साथ पूजा की जाती है, विशेष रूप से पुरी में, वह दिव्य प्रेम, करुणा और सभी प्राणियों की सार्वभौमिक स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। अन्य देवताओं के विपरीत उनका अनोखा रूप समावेशिता और रहस्य को दर्शाता है, जो लाखों लोगों को उनकी ओर आकर्षित करता है।

माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ जीवन के सभी चरणों में अपने भक्तों की रक्षा, उत्थान और मार्गदर्शन करते हैं। उनके मंदिर में, प्राचीन परंपराओं का पालन करते हुए, प्रतिदिन प्रेमपूर्वक विशेष भोग तैयार किया जाता है और चढ़ाया जाता है। इन प्रसादों को पवित्र माना जाता है, जो दैवीय आशीर्वाद का प्रतीक है, और भक्तों के बीच अनुग्रह और संतुष्टि के प्रतीक के रूप में साझा किया जाता है। इस बार रथ यात्रा 27 जून 2025 को मनाई जा रही है।

भगवान जगन्नाथ के पांच विशेष भोग

पोडा पीठा – पोडा पीठा भगवान जगन्नाथ को विशेष रूप से रथ यात्रा अवधि के दौरान एक अनूठी पेशकश है। यह धीमी गति से पकाया जाने वाला चावल का केक है जो किण्वित बैटर, गुड़ और कसा हुआ नारियल के साथ बनाया जाता है, जो इसे एक समृद्ध स्वाद देता है। जो चीज इसे खास बनाती है वह यह है कि इसे रात भर धीमी आग पर कैसे पकाया जाता है, जिससे इसमें मिट्टी की सुगंध आती है।

इस विनम्र लेकिन स्वादिष्ट व्यंजन में भक्ति की गर्माहट है। हालाँकि यह एक उत्सव है, फिर भी यह स्थानीय परंपरा में गहराई से निहित है। भक्तों का मानना है कि पोडा पीठा चढ़ाने से भगवान प्रसन्न होते हैं, ऐसा कहा जाता है कि गुंडिचा मंदिर में रहने के दौरान वे इसके देहाती स्वाद का आनंद लेते हैं।

एन्दुरी पीठा– एंडुरी पीठा हल्दी की पत्तियों का उपयोग करके बनाई गई एक नाजुक, सुगंधित तैयारी है, जो अपने औषधीय और सुगंधित गुणों के लिए जानी जाती है।

इन पत्तों के अंदर चावल के आटे और मीठे नारियल-गुड़ के मिश्रण को भाप में पकाया जाता है, जिससे पीठा में हल्की, प्राकृतिक खुशबू आती है। यह भगवान जगन्नाथ को विशेष रूप से विशेष अनुष्ठान के दिनों में अर्पित की जाने वाली कम ज्ञात भोग वस्तुओं में से एक है।

अवयवों की सरलता और प्रक्रिया की शुद्धता प्रकृति, पोषण और दिव्यता के बीच गहरे संबंध को दर्शाती है। कई भक्तों के लिए हल्दी के पत्तों की गंध बचपन की भक्ति और उत्सव की रसोई की यादें ताज़ा कर देती है।

दही पखला –दही पखला एक ठंडा, किण्वित चावल का व्यंजन है जिसमें दही और थोड़ा सा नमक मिलाया जाता है, जो हल्का, सुखदायक और गहरा पारंपरिक है। यह बुनियादी लग सकता है, लेकिन ओडिशा की चिलचिलाती गर्मियों में, यह एक दैवीय आशीर्वाद बन जाता है।

भगवान जगन्नाथ को यह विनम्र तैयारी पेश की जाती है, खासकर जब माना जाता है कि उन्हें आराम और आराम की आवश्यकता होती है, जैसे कि रथ यात्रा से पहले अनासार काल के दौरान। प्यार और देखभाल के संकेत के रूप में इसे अक्सर कुछ अन्य चीजों के साथ ठंडा करके परोसा जाता है।

खाजा–खाजा एक परतदार, परतदार मिठाई है जो कुरकुरी और कोमल दोनों होती है और एक सुखद विरोधाभास है। आटे को भूनकर और उसे चीनी की चाशनी में भिगोकर बनाया जाता है, खाजा विशेष रूप से त्योहारों के दौरान भगवान जगन्नाथ को एक विशेष प्रकार की पेशकश का प्रतिनिधित्व करता है।

हालांकि, यह एक नियमित मिठाई के रूप में दिखाई दे सकती है, लेकिन इसकी तैयारी की विधि के कारण इसका धार्मिक महत्व है, जो सदियों पुरानी मंदिर परंपराओं का पालन करती है।

ऐसा कहा जाता है कि भगवान खाजा की मिठास और बनावट का आनंद लेते हैं, और भक्त इसे महाप्रसाद के रूप में प्राप्त करके धन्य महसूस करते हैं। खाजा बनाने में भक्ति सिर्फ सामग्री में नहीं बल्कि हर बैच के पीछे की रस्म में निहित है।

हंसकेलि–हंसकेली भगवान जगन्नाथ को चढ़ाए जाने वाले भोग में एक दुर्लभ और कम चर्चित वस्तु है। यह एक पारंपरिक मिठाई है, जो चावल के आटे और दूध से तैयार की जाती है और इसमें इलायची का स्वाद होता है। यह आमतौर पर विशिष्ट अवसरों या अनुष्ठानों के दौरान पेश किया जाता है और आमतौर पर मंदिर परिसर के बाहर नहीं पाया जाता है।

यह व्यंजन परंपरा का भार रखता है, क्योंकि इसे सख्त दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है और श्रद्धा के साथ पेश किया जाता है। हंसकेली, जगन्नाथ पूजा की गहरी जड़ें जमा चुकी पाक संस्कृति का प्रतीक है, जहां कम-ज्ञात व्यंजनों को भी दैवीय महत्व दिया जाता है। इसे महाप्रसाद के रूप में चखने से आध्यात्मिक निकटता की अनुभूति होती है, जैसे कि दिव्य मां द्वारा प्रेमपूर्वक बनाई गई कोई चीज़ प्राप्त करना।

जगन्नाथ रथ यात्रा के बाद पुराने रथ का क्या होता है, क्या इन्हें कोई खरीद सकता है?

ओडिशा के पुरी में 27 जून को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलेगी। रथ यात्रा में शामिल होने के लिए दुनियाभर से लोग यहां आते हैं और इन रथों को हाथों से खींचते हैं। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा इन्हीं रथों में विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। हर साल 200 टन से ज्यादा वजनी 45 फीट ऊंचे रथ तैयार किए जाते हैं। इन रथों को 200 से ज्यादा लोग सिर्फ 58 दिनों में तैयार करते हैं। रथ में 5 तरह की खास लकड़ियों का इस्तेमाल होता है। हर साल नए रथ बनते हैं। अक्षय तृतीया से रथों को बनाने शुरू कर दिए जाते हैं। गुंडिचा यात्रा के दो दिन पहले रथ बन कर तैयार हो जाते हैं। सवाल यह है कि रथयात्रा के बाद इन रथों का क्या होता है?

यह जानने से पहले जान लेते हैं कि रथों का निर्माण कैसे होता है। रथ के लिए ऐसी लकड़ियों का चयन किया जाता है जिसमें खास तरह के चिह्न बने हो। जैसे शंख, चक्र और गदा हो। लकड़कियां मयूरगंज, गंजाम और क्योंझर के झंगलों से लाई जाती है। पुजारी शुभ मुहुर्त पर पेड़ों की पहचान करते हैं। पेड़ों को काटने के पहले उनकी पूजा की जाती है। बताया जाता है कि पेडों को काटने के लिए सोने की कुल्हाड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। रथ बनाने के लिए फासी, धौरा, सिमली, सहजा और मही लकड़ी का इस्तेमाल होता है। रथ पूरी तरह हाथों से बनाए जाते हैं। धौरा सबसे मजबूत लकड़ी होती है, इसी से रथ की धुरी बनाई जाती है। रथ का उपरी हिस्सा सिमली से बनाया जाता है। एक रथ को 70-80 लोग तैयार करते हैं। तीनों रथों में 50 टन लोहा और 300 किलो पीतल का इस्तेमाल होता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा क्यों निकाली जाती है?

श्रीगुंडिचा मंदिर को भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर माना जाता है। भगवान जगन्नाथ को उनके मौसी के घर यानी श्रीगुंडिचा मंदिर ले जाना होता है, इसीलिए जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक, भगवान साल में एक बार अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ अपनी मौसी के घर जाते हैं। पूरे सात दिन वहां पर रुकते हैं। भगवान आम भक्तों को दर्शन देने के लिए मंदिर से बाहर निकलते हैं। उन्हें 'खिचड़ी भोग' चढ़ाया जाता है। इस संबंध में एक

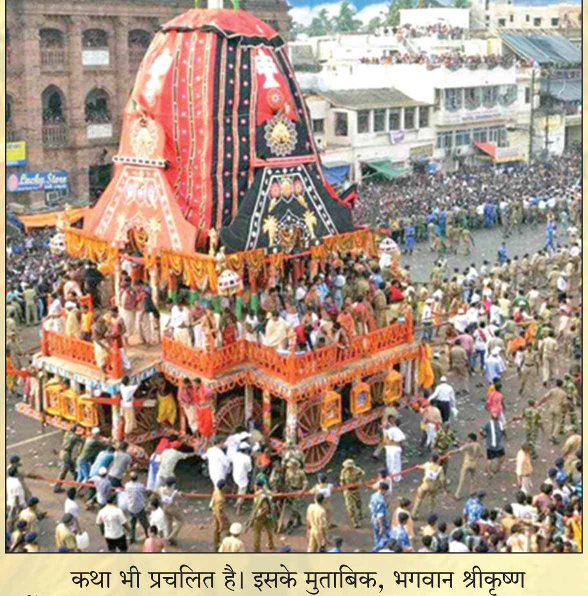

कथा भी प्रचलित है। इसके मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा से द्वारका जाते समय अपनी सखी राधा और व्रजवासियों को एक वचन दिया था कि वे हर साल एक बार जरूर मिलने आएंगे। यात्रा के बाद रथ का क्या किया जाता है?

हर साल बहुड़ा यात्रा के बाद रथों को तोड़ दिया जाता है। बहुड़ा यात्रा 5 अगस्त को निकलती है। यह काम भी वही कारीगर करते हैं, जो रथ तैयार करते हैं। लोग रथ की लकड़ियां घर ले जाते हैं। रथ का कुछ सामान मंदिर को दिया जाता है। कुछ लकड़ियों की नीलामी की जाती है।

किसने कराया था जन्नाथ पुरी का निर्माण?

जगन्नाथ पुरी का मंदिर का निर्माण 12वीं सदी में राजा अनंत वर्मन चोडगंग देव ने कराया था। यह मंदिर देश के चार धामों में से एक है। मंदिर में भगवान विष्णु के जगन्नाथ रूप, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा की पूजा होती है। मंदिर में 56 भोग लगता है। दिन में छह बार प्रसाद चढ़ाया जाता है।

पहियों की कीमत होगी इतनी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन कमेटी ने कुछ दिनों पहले रथ यात्रा के बाद रथों के हिस्सों को अलग-अलग करके बिक्री के लिए उपलब्ध कराने की मानक संचालन प्रक्रिया यानी डजझ जारी की थी। इसमें बताया गया था कि भगवान जगन्नाथ के रथ के पहिए की कीमत तीन लाख रुपए होगी, जो पहले एक लाख रुपए थी। इसी तरह भगवान बलदेव के रथ तालध्वजके पहिए की कीमत दो लाख रुपए होगी, जो पहले 60 हजार रुपए थी। वहीं, सुभद्रा के रथ दर्पदलन के पहिए की कीमत डेढ़ लाख रुपए तय की गई है, जो पहले 50 हजार रुपये थी।

पिछले साल मिले थे 55 लाख रुपए

इसके अलावा रथ के अन्य घटकों भुज और अंसुरी के भागों की कीमत 15 हजार रुपए और प्रभा की कीमत 25 हजार रुपए होगी। मंदिर प्रशासन के डिप्टी एडमिनिस्ट्रेटर देवव्रत साहू ने एक मीडिया रिपोर्ट में बताया था कि पिछले साल रथ के पुर्जों को बेचने के लिए हमें जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। मंदिर प्रशासन कमेटी को 55 लख रुपए मिले थे। रथ के मुख्य पुर्जों की नीलामी के बाद में बची हुई लकड़ी को मंदिर की रसोई में पहुंचाया जाता है। इस लकड़ी का इस्तेमाल भगवान के महाप्रसाद यानी 56 भोग को बनाने के लिए किया जाता है। रथ के पवित्र हिस्सों को खरीदने के लिए भक्तों को आवेदन करना होता है, जो मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करके किया जा सकता है।

पर्दे पर फिल्म मां का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण : काजोल

अभिनेत्री काजोल अपनी अपकमिंग हॉरर फिल्म मां को लेकर उत्साहित हैं। हॉरर फिल्म में काजोल 'मां' के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करना और पर्दे पर मां के किरदार को निभाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

काजोल ने बताया कि हर सीन में तनाव, चिंता और मां की भावनाओं को दिखाना था, जो आसान नहीं था। इसी वजह से यह किरदार उनके लिए खास और चुनौतीपूर्ण बन गया। काजोल का मानना है कि वह पहले भी कई फिल्मों में मां का किरदार निभा चुकी हैं, लेकिन मां में उनका किरदार अलग है। हॉरर फिल्म होने के कारण इसके हर सीन में एक खास तनाव और भावनात्मक गहराई की जरूरत थी। काजोल ने कहा, मुझे हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं, इसलिए मुझे नहीं पता था कि इस तरह की फिल्मों में पूरे समय एक खास भावनात्मक स्तर बनाए रखना पड़ता है। एक एक्टर के तौर पर आपको हर पल, हर शॉट में अलर्ट रहना पड़ता है। यह भावनात्मक रूप से बहुत थका देने वाला था। पूरे दिन उस तनाव को बनाए रखना आसान नहीं था।

उन्होंने कहा, 'मां' हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि

माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है। माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल का मानना है कि 'मां' वह पहला शब्द है जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते हैं बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। यह वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द टीम को इतना गहरा लगा कि इसे ही स्थाई टाइटल बनाने का फैसला लिया गया।

फिल्म शर्माजी नमकीन के एक सीन में ऋषि कपूर ने खुद रुककर की थी मेरी मदद : सुहैल नायर

अभिनेता सुहैल नायर ने बात करते हुए फिल्म शर्माजी नमकीन की शूटिंग से जुड़ा एक किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के मिलनसार व्यक्तित्व और उदारता को याद किया। सुहैल नायर ने बताया कि एक इमोशनल सीन की शूटिंग के दौरान, ऋषि कपूर ने कुछ ऐसा किया जो उन्हें आज भी याद है। उन्होंने बताया कि उस दिन ऋषि कपूर शूटिंग खत्म कर चुके थे, फिर भी वह सेट पर रुके रहे। उन्होंने सीन में भावनाएं सही ढंग से दिखाने में उनकी मदद की और खुद सामने खड़े होकर लाइव डायलॉग्स बोले।

सुहैल नायर ने कहा, मुझे याद है कि शर्माजी नमकीन में तनावपूर्ण पिता-पुत्र की बहस वाले सीन में, ऋषि कपूर अपना हिस्सा शूट कर चुके थे और टीम ने पैक-अप का ऐलान कर दिया था, लेकिन उन्होंने पूछा कि क्या मेरा क्लोज-अप शॉट अभी बाकी है। जब टीम ने हां कहा, तो उन्होंने मेरी मदद करने के लिए वहीं रुकने की जिद की और मुझे सीन को सही तरीके से करने में मदद की। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। अगर आप फिल्म में उस सीन को देखेंगे, तो आपको यह असली और सच जैसा लगेगा।'' 'शर्माजी नमकीन' ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म थी। इसमें ऋषि कपूर के अलावा, परेश रावल और जूही चावला मुख्य किरदार में थीं।

यह एक हल्की-फुल्की पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो बुढ़ापे के अकेलेपन, परिवार में एक-दूसरे को वक्त देने की अहमियत, दोस्ती और काम की गरिमा जैसी बातों को मजेदार तरीके से दिखाती है।

फिल्म में ऋषि कपूर ने बीजी शर्मा नाम के व्यक्ति का किरदार निभाया, जो दिल्ली के सुभाष नगर में दो बेटों के साथ रहता है। उसे खाना बनाना काफी पसंद है। रिटायरमेंट के बाद वह अमीर महिलाओं की किट्टी पार्टियों में खाना बनाने लगता है। जब यह बात उनके बेटों को पता चलती है, तो घर में काफी तनावपूर्ण माहौल हो जाता है। इसमें संस्कृति और रोजमर्रा की जिंदगी को काफी सहजता से दिखाया गया है। निर्देशक हितेश भाटिया ने फिल्म में दिल्ली की खासियतों को बेहतरीन तरीके से पेश किया।

फिल्म लूडो की शूटिंग के दौरान घबरा गई थीं फातिमा सना शेख, बोलीं

छोटी-सी लाइन भी नहीं बोल पाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने कहा फिल्म लूडो की शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सीन में उन्हें अपने को-स्टार राजकुमार राव को डायलॉग शुरू करने का इशारा देना था, ताकि वह अपना मोनोलॉग शुरू कर सकें, लेकिन वह बार-बार अपनी लाइन भूल जाती थीं और सीन को दोबारा शुरू करना पड़ता था।

जब उनसे पूछा कि एक कलाकार के तौर पर वह किसी किरदार से खुद को कैसे अलग करती हैं, इस पर उन्होंने कहा, एक फिल्म पर एक एक्टर का कंट्रोल बहुत सीमित होता है। एक्टर सिर्फ अपनी एक्टिंग तक ही योगदान दे सकता है। उसके बाद निर्देशक तय करता है कि कौन सा सीन फिल्म में रखा जाएगा और कौन सा नहीं। हमें उस पर कुछ नहीं कहते। फातिमा ने फिल्म लूडो के उस सीन को याद किया, जिसमें वह बार-बार अपनी लाइन भूल रही थीं। उस दौरान उनके को-स्टार राजकुमार राव ने काफी धैर्य दिखाया। उन्होंने बताया कि निर्देशक अनुराग बसु ने भी उन्हें शांत और सहज महसूस करवाया, ताकि वह घबराए नहीं।

फातिमा ने कहा, फिल्म लूडो में मेरा और राजकुमार का एक सीन था, जिसमें राजकुमार को मोनोलॉग शुरू करना था। मेरी सिर्फ 3-4 लाइनें थीं, जो उन्हें इशारा देने के लिए थीं, ताकि वो अपना डायलॉग शुरू कर सकें। लेकिन मैं वो छोटी-सी लाइनें भी ठीक से नहीं बोल पा रही थी। इस बात का बहुत बुरा लग रहा था, क्योंकि इससे मैं और ज्यादा घबराने लगी थी और दोबारा लाइनें भूलने लगी। ऐसे में अनुराग बसु और राजकुमार राव चाहते तो नाराज हो सकते थे, लेकिन उन्होंने बड़े ही प्यार से कहा, फैटी, इट्स ओके।बता दें कि फातिमा का निकनेम फैटी है।उन्होंने कहा, ऐसे वक्त पर ही समझ में आता है कि दूसरे लोग आपको कितना सपोर्ट करते हैं।

वागले की दुनिया की परीवा प्रणति ने कहा

आज के डिजिटल युग में पहचान की चोरी आम हो गई है

सोनी सब का लोकप्रिय शो वागले की दुनिया भारतीय मिडिल क्लास परिवार के रोजमर्रा के संघर्षों, मूल्यों और जिजीविषा को सामने ला रहा है। छोटे-बड़े उतार-चढ़ावों के बीच, वागले परिवार हमें पारिवारिक मूल्यों, ईमानदारी और उम्मीद की अहमियत का एहसास कराता है - जिससे शो दिल को छू लेने वाला और बेहद जुड़ाव योग्य बन गया है। आगामी एपिसोड्स में कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है, जब पुलिस साई दर्शन सोसाइटी पहुंचती है और वंदना (परीवा प्रणति) को पड़ोसी देश की जासूस होने के आरोप में गिरफ्तार कर लेती है। अधिकारियों के अनुसार एक संवेदनशील सरकारी जानकारी लीक हुई है, और जिस आईपी एड्रेस से यह सुरक्षा चूक हुई, वह वंदना के नाम पर रजिस्टर था।

कहानी और गहराती है जब वंदना के बैंक अकाउंट में 25 लाख रुपए एक अज्ञात विदेशी कंपनी से ट्रांसफर हो जाते हैं, जिससे यह मामला एक जानकारी बेचने की डील जैसा प्रतीत

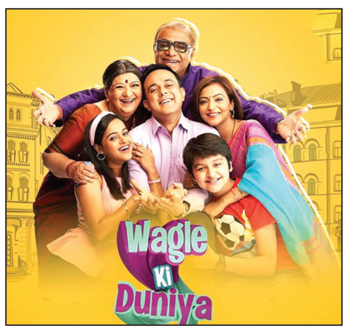

होता है। पुलिस राजेश (सुमित राघवन) को बताती है कि सबूत काफी मजबूत हैं - जिससे वागले परिवार पूरी तरह से स्तब्ध रह जाता है। जैसे-जैसे परिवार सच्चाई को समझने की कोशिश करता है, वंदना पूरी तरह से फंसी हुई नजर आती है।

वंदना वागले का किरदार निभा रहीं परीवा प्रणति ने कहा, आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड और पहचान की गलत इस्तेमाल आम होता जा रहा है, और वंदना के साथ जो होता है, वह एक चेतावनी है। उसकी पहचान और अकाउंट का इस्तेमाल उसे जासूसी जैसे गंभीर अपराध में फंसाने के लिए किया गया, यह बताता है कि हम सब कितने असुरक्षित हैं। मुझे खुशी है कि हमारा शो इस विषय को उजागर कर रहा है, क्योंकि आज हमें और अधिक सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। ऐसे स्कैम्स मासूम जिंदगियों को बर्बाद कर सकते हैं, और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करें और मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र की मांग करें।

फिल्म माय मेलबर्न पार्ट टू में साथ काम करेंगे राजकुमार हिरानी और शूजित सरकार

एंथोलॉजी फिल्म माय मेलबर्न के निर्माता इसका अगला पार्ट लेकर आ रहे हैं। इसका निर्देशन भारत के मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी, अंजलि मेनन, शूजित सरकार और ओनिर करेंगे। यह चारों निर्देशक माय मेलबर्न के लिए अलग-अलग कहानियां बनाएंगे। हर कहानी में मेलबर्न शहर की संस्कृति, लोग और अनुभवों को दिखाया जाएगा।

माय मेलबर्न फिल्म माइंड ब्लोइंग फिल्म्स कंपनी बना रही है और इसे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) पेश कर रहा है। इस फिल्म का मकसद भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को और मजबूत करना और दोनों देशों की सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना है।

राजकुमार हिरानी ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह प्रोजेक्ट फिल्म के जरिए अलग-अलग तरह के इंसानी अनुभवों को दिखाता है और साथ ही दो विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है। माय मेलबर्न मुझे एक ऐसी कहानी कहने का मौका देती है जो दिल से जुड़ी हुई है। इसमें संस्कृति की झलक मिलती है।

शूजित सरकार ने कहा, कहानियां सुनाने की कोई सीमा नहीं होती। 'माय मेलबर्न' एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो यह साबित करता है कि कहानियां चाहे किसी भी जगह से जुड़ी होती हैं, पूरी दुनिया के लोगों के दिलों को छू सकती हैं। मैं इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं, जो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बातचीत और समझ को बढ़ावा देती है। माय मेलबर्न फिल्म मार्च 2025 में भारत और ऑस्ट्रेलिया में रिलीज हुई थी। इसमें चार जाने-माने डायरेक्टर्स ने काम किया, जिनमें रीमा दास, ओनिर, इम्तियाज अली और कबीर खान शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर अलग-अलग विषयों, पहचान, लिंग, नस्ल/जाति, सेक्सुअलिटी और विकलांगता जैसे मुद्दों पर कहानियां बनाईं। अंजलि मेनन ने कहा, माय मेलबर्न का विषय और इसका मकसद मेरी पसंदीदा कहानियों के जैसा है। ऐसी कहानियां जो लोगों में समझ और भावना जगाती हैं और उन्हें एक-दूसरे के करीब लाती हैं। मैं इस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। डायरेक्टर ओनिर, जो पहले भी 'माय मेलबर्न' में काम कर चुके हैं, उन्होंने कहा, माय मेलबर्न के दूसरे पार्ट में वापस आना ऐसा है जैसे किसी अधूरी कहानी को फिर से शुरू करना।

जयंती विशेष : संगीत के दिग्गज होने के साथ एक मिलनसार इंसान भी थे पंचम दा

संगीत की दुनिया में क्रांति लाने वाले राहुल देव बर्मन किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्हें लोग प्यार से पंचम दा कहकर बुलाते थे। उनकी तैयार की गई धुनों ने कई पीढ़ियों को झूमने पर मजबूर किया है। वह न केवल अपने संगीत से, बल्कि मधुर स्वभाव से भी लोगों को अपना बना लेते थे। एक्टर सचिन पिलगांवकर ने एक किस्सा सुनाते हुए बताया था कि कैसे पंचम दा ने उन्हें सहज और खास महसूस कराया था, सिर्फ इसलिए कि सचिन उनके पिता का भी नाम था।

सचिन पिलगांवकर ने बताया कि 'बालिका-वधू' फिल्म को लेकर जब वह पहली बार पंचम दा से मिले थे, तब वह उनके स्वभाव से अनजान थे। इस कारण, वह उस समय थोड़ा घबराए हुए थे। लेकिन जब पंचम दा ने उनसे बात की, तो माहौल पूरी तरह बदल गया।

अभिनेता ने बताया, मेरी घबराहट को दूर करने के लिए उन्होंने मुझसे कहा कि वह कभी भी मुझसे नाराज नहीं हो सकते, क्योंकि मेरा और उनके पिताजी का नाम एक ही है। यह बात सुनकर मेरा डर कुछ कम हुआ और मैंने खुलकर बात करनी

शुरू कर दी। बता दें कि आर.डी. बर्मन के पिता का नाम सचिन देव बर्मन है।

सचिन ने आगे बताया कि पंचम दा ने उन्हें अपने कंपाउंड में टहलने के लिए बुलाया और उनके बोलने-चलने के अंदाज पर ध्यान दिया। इसके बाद उन्होंने एक प्यारी सी धुन, बड़े अच्छे लगते हैं... गुनगुनाई। यह पल उनके लिए बेहद खास था, क्योंकि इससे उन्हें महसूस हुआ कि पंचम दा सिर्फ एक महान संगीतकार ही नहीं, बल्कि एक दयालु इंसान भी हैं।

आर.डी. बर्मन का जन्म 27 जून 1939 को कोलकाता में हुआ था। बचपन से ही उनका संगीत में गहरा लगाव था। उन्होंने अपने पिता एस.डी. बर्मन की तरह संगीत को ही अपनी जिंदगी बना ली। उस्ताद अली अकबर खान, पंडित समता प्रसाद और सलिल चौधरी ने उन्हें संगीत सिखाया।

आर.डी. बर्मन ने अपने करियर की शुरुआत 1961 में फिल्म सोलवा साल से की, लेकिन उनकी पहली हिट फिल्म 1966 में आई 'तीसरी मंजिल' थी। इसके गाने लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हुए। इसके बाद उन्होंने पड़ोसन, प्रेम पुजारी, यादों की बारात, दीवार, खेल खेल में, वारंट, आंधी, खुशबू, धरम करम, और शोले जैसी कई हिट फिल्मों में संगीत दिया। आर.डी. बर्मन क्लासिकल संगीत के साथ-साथ नई और अलग तरह की धुनें भी बनाने में माहिर थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका धन तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे यह बात भली भांति जान लें नहीं तो आपको आने वाले समय में पछताना पड़ेगा। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। प्रभावशाली लोगों से संपर्क करना आपके लिए अच्छे परिणाम लाएगा। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सि-लसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मानसिक तौर पर आप स्थिर महसूस नहीं करेंगे– इसलिए इस बात का ख़याल रखें कि दूसरों के सामने आप कैसे बर्ताव करते और बोलते हैं। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे । आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। नौकरी–पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं।. लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आपको और आपके जी–वनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सिर्फ़ सकारात्मक विचारों के ज़रिए इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में दिल लगाने से बचें नहीं तो आपकी बदनामी हो सकती है। यदि आप किसी से जुड़ना भी चाहते हैं तो ऑफिस से दूरी बनाकर ही उनसे बात करें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान–पुण्य के काम में सहभागिता करें। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। गर्लफ़्रेण्ड/बॉयफ़्रेण्ड से धोखा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आपका जीवनसा–थी रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा करने से अपने हाथ पीछे खींच सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंद–ीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 जून 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 11:22 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु प्रातः 07:23 तक
योग : व्याघात रात्रि 09:10 तक
करण : कौलव प्रातः 11:22 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्री जगन्नाथ रथयात्रा , हिजरी सन् 1447 आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युवा कभी सीखना बंद ना करें, कभी सपने देखना बंद ना करें : भजनलाल

जोधपुर, 26 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मील का पत्थर है। यहां से निकलने वाले स्नातक वह युवाशक्ति है जो विकसित भारत–विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा और नवाचार की शक्ति को पहचानती है। हम टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर निवेश कर रहे हैं ताकि युवाओं को प्रत्येक क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर मिलें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कभी सीखना बंद ना करें, कभी सपने देखना बंद ना करें तथा अपने हर निर्णय में 'भारत प्रथम' की भावना को अपनाएं।

शर्मा गुरूवार को जोधपुर में आईआईटी, जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से शिक्षा पूरी कर माता–पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, एआई, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, बायो इंजीनियरिंग इत्यादि के क्षेत्र में यह संस्थान अपनी शिक्षा और रिसर्च के लिए जाना जाता है। आईआईटी जोधपुर मरुधरा की इस धरती में एक चमकता हुआ मोती है जो पूरे भारतवर्ष में अपनी चमक बिखेर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गहराई से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारत में ज्ञान का उद्देश्य दर्शन या आध्यात्म के साथ व्यावहारिक उपयोग और प्राकृतिक सिद्धांतों की खोज भी था। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों ने शून्य की खोज कर आधुनिक गणित की नींव रखी। दशमलव प्रणाली की शुरूआत तथा त्रिकोणमितीय फलन का विकास भी भारत में ही हुआ। भास्कराचार्य और वराहमिहिर, आर्यभट्ट और ब्रह्मगुप्त जैसे विद्वानों ने देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान दिया।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के ज्ञान और विशेषज्ञता को अन्तराष्ट्रीय मंच उपलब्ध करवाने तथा नवीनतम तकनीकी सृजन के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर बनाने के लिए अनेक अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। इस दिशा में राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए और इनमें से सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू को धरातल पर उतारा भी जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के साथ ही ऊर्जा भंडारण, वेस्ट टू एनर्जी, पर्यटन, खनन ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नई तकनीक में अवसर सृजित करने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सेलरेट, एवीजीसी–एक्सआर पॉलिसी, टेकबी कार्यक्रम, स्टार्टअप लॉन्चपैड, लर्न, अर्न एंड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्कीलिंग जैसे नवाचार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्टेट स्किल पॉलिसी के तहत 2 साल में डेढ़ लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, राजस्थान रोजगार नीति–2025 तथा विवेकानंद रोजगार सहायता कोष की स्थापना भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमने 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का संकल्प लिया है। भर्ती कैलेण्डर जारी करना, रोजगार मेला एवं कैम्पस प्लेसमेंट के आयोजन से समयबद्ध रूप से युवाओं को रोजगार देने के संकल्प को गति मिली है।

इस अवसर पर आईआईटी जोधपुर के अभिशासक मंडल अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार ने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारतीय उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता का केन्द्र है। आज यहां से उपाधि प्राप्त स्नातक विद्यार्थियों के लिए देश एवं विश्व में रोजगार के अपार अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने ज्ञान एवं मूल्यों का प्रयोग कर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

कार्यक्रम में प्लाक्षा विश्वविद्यालय चंडीगढ के कुलपति प्रो. रूद्रप्रताप ने स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप केवल डिग्रीधारी नहीं भारत के भविष्य निर्माता भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीक का प्रयोग पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए भी करने पर जोर दिया। निदेशक आईआईटी जोधपुर प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान शर्मा ने आईआईटी जोधपुर संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियां को उपाधि प्रदान की। साथ ही, संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए। प्रोफेसर आशुतोष शर्मा (पूर्व सचिव डी.एस.टी, भारत सरकार), विपिन सोंधी (पूर्व एमडी अशोक लैलेण्ड), डॉ. वीके सारस्वत (सदस्य नीति आयोग) को मानद उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, विधायक बाबूसिंह राठौड़, भैराराम सियोल, आईआईटी जोधपुर के उप निदेशक प्रो. भवानी कुमार शतपथी सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी तथा अभिभावकगण उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : दिया कुमारी

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के रोड़ नंबर 14 इलाके का दौरा किया। यहां नाले के पानी की निकासी में आ रही समस्याओं को लेकर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों के साथ हालतो की समीक्षा की और स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

पानी निकासी की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी समाधान में हो रही देरी को लेकर उपमुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा, बजट घोषणाओं और विकास कार्यों की नियमित समीक्षा के लिए अब हर महीने दो बैठकें की जा रही हैं, जिनमें संबंधित विभागों को भी शामिल किया जाता है। कई बार जमीनी स्तर की दिक्कतें सामने आती हैं, इसलिए हम जनता से भी सहयोग की अपील करते हैं। विद्याधर नगर निरीक्षण के बाद उपमुख्यमंत्री भांकरोटा क्षेत्र के लिए रवाना हुईं, जहां उन्होंने रिंग रोड और एनएचएआई द्वारा चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। अजमेर रोड के समीप जलभराव और ट्रैफिक जाम की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिंग रोड का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

रोहित गोदारा गैंग का सदस्य अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार

चूरू, 26 जून (एजेंसियां)। जिले में वांछित अपराधियों और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। हमीरवास थाना पुलिस और एंटी–गैंगस्टर टास्क फोर्स चुरू की संयुक्त कार्रवाई में गेंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग से जुड़े एक हिस्ट्रीशीटर को अवैध हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया गया है।

एसपी जय यादव ने बताया कि यह कार्रवाई गुरुवार, 26 जून को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल और सहायक पुलिस अधीक्षक राजगढ़ निश्चय प्रसाद एम के पर्यवेक्षण में की गई। हिस्ट्रीशीटरों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच के दौरान पुलिस टीम ने बदमाश देवेंद्र सिंह उर्फ देवेंद्र नुहंद पुत्र मदन सिंह (39) निवासी नुहंद थाना हमीरवास को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार देवेंद्र सिंह उर्फ देवेंद्र नुहंद के कब्जे से तीन अवैध हथियार और तीन जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए हथियारों में दो डबल बैरल 12 बोर बंदूकें और एक सिंगल बैरल 12 बोर बंदूक शामिल हैं, साथ ही तीन 12 बोर के जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। यह बरामदगी क्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी और उनके इस्तेमाल पर एक बड़ी चोट है।

देवेंद्र सिंह उर्फ देवेंद्र नुहंद हमीरवास थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसका सीधा संबंध रोहित गोदारा और उसकी गैंग के प्रवीण सिंह राजपूत और जीतू जोड़ी गैंग से है।

टी. रविकान्त के नेतृत्व में बड़ा फैसला

पेट्रोलियम विभाग को 6315 करोड़ की टैक्स छूट

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। कस्टम एक्साईज एवं सेवाकर अपील अधिकरण, नई दिल्ली ने राज्य के पेट्रोलियम विभाग को सर्विस टैक्स के 6315 करोड़ के प्रकरण में राहत प्रदान करते हुए सी.जी.एस.टी.जोधपुर के पूर्व फैसले को अस्वीकृत कर दिया है। प्रमुख सचिव माइन्स एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि पेट्रोलियम विभाग ने प्रभावी रूप से पैरवी करते हुए सीबीईसी के स्पष्टीकरण सेवा का कराधानः एक शिक्षा मार्गदर्शिका 20.06.2012 के खनन अधिकार सहायक सेवाऐं नहीं है और 31.03.2016 तक नकारात्मक सूची के अन्तर्गत छूट प्राप्त है, को आधार बनाते हुए सर्विस टैक्स मामले के इस केस में लगभग 6315 करोड रूपये से अधिक की बडी राहत प्राप्त की है। इसे और अधिक स्पष्ट करते हुए बताया कि सीबीईसी द्वारा 20 जून को जारी मार्गदर्शिका में कहा गया है कि खनन अधिकार सहायक सेवाएं नहीं है तथा इन सेवाओं को नकारात्मक सूची के अंतर्गत छूट प्राप्त है। केन्द्रीय अपील अधिकरण ने राज्य सरकार के पक्ष को स्वीकार करते हुए यह निर्णय पारित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय समय पर विभागीय समीक्षा बैठकों के दौरान कोर्ट केसेज को गंभीरता से लिए जाने और प्रभावी तरीके से राज्य सरकार का पक्ष रखने के निर्देश देते रहे हैं।

प्रमुख सचिव माइन्स एवं पेट्रोलियम रविकान्त ने बताया कि आयुक्त सी.जी.एस.टी. जोधपुर ने राजस्थान में खनिज तेल उत्खनन से प्राप्त रॉयल्टी/डेडरेंट को अचल सम्पत्ति के किराए के रूप में प्राप्त करना मानते हुए दिनांक 01.04.2013 से 31.03.2016 तक की अवधि के लिए 1657.71 करोड रूपये का सर्विस टैक्स तथा इस पर लगभग 3000 करोड का ब्याज व 1657.71 करोड रूपये की पेनल्टी जमा कराने के लिए पेट्रोलियम विभाग को सम्मन जारी किया था।

7500 ग्रुप–डी पदों पर जल्द होगी जॉइनिंग: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 26 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में ग्रुप–डी के लगभग 7500 पदों पर शीघ्र ही जॉइनिंग करवाई जाएगी। यह जानकारी उन्होंने हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों से अवगत कराने के लिए आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी। सीईटी (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष सीईटी परीक्षा के लिए लगभग 13 लाख 48 हजार युवाओं ने पंजीकरण करवाया है, जो पिछले वर्ष के 11 लाख की तुलना में काफी अधिक है। उन्होंने स्वीकार किया कि सरल पोर्टल के सर्वर पर अधिक लोड होने के कारण कुछ दिक्कतें आई थीं, फिर भी 3 लाख से अधिक बीसी–ए व बी और लगभग 3 लाख अनुसूचित जाति के युवाओं ने पोर्टल से जाति प्रमाण पत्र डाउनलोड कर सीईटी के लिए पंजीकरण किया है।

मुख्यमंत्री ने उन युवाओं को बड़ी राहत देते हुए कहा कि जो उम्मीदवार जाति प्रमाण पत्र नहीं बनवा पाए हैं, वे भी परीक्षा दे सकेंगे, और अन्य प्रक्रियाएं साथ–साथ पूरी कर ली जाएंगी। एक अन्य प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी मौजूदा आवश्यकताओं के अनुरूप अपने–अपने विभागों के पदों का युक्तिकरण (रेशनलाइजेशन) कर मांगपत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेजें।

बिजली दरों में बढ़ोत्तरी से विनिर्माण इकाईयों को करना पड़ सकता है पलायन : गुलशन डंग

रोहतक, 26 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने हरियाणा सरकार द्वारा अप्रैल में बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी को लेकर कड़ा विरोध जताया है। बिजली दरों में की गई इस बढ़ौत्तरी को लेकर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग ने दावा किया कि पड़ोसी राज्यों की तुलना में यह शुल्क काफी अधिक है, जिससे विनिर्माण इकाइयों को अंततः पलायन करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य भर के उद्योग निकायों द्वारा बार–बार की गई मांगों और ज्ञापनों पर सरकार की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने कहा, पहले के विपरीत, सरकारी अधिकारी और यहां तक कि राजनीतिक नेता भी उद्योग की समस्याओं के प्रति उदासीन हो गए हैं। निवेश आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ, यह बढ़ोतरी हरियाणा को नुकसान में डाल सकती है और औद्योगिक इकाइयों को धीरे–धीरे कहीं और स्थानांतरित होने के लिए मजबूर कर सकती है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अब राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कहलाएगा

चंडीगढ़, 26 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई को और अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का नाम बदलकर 'राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा' करने को मंजूरी दे दी गई है। यह निर्णय ब्यूरो की लगातार बढ़ती भूमिका और जिम्मेदारियों की गहन समीक्षा के बाद लिया गया है। सरकार का मानना है कि नया और संशोधित नाम ब्यूरो के दोहरे फोकस को बेहतर ढंग से दर्शाता है: न केवल भ्रष्टाचार से सख्ती से निपटना, बल्कि राज्य के प्रशासनिक ढांचे के भीतर व्यापक सतर्कता सुनिश्चित करना भी। ब्यूरो की जिम्मेदारी अब केवल भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक विस्तृत सतर्कता ढांचा भी शामिल है। 'सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक' का संयुक्त नामकरण इसके कार्यों के पूर्ण दायरे को प्रदर्शित करता है, जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों में कदाचार, भ्रष्टाचार और पारदर्शिता से जुड़े मुद्दों की जांच करना शामिल है।सरकार ने बताया कि अन्य राज्यों में इसी तरह की एजेंसियों के नामकरण की समीक्षा की गई, जिसमें हिमाचल प्रदेश, केरल और मणिपुर जैसे कई राज्यों में 'सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो' जैसे शीर्षक का उपयोग पाया गया।

आपातकाल काला अध्याय विषय पर महिला मोर्चा का मॉक पार्लियामेंट कल

गुरुग्राम, 26 जून (एजेंसियां)। आपात काल के 50वें वर्ष पर भारतीय जनता पार्टी आपातकाल की विभिषिका को जन–जन तक पहुंचाने के लिए एक के बाद एक कार्यक्रम कर रही है। 25 जून को प्रदेश भर में आपातकाल काला अध्याय विषय पर प्रेस कांफ्रेंस कर चुकी हरियाणा भाजपा ने अब महिला मोर्चा को इस विषय पर महिला संसद कार्यक्रम करने का निर्णय लिया है। गुरुग्राम की गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में 28 जून को सुबह दस बजे महिला मोर्चा की कार्यकर्ता मॉक पार्लियामेंट का आयोजन करेंगी।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने बताया कि यह संसद सुबह 10 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक चलेगी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, प्रदेश महासचिव फणींद्र नाथ शर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा सहित राज्य की अनेक महिला सांसद, विधानसभा सदस्य और अन्य गणमान्य भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा हरियाणा में लोकतंत्र के काले अध्याय आपातकाल के 50वें वर्ष में प्रदेश में मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रमके जरिए हरियाणा की महिलाओं और नई पीढ़ी को आपात काल की भयावहता बताई जाएगी। सत्तारूढ़ पार्टी लोकतंत्र पर कुठाराघात की तत्कालीन कांग्रेस सरकार की असलियत को जनता के सामने लाएगी। भाजपा महिला मोर्चा मॉक पार्लियामेंट का आयोजन कर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की लोकतंत्र विरोधी व दमनकारी छवि को जनता के बीच लेकर जाएगी।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा कि भाजपा सरकार ने संविधान का हमेशा सम्मान करते हुए लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। भाजपा ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को कायम रखने तथा देश और समाज की समृद्धि के लिए संविधान में संशोधन किया है।

आचार संहिता उल्लंघन मामला

डिप्टी सीएम समेत पांच लोगों पर कोर्ट ने गठित किया आरोप

पटना (एजेंसियां)। मुंगेर कोर्ट में 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़े आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कुल पांच आरोपितों के खिलाफ आरोप गठित किया गया। उपमुख्यमंत्री और अन्य सभी पांच आरोपित मुंगेर के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पंकज कुमार की कोर्ट में गुरुवार को उपस्थित हुए। यहां कोर्ट ने बिना प्रशासनिक स्वीकृति के आम सभा आयोजित करने और जुलूस निकालने के मामले में सभी पांचों के खिलाफ आरोप गठित किया। इस मामले में कुल आठ लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया गया था, जिनमें से तीन की मौत हो चुकी है। इनमें दो पूर्व विधायक नीता चौधरी और गणेश पासवान सहित एक अन्य आरोपित शामिल हैं। जिन पांच लोगों के खिलाफ आरोप गठित किया गया है, उनमें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उदय नारायण चौधरी, समीर मधुकर, दिवाकर और योगेंद्र शामिल हैं।

इधर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि वह न्यायालय का सम्मान करते हैं और इसलिए न्यायालय की कार्रवाई में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सरकार का ध्यान मुंगेर और भागलपुर के विकास पर अधिक है। मुंगेर में एयरपोर्ट का विकास होगा और मुंगेर से भागलपुर के बीच गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर सहमति बन गई है। उन्होंने बताया कि बांका होते हुए हल्दिया तक जाने वाली सड़क, जो रक्सौल से हल्दिया तक जाएगी, इसी मार्ग से गुजरेगी। इसके अलावा जिले में सभी स्थानों पर छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा। अगुआनी घाट से सुल्तानगंज के बीच बनाए जा रहे सड़क पुल पर पटना उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सुपर स्ट्रक्चर तैयार कर निर्माण कराया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सुल्तानगंज में शिव भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे से 17 एकड़ जमीन बिहार सरकार ने प्राप्त की है, जिस पर शिव भक्तों की सुविधा के लिए आधारभूत सुविधाएं तैयार की जाएंगी। सुल्तानगंज-देवघर सड़क को भी फोरलेन का रूप दिया जाएगा।

खगड़िया में अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान, अवैध कब्जों को हटाया गया

मुंगेर (एजेंसियां)। खगड़िया शहर को भीषण ट्रैफिक जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। लगातार विकराल होती जाम की समस्या से निपटने के लिए आज एक बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया, जिसने अवैध कब्जों पर जमकर हथौड़ा चलाया।

इस सघन अभियान के तहत, जिला प्रशासन और नगर परिषद की टीम ने शहर के हर कोने, खासकर मुख्य मार्गों और बाजारों में फैले अवैध अतिक्रमण को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। सड़क किनारे रखे गए सामान, ठेले-खोमचे और गैर-कानूनी निर्माणों को हटाया गया, जिससे सड़कें अब खुली-खुली नजर आ रही हैं और राहगीरों ने राहत की सांस ली है।

स्थानीय लोग इस अभियान से बेहद खुश हैं और उन्होंने प्रशासन के इस साहसिक कदम का दिल खोलकर स्वागत किया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि अब शहर को भीषण जाम की समस्या से काफी हद तक छुटकारा मिल पाएगा। जिला प्रशासन ने भी साफ कर दिया है कि यह अभियान सिर्फ एक बार का नहीं है, बल्कि लगातार जारी रहेगा ताकि खगड़िया को पूरी तरह से जाम-मुक्त बनाया जा सके।

जिला प्रशासन ने शहरवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे सड़कों पर अतिक्रमण न करें और उन्हें खाली रखें, ताकि यातायात बिना किसी रुकावट के सुचारु रूप से चल सके। इस अभियान में बीपीअ-ारओ आनंद रंजन, एलईओ दीपक कुमार, ईओ रवि कुमार के नेतृत्व में नगर परिषद के राजीव कुमार यादव और अन्य कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लूट और गोलीबारी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, देशी पिस्तौल और कारतूस बरामद

पटना (एजेंसियां)। पटना पुलिस ने लूट और गोलीबारी के आरोपी सूरज चौधरी और उसके सहयोगी अपराधी साहिल कुमार के साथ गिरफ्तार किया है। पटना पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्तौल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किया है।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए दीघा लॉ एंड आर्डर डीएसपी 2 दिनेश कुमार पांडे ने बताया कि पटना एसएसपी के आदेश का पालन करते हुए दीघा पुलिस अनुमंडल थाना क्षेत्र में लगातार सघन वाहन चेकिंग और रोको टोको अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में बुधवार की देर रात थाना दीघा पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अहिरान गली में कुछ युवक अपराध की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना अध्यक्ष दीघा संतोष सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित किया। घटना के सत्यापन के बाद पुलिस ने घेरा बंदी कर सूरज और साहिल को पांच जिंदा कारतूस और एक देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

दीघा लॉ एंड आर्डर डीएसपी 2 दिनेश कुमार पांडे ने बताया कि छापेमारी के दौरान दोनों आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने खदेड़ दोनों को पकड़ लिया। पुलिस ने जब उनकी तलाशी ली तब उनके पास से हथियार और गोलियां बरामद हुई। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना नाम सूरज चौधरी और साहिल कुमार बताया। पुलिस का कहना है कि सूरज चौधरी पर पहले भी अपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने बताया कि दोनों लूट कांड के आरोपी हैं। दीघा लॉ एंड आर्डर डीएसपी 2 दिनेश कुमार पांडे ने बताया कि रात्रि में हथियार लेकर घूमने का प्रयोजन कहीं ना कहीं किसी बड़ी घटना को अंजाम देने का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधी दीघा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं । फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच में जुटी है।

शिव मंदिर में दूध की जगह खून बहते देख दंग रह गए लोग

पुजारी का शव पड़ा था

पटना (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मोतिहारी के पीपरा थाना क्षेत्र में शिव मंदिर के पुजारी की निर्मम हत्या कर दी गई है। बुधवार सुबह लोग पूजा करने मंदिर पहुंचे तो खून से सना पुजारी का शव देखकर दंग रह गए। लोग चीखने-चिल्लाने लगे। इसके बाद पिपरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

इधर, पुजारी की हत्या की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोग वहां प्रदर्शन करने लगे और प्रशासन से हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। गुस्साए लोगों ने वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने की भी मांग की। बाद में मौके पर पहुंचे चकिया एसडीप-ीओ ने समझा-बुझाकर भीड़ को वहां से हटाया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया।

इस संबंध में मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह हत्या आपसी या जमीनी विवाद में हुई प्रतीत होती है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुजारी के परिवार वालों ने इस घटना में तीन लोगों को नामजद किया है। घटनास्थल पर एसडीपीओ और थानाध्यक्ष मौजूद हैं। अब स्थिति सामान्य है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना के बाद लोगों का कहना है कि शिव मंदिर से दूध की धारा बहती है। पहली बार किसी ने इस मंदिर में खून की धारा बहाई है। अपराधियों ने पुजारी की निर्मम हत्या की है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को कड़ी सजा दिलवाए।

स्कूल जा रहे छात्र को स्कार्पियो ने कुचला मौत के बाद लोगों ने किया बवाल

पटना (एजेंसियां)। नालंदा में गुरुवार को स्कूल जा रहे एक छात्र को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने कुचल दिया। यह घटना बिहार शरीफ-एकंगरसराय मुख्य मार्ग के परवलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मई पेट्रोल पंप के समीप हुई। मृतक की पहचान मई गांव निवासी नीतीश यादव के 10 वर्षीय पुत्र जौसब कुमार के रूप में की गई है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एक यात्री बस में तोड़फफोड़ कर दी। जिस स्कार्पियो से छात्र की मौत हुई, उसके चालक के साथ भी मारपीट की गई और स्कार्पियो में आग लगा दी गई। बताया जा रहा है कि जौसब अपने दो दोस्तों के साथ पैदल स्कूल जा रहा था। इसी दौरान अनियंत्रित स्कार्पियो ने बस को ओवरटेक करने के चक्कर में छात्र को कुचल दिया, जिससे वह सड़क से दूर झाड़ियों में चला गया। जौसब एलकेजी का छात्र था और परवलपुर बाजार में पढ़ने के लिए जा रहा था। हादसे की सूचना मिलने पर परवलपुर थाना अध्यक्ष दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्कार्पियो चालक को भीड़ से बचाने का प्रयास किया। हिलसा एसडीओपी-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि मई पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे में एक स्कूल के छात्र की स्कार्पियो द्वारा कुचले जाने के कारण मौत हो गई। इसके बाद कुछ लोगों ने स्कार्पियो चालक के साथ मारपीट की और उसमें आग लगा दी। एक बस में भी तोड़फफोड़ की गई। पुलिस ने स्कार्पियो चालक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल विधि व्यवस्था सामान्य है और सड़क जाम को हटा लिया गया है।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने की कार्रवाई

राजस्व कर्मचारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इस दौरान पूरे बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा रहा है, ताकि भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके। इस दौरान निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम ने राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम के अनुसार राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार के द्वारा 18000 रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। आरोपी रोहतास जिला में दावथ प्रखंड में राजस्व कर्मचारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो टीम के अनुसार परिवादी पिंटू कुमार जमीन के मोटेशन के लिए लगातार कार्यालय का चक्कर लगा रहे थे। पीड़ित ने इस बात की शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के कार्यालय में दर्ज करायी कि आरोपी राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार के द्वारा जमीन मोटेशन करने के एवज में 18 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। ब्यूरो ने परिवादी की शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें सत्यापन के दौरान आर-ोपी द्वारा रिश्वत मांगे जाने का प्रमाण सत्य पाया गया। प्रथम द्रष्ट्या आरोप सही पाये जाने के पश्चातब मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष हुए सम्मानित

रणवीर नंदन को लोगों ने दी बधाई

पटना (एजेंसियां)। पटना के गर्दनीबागठाकुरबाड़ी प्रबंध न्यास समिति की ओर से बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने के उपलक्ष्य में पूर्व परिषद सदस्य और भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो (डॉ) रणवीर नंदन का अभिनंदन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि, अंजनी कुमार सिंह (बिहार के पूर्व मुख्य सचिव व बिहार संग्रहालय के निदेशक) ने कार्यक्रम की शुरुआत की।

अतिथियों का स्वागत करते हुए ठाकुरबाड़ी प्रबंध न्यास समिति के सचिव सीटीवीएस, पटना एम्स के विभागाध्यक्ष डॉ0 (प्रो0) संजीव कुमार ने अपने संबोधन में डॉ0 नंदन द्वारा पूर्व में किए गए कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि इस ठाकुरबाड़ी के विकास और प्रायः सभी सनातनी पूजन अवसर पर समर्पित योगदान दिया है। इस अभिनंदन समारोह की सफलता के लिए उन्होंने पूर्व उप महानिरीक्षक अशोक सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि अंजनी कुमार सिंह ने अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रो0 नंदन का नामित किया जाना उनकी धार्मिक प्रवृति और अध्यात्म ज्ञान का प्रतिफल है। आशा है कि ठाकुरबाड़ी की ही तरह पूरे बिहार के धार्मिक स्थलों का समुचित विकास अवश्यंभावी प्रतीत होता है। प्रोफेसर नंदन ने कई धार्मिक दृष्टांतों के साथ अपने संस्मरण साझा किए और नामित किए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत संबंधितों का आभार जताया। इस अवसर पर रिटायर्ड जस्टिस राकेश कुमार सिन्हा, डॉ. अमूल्य कुमार सिंह, सुशील सिंह, विधायक संजीव चौरसिया, शशि भूषण वर्मा एवं अन्य ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में भीम सिंह, वेदप्रकाश,सत्यप्रकाश, रुन्ना बाबा (पुरोहित) के अलावा कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com